YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-11 | अंक-317 | गुरुवार, 21 दिसम्बर 2023 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

नये दूरसंचार कानून में मोबाइल सिम हासिल करने की प्रक्रिया को पासपोर्ट की तर्ज पर पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया जा रहा है जिसमें सिम को आधार कार्ड से लिंक करना, केवाईसी सत्यापन करना और उपयोगकर्ता की जिम्मेदारी तय करने के प्रावधान किये हैं।

अश्विनी वैष्णव

मार्च 2024 तक जितना चलो उतना टॉल चुकाने की व्यवस्था होगी शुरू: गडकरी 11

राज्य गठन के बाद खेलों का तेजी से हुआ विकास : कौशिक 12

संक्षेप

उपराष्ट्रपति पद का मजाक बनाने पर मोदी ने जताया दुख

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का मजाक बनाने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि संसद परिसर में ऐसी घटना का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग वर्क वेबसाइट एक्स पर जारी एक संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन किया है और कुछ सांसदों द्वारा उनका मजाक बनाने पर गहरा दुख प्रकट किया है। श्री धनखड़ ने कहा, ''प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का फोन आया और उन्होंने कल संसद के पवित्र परिसर में कुछ माननीय सांसदों द्वारा प्रदर्शित की गयी अपमानजनक नाटकीयता पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने मुझे बताया कि वह पिछले बीस वर्षों से इस तरह के अपमान सहते आ रहे हैं, लेकिन देश के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर श्री धनखड़ ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से कहा कि कुछ लोगों की बेतुकी हरकतें मुझे मेरा कर्तव्य निभाने और हमारे संविधान में निहित सिद्धांतों का सम्मान करने से नहीं रोक सकती हैं। मैं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हूं और इस प्रकार के अपमान मुझे अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकते।''

उपराष्ट्रपति के प्रति विपक्ष का आचरण अक्षम्य: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि विपक्षी सांसदों द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति व्यवहार असंसदीय, अशोभनीय और अक्षम्य है। श्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, संसद परिसर में माननीय उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के माननीय सभापति श्री जगदीप धनखड़ जी के प्रति विपक्ष का असंसदीय, अशोभनीय और अक्षम्य आचरण अलोकतांत्रिक होने के साथ ही उनके कुसंस्कारों को भी दर्शाता है। संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के प्रति अहंकार और विद्वेष से परिपूर्ण यह कृत्य अत्यंत ही शर्मनाक है। संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले इस कृत्य की मैं घोर निंदा करता हूं।

फर्रुखाबाद में गोदाम में आग कुछ ईवीएम को नुकसान

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र में स्थित निर्वाचन कार्यालय के ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) गोदाम में बुधवार को आग लगने से कुछ मशीन जलकर राख हो गई। अपर जिला अधिकारी सुभाष चंद्र प्रजापति ने बताया कि फतेहगढ़ कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम गोदाम मे 762 ईयू एवं 78 यू तथा 338 वीवीपैट समेत कुल 1178 ईवीएम रखी थी। आज सुबह करीब 8:30 बजे गोदाम से धुंआ उठता देख फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड सूत्रों ने बताया कि मुख्यालय से दमकल की तीन गाड़ियां और करीब 20 जवान मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंचे।

आपराधिक न्याय प्रणाली में होगा आमूल-चूल बदलाव : गृहमंत्री

आपराधिक न्याय प्रणाली में बदलाव करने वाले तीन विधेयक लोकसभा में पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में अंग्रेज़ों के ज़माने की दंड आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली को हटा कर उसके स्थान पर न्याय केन्द्रित भारतीय मूल्यों पर आधारित न्यायिक प्रणाली स्थापित करने वाले तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को लोकसभा ने आज ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा में भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता विधेयक- 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता विधेयक -2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर दो दिनों तक करीब छह घंटे तक चली चर्चा का गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अंग्रेजों के जमाने के कानूनों में बदलाव कर आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति की बात कही थी, उसी के तहत गृह मंत्रालय ने आपराधिक कानूनों में बदलाव के लिए गहन विचार किया।

उन्होंने कहा कि तीनों विधेयकों में व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानव के अधिकार और सबके साथ समान व्यवहार के तीन सिद्धांतों के आधार पर बनाये जा रहे हैं। आजादी के बाद पहली बार अपराध न्याय प्रणाली से जुड़े तीनों कानूनों का मानवीकरण होगा। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद, संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार जैसे विषय जोड़े गये हैं और इसे दंड केन्द्रित नहीं बल्कि न्याय केन्द्रित बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। संगठित अपराधों एवं घोषित अपराधियों के बारे में कड़े प्रावधान किये गये हैं। राजद्रोह के अपराध को समाप्त कर देशद्रोह तथा भीड़ द्वारा पीट पीट कर की गयी हत्या (मॉब लिंचिंग) को गंभीरतम अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

गृह मंत्री के करीब डेढ़ घंटे तक चले जवाब के बाद सदन ने एक एक कर तीनों विधेयकों को सरकारी संशोधनों के साथ पारित कर दिया। ये विधेयक डेढ़ सौ साल से अधिक पुरानी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान लेंगे। इस प्रकार से देश ने आपराधिक न्याय प्रणाली में परिवर्तन की दिशा में एक कदम बढ़ा दिया। तीनों विधेयकों को गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा के लिए पेश किया जाएगा। विधेयकों में विदेशों में मौजूद अपराधियों के मामले में कार्रवाई के लिए कुछ संशोधन किये गये हैं। इसके बाद व्याकरण और भाषा संबंधी जो त्रुटियां थीं उन्हें दूर किया गया है।

गृह मंत्री ने चर्चा का उत्तर देते हुए कहा, ल्हमने कहा था कि हम धारा 370 और 35-ए हटा देंगे, हमने हटा दिया। हमने वादा किया था, आतंकवाद को समाप्त कर देंगे, जीरो टॉलरेंस यानी कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति बनाएंगे और सुरक्षाकर्मियों को स्वतंत्रता देंगे, हमने दिया। हमने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे और अब 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। ये नरेन्द्र मोदी की सरकार है, जो कहती है-वो करती है। श्री शाह ने कहा, इस ऐतिहासिक सदन में करीब 150 साल पुराने तीन ● शेष पेज 11 पर

हम जो कहते हैं, वो करते हैं

अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग कहते थे कि हम इन विधेयकों ने नहीं समझते, मैं उन्हें कहता हूं कि मन अगर भारतीय रखोगे तो समझ में आ जाएगा। लेकिन अगर मन ही इटली का है, तो कभी समझ नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि हम धारा 370 और 35-ए हटा देंगे, हमने हटा दिया। हमने वादा किया था आतंकवाद को समाप्त कर देंगे, जीरो टॉलरेंस की नीति बनाएंगे और सुरक्षा कर्मियों को फ्री हैंड देंगे, हमने दिया। हमने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे और अब 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। ये नरेन्द्र मोदी की सरकार है, जो कहती है-वो करती है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों 2023 की घोषणा

मोहम्मद शमी समेत 26 को मिला अर्जुन अवॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों 2023 की बुधवार को घोषणा हो गई है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी समेत 26 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा। वहीं, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार बैडमिंटन जोड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार दिया जाएगा। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली समिति ने जिन नामों की अनुशंसा की थी उसके आधार पर सात्विक-चिराग को सर्वोच्च खेल सम्मान खेलरत्न देने का फैसला किया गया। खेल पुरस्कार 9 जनवरी को दिए जाएंगे। ये पुरस्कार राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रदान करेंगी।

बता दें कि शमी ने वर्ल्ड कप 2023 में कमाल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 7 मैचों में सर्वाधिक 24 शिकार किए थे। शमी को चार मैचों में बाहर रहने के बाद मौका मिला था, जिसका उन्होंने जमकर फायदा उठाया। हालांकि, भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शमी को अर्जुन अवॉर्ड की लिस्ट में शामिल करने के लिए विशेष आग्रह किया था। इससे पहले उनका नाम देश के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामित किए गए खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं था।

इन खिलाड़ियो को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड 2023 : मोहम्मद शमी (क्रिकेट), ओजस प्रवीण देवताले (तीरंदाजी), सुअदिति गोपीचंद स्वामी (तीरंदाजी), श्रीशंकर एम (एथलेटिक्स), पारुल चौधरी (एथलेटिक्स), मोहम्मद हुसामुद्दीन (मुक्केबाजी), आर वैशाली (शतरंज), अनुश अग्रवाल (घुड़सवारी), दिव्यकृति सिंह (घुड़सवारी ड्रेसेज), सुदीक्षा डागर (गोल्फ), कृष्ण बहादुर पाठक (हॉकी), सुपुखरामबम सुशीला चानू (हॉकी), पवन कुमार (कबड्डी) रितु नेगी (कबड्डी), नसरीन (खो-खो), पिंकी (लॉन बाउल्स), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (शूटिंग), ईशा सिंह (शूटिंग), हरिंदर पाल सिंह संधू (स्क्वैश), अयहिका मुखर्जी (टेबल टेनिस), सुनील कुमार (कुश्ती) अंतिम (कुश्ती), नाओरेम रोशिबिना देवी (वुशु) शीतल देवी (पैरा तीरंदाजी), इलूरी अजय कुमार रेड्डी (ब्लाइंड क्रिकेट), प्राची यादव (पैरा कैनोइंग)। प्रशिक्षकों को मिलने वाले द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए गणेश प्रभाकरन ● शेष पेज 11 पर

❐ सात्विक-चिराग को खेल रत्न

खड़गे को विपक्ष का पीएम पद का उम्मीदवार बनाया जाए : ममता

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अगले आम चुनाव में विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में प्रस्तुत किए जाने का प्रस्ताव किया है ताकि कोई यह न कह सके कि विपक्ष के पास इस पद के लिए कोई चेहरा नहीं है।

राज्य सभा के सभापति के बारे में कुछ सदस्यों द्वारा संसद भवन परिसर में अभिनय किए जाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसे हल्की फुल्की बात के रूप में नजरंदाज किया जाना चाहिए यह अपमान का मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसका वीडियो न बनाया होता तो किसी को इसका पता भी नहीं चलता। सुश्री बनर्जी ने कहा कि श्री खड़गे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाये जाने के उनके प्रस्ताव को आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का समर्थन मिला है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने मंगलवार को यहां विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की चौथी बैठक में भाग लिया था। उन्होंने बुधवार को यहां संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद संवाददाताओं द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने किसी दलित को प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत किए जाने की मांग की थी तो उन्होंने जवाब में कहा, 'हां हमने यह मांग की थी। (कांग्रेस के अध्यक्ष) खड़गे जी का नाम हमने प्रस्तुत किया है। ● शेष पेज 11 पर

ईडी ने तेजस्वी और लालू प्रसाद को पूछताछ के लिए तलब किया

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'रेलवे में नौकरी के बदले जमीन' धनशोधन मामले की जांच के क्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी।

तेजस्वी (34) को 22 दिसंबर को संघीय एजेंसी के दिल्ली कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है, वहीं लालू प्रसाद को अगले सप्ताह 27 दिसंबर को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपने बयान दर्ज कराने के लिए पेश होने को कहा गया है। इस मामले में ईडी एक बार 11 अप्रैल को तेजस्वी यादव से करीब आठ घंटे तक पूछताछ कर चुकी है लेकिन यह पहली बार है जब उसने लालू को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है। यह समन लालू प्रसाद परिवार के एक कथित 'करीबी सहयोगी' अमित कात्याल से पूछताछ के बाद आया है। कात्याल को ईडी ने नवंबर में गिरफ्तार किया था।

मोदी सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है : सोनिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार ने संसद में सुरक्षा मुद्दे पर आवाज उठाने वाले सांसदों को निलंबित कर लोकतंत्र का गला घोंट दिया है और लोकशाही को तबाह कर पूरी तरह से तानाशाह की तरह काम कर रही है।

श्रीमती गांधी ने बुधवार को यहां संसद भवन परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। इससे पहले कभी भी इतने विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित नहीं किया गया। जिन सांसदो को निलंबित किया गया है, वे सभी सदन में इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह का बयान मांग रहे थे । वे केवल वाजिब मांग कर रहे थे।

उन्होंने कहा, विपक्षी सदस्यों ने 13 दिसंबर की असाधारण घटना पर गृहमंत्री से बयान मांगा, क्योंकि उस दिन जो हुआ वह अक्षम्य है और उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर बोला, लेकिन संसद के बाहर बोला, जो सदन की गरिमा और देश के लोगों के प्रति उनकी उपेक्षा का स्पष्ट संकेत है। सोचिए यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्ष में होती, तो उसका रवैया इस मामले में क्या होता।' श्रीमती गांधी ने कहा कि सत्र में जम्मू-कश्मीर से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे महान देशभक्त को बदनाम करने के लिए इतिहास को विकृत करने और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने वाला अभियान चलाया गया। आश्चर्य है कि इस अभियान में खुद श्री मोदी और श्री शाह ने मोर्चा संभाला। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक ● शेष पेज 11 पर

नरेन्द्र मोदी बनेंगे तीसरी बार प्रधानमंत्री : नड्डा

एजेंसी

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी की प्रचण्ड बहुमत की सरकार बनेगी और श्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमन्त्री बनेंगे।

अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम मे आयोजित सांसद खेल महाकुम्भ-3 का उद्घाटन करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे देश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भारत पहले अर्थव्यवस्था मे 11 वें,12वे नम्बर पर रहता था लेकिन अब पांचवे नम्बर पर आ गया है। 2024 का चुनाव जीतने के बाद जब नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमन्त्री बनेगे तो तीन साल के भीतर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप मे उभरेगी, ऐसा सकंल्प लेकर हम लोग कार्य करने के लिए तैयार है। उन्होने कहा कि श्री मोदी विकास को प्राथमिकता देते है। 70 वर्षो से भारत ने खेलों में इतने पदक नहीं जीते जितने मेडल मोदी सरकार मे जीते गये हैं। ये इसलिए हुआ है क्योंकि ओलंपिक गेम,एशियन गेम्स सहित अन्य खेलो मे पहले बड़े शहरो,मुम्बई,कलकत्ता एवं कई प्रदेशो के खिलाड़ियों को बुला कर खिलाया जाता था लेकिन श्री मोदी की नीति से भारत के गरीब,किसान,गांव,कस्बो के खिलाड़ियों को प्रतिभाग करने का मौका मिला और उनके द्वारा अधिक से अधिक मेडल प्राप्त किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी संसद भवन मे एक सांसद का वीडिओ बना कर संसद की तथा पार्टी की गरिमा को गिराने का काम किया है जो निन्दनीय है। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने अपनी भोजपुरी सिटी मे राहुल गांधी को कैमरामैन रखने के लिए जगह खाली किया है, अगर राहुल गांधी द्वारा आवेदन किया जायेगा तो सांसद रवि किशन उन पर विचार करके कैमरामैन का कार्य करने का मौका देंगे। कांग्रेस पिछड़ों के नाम पर झूठा ढिंढोरा पीटता है, जब पिछड़ों लिए कुछ करना होता है तो वो कार्य सिर्फ भाजपा सरकार करती है। वो दिन चले गये, जब चेहरा देख कर विकास होता था योजनांए शुरू होती थी जब से भाजपा की केन्द्र मे सरकार बनी है तब से देश का तथा किसानों, गरीबो,असहायों के लिए कार्य किये जा रहे है। उन्होने कहा कि भारत में खेलो को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक कार्य किये जा रहे है 2014 मे खेल का बजट लगभग एक हजार करोड़ रुपये से अधिक था लेकिन उस बजट को बढ़ा कर भाजपा सरकार ने तीन हजार करोड से अधिक कर दिया है। ओलंपिक की तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को सरकार द्वारा ● शेष पेज 11 पर

मोदी के नेतृत्व में हो रहा है नये भारत का दर्शन: योगी

बस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने बुद्धवार को कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे पूरी दुनिया को नये भारत का दर्शन हो रहा है।

सांसद खेल महाकुम्भ-3 के उद्घाटन के अवसर पर उन्होने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ सांसद खेल महाकुम्भ मील का पत्थर साबित हो रहा है। साढ़े नौ वर्षो के भीतर श्री मोदी के नेतृत्व मे नये भारत का दर्शन हो रहा है। 142 करोड़ लोगो को आगे बढ़ने का पूरा मौका मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्र तथा उत्तर प्रदेश की सरकार निरन्तर सबके हितो के लिये कार्य कर रही है। खेलो को बढ़ावा देने के लिए सांसद खेल महाकुम्भ का आयोजन बहुत ही सराहनीय है जिसकी जितनी भी प्रशंसा किया जाये कम है। उन्होने कहा कि सभी क्षेत्रो मे निरन्तर कार्य किये जा रहे है। प्रदेश सरकार ने खेलो को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने के लिए प्रत्येक गांव मे खेल मैदान बनाने का कार्य शुरू किया है। प्रत्येक गांव के खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने के लिए उन्हे मौका तलाश करने की आवश्यकता नही पड़ेगी क्योंकि प्रत्येक ब्लाक स्तर पर मिनी स्टेडिएम का निर्माण कराया जा रहा है और वहां पर खेलो का आयोजन भी कराया जायेगा। प्रदेश सरकार द्वारा 65 हजार खिलाड़ियों को स्पोर्ट किट वितरित किया गया है। श्री योगी ने कहा कि ओलंपिक गेम,एशियन गेम्स मे प्रतिभाग करने वाले या मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार ने नायब तहसीदार,डिप्टी एसपी सहित अन्य पदों पर चयन करने का फैसला किया है। जो खिलाड़ी तैयारी कर रहे है उनको तैयारी कराने के साथ-साथ उन्हे आर्थिक सहायता भी प्रदान किया जा रहा है तथा 5 लाख रूपया का अलग से बजट आवंटित किया गया है। 500 खिलाड़ियों को नौकरी मिलने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए दो प्रतिशत का आरक्षण भी देने का नियम लागू किया गया है। उन्होने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश मे जापानी इंसेफ़ेलाइटिस नामक बीमारी ने 40 वर्ष के भीतर लगभग 50 हजार बच्चो को निगल गया था लेकिन प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की सहायता से इस बीमारी से निपटने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश मे अभियान चला कर इस पर कार्य किया गया और इसे समाप्त कर दिया गया है स्वास्थ्य,शिक्षा के क्षेत्र मे निरन्तर कार्य किये जा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव मे खेल मैदान,ओपेन जिम की स्थापना का कार्य किया जा रहा है अलग-अलग खेलो को पहले प्रमुखता से नही खेला जाता था लेकिन अब अलग-अलग खेलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार शिक्षा,स्वास्थ्य,सुरक्षा के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। इस सांसद खेल महाकुम्भ में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को आगे खेलने का मौका मिलेगा जिससे बस्ती जनपद का ही नही पूरे भारत का नाम रोशन हो सके।

भाजपा सरकार में रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जायेगी : कौशल किशोर

उपजिलाधिकारी की कार्यशैली से नाराज़ कार्यक्रताओं का छलका दर्द

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मलिहाबाद/लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के जन जागरूकता सम्मेलन में ग्रामीणों सहित भाजपा कार्यकर्ताओं में उपजिलाधिकारी के प्रति काफी आक्रोश देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी पर सरकार विरोधी काम करने के आरोप लगाते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर से उपजिलाधिकारी को हटाए जाने की मांग की है। बुधवार को तहसील स्थित सरांय ग्राउंड में आयोजित जन जागरूकता सम्मेलन भारत सरकार के केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र से आये लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना गया। केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त कराया कि जिन लोगों की अभी घरौनी नहीं बनीं है उन्हें बनवाया जायेगा। अब किसी का भी घर नहीं गिरेगा। उन्होंने विधुत कनेक्शन धारकों की समस्याओं को सुन लोगों से कहा कि बिना सर्च वारंट के कोई भी व्यक्ति किसी के घर में नहीं घुस सकता है। अगर विजिलेंस या अन्य टीमें बिना यह दिखाए घर के अन्दर घुसती है तो उन्हें घर के अन्दर बंद कर तुरंत पुलिस को सूचना दें और पकड़वाने का काम करने के साथ उनके ऊपर धारा 452 के तहत अभियोग पंजीकृत कराये। रिश्वतखोरी अब किसी भी तरह की बर्दाश्त नहीं की जायेगी। अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी रिश्वत मांगता है तो देने की जरूरत नहीं है। इसी बीच कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्र की जनता ने उपजिलाधिकारी पर सरकार एवं जनविरोधी कार्य करने के गंभीर आरोप लगाये। भाजपा पदाधिकारी एवं प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि उसने कई बार समाधान दिवस में खेल मैदान व चकमार्ग कि निशानदेही के लिये शिकायत अपने लेटर पैड पर की। जो भाजपा पार्टी के कलर पर है। लेकिन जब कोई सुनवाई नहीं हुयी तो उन्होंने लेटरपैड का रंग सफ़ेद कर दिया। इसी प्रकार सैकड़ों शिकायतें तहसील से संबंधित कार्यक्रम में आयीं जिनका काफी समय से निस्तारण नहीं हुआ। जिससे लोगों में उपजिलाधिकारी के प्रति काफी आक्रोश है। इस दौरान विधायक जयदेवी कौशल ने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए आश्वस्त कराया कि अगर उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो उपजिलाधिकारी के विरुध विभागीय कार्यवाई कराकर उनका स्थानांतरण कराया जायेगा। कार्यक्रम में मौजूद अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विकास किशोर आशू ने केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर व विधायक जयदेवी कौशल को बताया कि उपजिलाधिकारी किसी भी प्रकार का जनता का काम नहीं कर रही है। उनसे अब बात करना ही बंद कर दिया। अगर क्षेत्र की जनता का कोई काम आता है। तो सीधा जवाब दे देते है कि विधायक जी या मंत्री जी से मिलो। वर्तमान उपजिलाधिकारी प्रधानों,भाजपा कार्यकर्ताओं, वकीलों,जनप्रतिनिधियों के तो काम कर नहीं रही है तो ये जनता का काम कैसे करती होंगी।

उप्र के एक्सप्रेस-वेज पर बनाए जाएंगे चार्जिंग स्टेशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश के चार बड़े एक्सप्रेस-वेज पर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन बनाने जा रही है। यूपीडा की तरफ से इसे लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसके अंतर्गत बुंदेलखंड, पूर्वांचल, आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर कुल 26 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि इन पब्लिक चार्जिंग स्टेशन को प्रदेश की ईवी पॉलिसी और भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय की गाइडलाइन्स के अनुरूप तैयार किया जाएगा। वहीं इसके अलावा एक्सप्रेस-वेज के किनारे सरकार अन्य यात्री सुविधाओं को भी विकसित करेगी। प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष पब्लिक चार्जिंग स्टेशन से संबंधित एक विस्तृत कार्ययोजना को प्रस्तुत की गई है। वहीं इससे पहले प्री-बिड मीटिंग में 11 कंपनियों की ओर से पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाए जाने के लिए रुचि दिखाई गई है। इसमें रिलायंस, जीएमआर एनर्जी, अडानी टोटल एनर्जी, बेलेक्ट्रिक, लाइट जिप टेक्नोलॉजी, ईवी प्लेक्सस, सिमेन्स लिमिटेड, कैश और ड्राइव, एएम एंड सीई ई मोबिलिटी, एम्पवोल्ट्स और रैज एंड शाइन कंपनियों की तरफ से पब्लिक चार्जिंग स्टेशन के निर्माण में रुचि दिखाई गई है। योगी सरकार की ओर से 26 चार्जिंग स्टेशन के लिए प्रति स्टेशन दो हजार वर्गफुट की जगह 10 साल के लीज पर दी जाएगी। चार्जिंग प्वाइंट ऑपरेटर को दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया और ई बस की चार्जिंग के लिए फास्ट चार्जर स्थापित करना होगा। साथ ही सुरक्षा के लिए भी सरकार के मापदंडों का पालन करना होगा। जमीन मुहैया कराए जाने के 180 दिन के अंदर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन को क्रियान्वित करना होगा। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के 5 साल बीतने पर छठे साल से सरकार को प्रत्येक चार्जिंग स्टेशन के सकल राजस्व में से 5 प्रतिशत प्राप्त होगा।

सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई में एसओपी का किया जाएगा अनुपालन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई जैसे खतरनाक कार्य में लगे लोगों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार गंभीर है। सरकार का दावा है कि इसके लेकर सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देशों का प्रदेश में पूर्णतः पालन किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय निदेशालय ने सभी नगर आयुक्तों, जलकल एवं जल संस्थान के महाप्रबंधकों एवं समस्त अधिशासी अधिकारियों को पत्र लिखकर सीवर एवं सेप्टिक टैंकों की सफाई में विभाग की ओर से पहले जारी की जा चुकी एसओपी का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि खतरनाक सफाई के दौरान अत्याधुनिक सफाई उपकरणों एवं आवश्यक उपस्करों का उपयोग किए बिना सफाई का कार्य नहीं किया जाएगा। निकाय स्तर पर सीवर की सफाई के दौरान किसी भी व्यक्ति से मैनुअल सफाई कार्य नहीं कराया जाना है एवं सफाई कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। उल्लेखनीय है कि 20 अक्टूबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले कर्मियों की सुरक्षा के संबंध में राज्यों को कड़ा आदेश दिया था। इसमें मैनुअल सफाई नहीं कराने के अलावा दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में 30 लाख रुपये के हर्ज़ाने की भी बात कही गई थी। स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक डॉ. नितिन बंसल द्वारा जारी आदेश के अनुसार सीवर, सेप्टिक टैंकों की सफाई को लेकर पहले भी विभाग द्वारा सभी निकायों को समय-समय पर एसओपी जारी की जाती रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सभी नगर आयुक्तों, अधिशासी अधिकारियों और जल संस्थान के महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि वह अपने निकाय स्तर पर पूर्व में जारी एसओपी के समस्त बिंदुओं का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराएं तथा इस संबंध में संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को भी निर्देशित करें। पूर्व में जारी एसओपी के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को सीवर सफाई के लिए सीवर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। अतः सीवर सफाई के लिए बिना समुचित सुरक्षा उपायों के सीवर में प्रवेश प्रतिबंधित है। सेप्टिक टैंक, सीवर की नियमित सफाई तथा अनुरक्षण, अधिकतम यंत्रीकरण, निर्धारित नियमों और मानक संचालन प्रक्रिया एवं सुरक्षा उपकरणों के साथ सुनिश्चित किया जाए। असुरक्षित सफाई कराना कानूनी अपराध है।

समाजवादी आंदोलन का इतिहास लोकतंत्र को मजबूत करने का रहा है : राजेन्द्र चौधरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोवा मुक्ति दिवस पर गोष्ठी का आयोजन, लोहिया के योगदान को किया याद

सपा शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' व आशीष यादव 'सोनू' रहे मौजूद

गोवा/लखनऊ। गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर गोवा के कुंडायी स्थित पीसफुल सोसायटी में 'आजादी एक जिम्मेदारी' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी को मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने संबोधित किया।

राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि गोवा को आजाद कराने में महान समाजवादी नेता डॉ0 राममनोहर लोहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने गांधीवादी तरीके से गोवा के आम जनमानस में स्वतंत्रता की अलख जगाई, जिसका परिणाम गोवा से तानाशाही पुर्तगाली शासन के अंत के रूप में हुआ। श्री चौधरी ने कहा कि डॉ0 राममनोहर लोहिया ने नागरिक स्वतंत्रता एवं गरिमापूर्ण जीवन को लोकतंत्र में सर्वोच्च माना। डॉ0 लोहिया का रास्ता गांधी जी के ही सिद्धांतों का विस्तार था। समाजवादी आंदोलन का इतिहास लोकतंत्र को मजबूत करने का रहा है। उपेक्षितों को न्याय और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराने के लिए समाजवादियों ने हमेशा संघर्ष किया है। विचार गोष्ठी में कई वरिष्ठ पत्रकारों, सोशल एक्टिविस्ट, प्रोफ़ेसर, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। उन्होंने सामूहिक रूप से मौजूदा परिस्थितियों के प्रति चिंता जाहिर किया। समाज में बढ़ रही सांप्रदायिकता एवं नफरत को रोकने के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया। पीसफुल सोसायटी के संस्थापक कुमार कलानंद मणि ने मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' एवं उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के ओएसडी रहे आशीष यादव सोनू को गोवा का पारंपरिक पीतल से बना दिवली स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

जौनपुर : हत्या में वांछित अभियुक्त मुठभेड़ में गिरफ्तार

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर और पवारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार की आधी रात को हत्या का वांछित अभियुक्त को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। वह पुलिस की गोली से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभियुक्त के कब्जे से तमंचा मय कारतूस, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और एक मोटर साइकिल बरामद किया गया है। घायल को इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक देहात शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थानाध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर व थानाध्यक्ष पवारा गोविन्दासपुर पुलिया के पास हत्या एंव लूट के अभियुक्तों की गिरफ्तारी व अपराध के रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान चला चल रहे थे। इसी बीच सूचना मिली कि उकनी में हुई महिला की हत्या से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मोटर साइकिल से घटना स्थल उकनी से कुछ सामान लेकर प्रतापगढ़ की तरफ भागने वाला है। इस सूचना पर पुलिस टीम सक्रिय हुई और रामनगर के तरफ से आने वाले अपराधियों का इन्तजार करने लगी।

किडनी फ़ेल, लिवर फ़ेल व कैंसर और हार्ट प्रॉब्लम का सफल इलाज आयुर्वेद से पूरी तरह संभव : आचार्य मनीष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ढलखनऊ। हिम्स के डॉक्टर ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि किडनी फ़ेल, लिवर फ़ेल, कैंसर और हार्ट प्रॉब्लम का सफल इलाज आयुर्वेद से पूरी तरह संभव है। हिम्स आयुर्वेद के संस्थापक आचार्य मनीष आयुर्वेद के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर सक्रिय हैं और लोगों को अपनी पुरानी विरासत से जागरूक कर निरोग काया का मंत्र दे रहे है। हिम्स लखनऊ में की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि हिम्स में शरीर की अंदरूनी शक्ति बढ़ाकर किडनी, कैंसर, लिवर, शुगर, बीपी और दिल के रोगों को रिवर्स करने पर जोर दिया जाता है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉक्टर अभिषेक शिवहरे भी शामिल थे। वहीं डॉक्टर अभिषेक ने कहा कि विभिन्न अस्पतालों में बहुत समय और पैसा खर्च करने के बाद विभिन्न डायलिसिस रोगी हमारे अस्पताल में आते हैं। हिम्स में हमारी टीम उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान करने के लिए अथक प्रयास करती है और हमने अपने कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगियों को कुछ महीनों के भीतर ही पूरी तरह से ठीक किया है। योग और मेडिटेशन गुरु और हिम्स के संस्थापक आचार्य मनीष ने कहा कि हिम्स में, हमारा लक्ष्य किसी भी बीमारी के मूल कारण का पता लगाना है। इसके लिए हम विशेष तौर पर इंटीग्रेटेड विज्ञान का इस्तेमाल करके किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारी का इलाज कर सकते है। न जाने कितने ही किडनी, लीवर, हार्ट और कैंसर के मरीजों के लिए हमारा आयुर्वेदिक इलाज उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आया है। हमारे पास कई ऐसे मरीज भी आये है जो कि ठीक होने की उम्मीद पूरी तरह से खो चुके थे परन्तु आज बिल्कुल स्वस्थ है। हिम्स पोस्ट्यूरल थेरेपी का उपयोग भी करता है जो डायलिसिस को 70 प्रतिशत तक रोक सकता है। इससे 100 प्रतिशत हाई बीपी के रोगी बिना किसी दवा के तुरंत अपना बीपी नियंत्रित कर सकते हैं। यह गौर करने वाली बात है की हिम्स में मरीज़ एसबीआई कैशलेस आरोग्या संजीवनी पालिसी के माध्यम से मुफ्त इलाज भी पा सकते है। बताया कि हिम्स में डॉ अमर सिंह आजाद, डॉ खादर वल्ली, डॉ पांडे और डॉ बीआरसी जैसे विशेषज्ञों की देखरेख और नेतृत्व में पुरानी से पुरानी बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

मलदहिया से साईं बाबा की निकली पालकी शोभायात्रा

वाराणसी। मलदहिया लोहामंडी स्थित शिरडी के साईं बाबा मंदिर के 12वें स्थापना दिवस पर बुधवार को भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा तेलियाबाग, जगतगंज, लहुराबीर होते हुए पुनः वापस मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के मार्ग में विभिन्न जगहों पर बाबा की आरती उतारी गई। शहनाई के मंगल ध्वनि, डमरूओं के निनाद के बीच शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। मंदिर परिसर में शोभायात्रा के पहुंचने पर बाबा के विग्रह की आरती उतारी गई और बाबा को खिचड़ी का भोग लगाने के बाद इसका प्रसाद भक्तों में वितरण किया गया। इसके पहले प्रातः काल बाबा के विग्रह को पंचामृत स्नान के बाद मनमोहक फूलों की माला पहनाने के बाद काकड़ आरती उतारी गई। शोभायात्रा के संयोजक रजनीश कनौजिया के अनुसार स्थापना दिवस के पहले दिन सांयकाल 06 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रात्रि में बाबा की महाआरती की गई। इस दौरान पूरे परिसर को सुंदर फूलों से सजाया गया। पालकी शोभायात्रा में प्रेम मिश्रा, अशोक जायसवाल, राम भजन अग्रहरि, जगन्नाथ अग्रहरि, गुलशन कनौजिया, आशीष कनौजिया, सत्य प्रकाश आर्य, मनीष गुप्ता, पं. नीरज मिश्रा, सुशील गुप्ता, अनिल श्रीवास्तव आदि शामिल रहें।

घर से बाहर निकली किशोरी का अपहरण, आरोपी तलाश में जुटी पुलिस

फतेहपुर जिले से बुधवार को शौचक्रिया के लिए घर से बाहर गई एक किशोरी के अपहरण का मामला प्रकाश में आया है। मामले में परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी और आरोपी की तलाश शुरू की है। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि 16 दिसंबर की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सोने की तैयारी कर रहे थे। इस बीच उनकी बेटी (14) घर से शौच के लिए कहकर घर से बाहर निकली थी। काफी देर तक वापस न आने पर खोजबीन की गई लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इस दौरान पता चला कि थाना क्षेत्र के मऊ गांव निवासी दिलदार लड़की को बहला फुसला कर भगा ले गया। पीड़ित पिता ने सदर कोतवाली पुलिस से आरोपी के खिलाफ पुत्री के अपहरण का मुकदमा दर्ज करने का मांग करते हुए उसकी सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई। कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि एक किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही लड़की को बरामद करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर जोन में 5290 बोरिंग की हो चुकी हैं स्वीकृति, 4583 का कार्य हुआ पूरा

कानपुर । कानपुर जोन में हर घर नल जल अभियान के तहत 9108 गांव शामिल हैं। जिसमें जल पहुंचाने के लिए अब तक 4776 योजना तैयार कर ली गई है। योजनाओं के तहत जोन में 5290 बोरिंग की स्वीकृति हो चुकी हैं और 4583 बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। यह जानकारी बुधवार को उप्र जल निगम ग्रामीण क्षेत्र कानपुर जोन के मुख्य अभियंता ई.आर.बी.राम ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की सबसे महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन एवं नमामि गंगे के तहत शुरू किया गया हर घर नल जल पहुंचाने वाली योजना पर लगातार तेजी से कार्य जारी है। कानपुर जोन के प्रयागराज जनपद में 1351 गांव है। यहां 664 योजनाएं स्वीकृति हुई हैं। इसके साथ ही 664 बोरिंग करने की स्वीकृति हो चुकी, जिसमें से 423 बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

इसी तरह प्रतापगढ़ में 1794 गांव के लिए 821 योजना शुरू हो चुकी हैं और 985 बोरिंग की मंजूरी मिली है, जिसमें से 853 बोरिंग कर दी गई है। फतेहपुर जिले में 1193 गांव के लिए 664 योजना है और 707 बोरिंग करने की स्वीकृति हो चुकी हैं। जिसमें से 707 बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। कौशाम्बी में 625 गांव हैं, जहां 275 योजनाएं हैं और 357 बोरिंग की स्वीकृति हो चुकी हैं और 336 बोरिंग का कार्य अब तक पूरा किया जा चुका है। इसी क्रम में कन्नौज जिले में 528 गांव है जहां 316 योजना स्वीकृति हुई हैं। 347 बोरिंग की स्वीकृति हो चुकी और यहां 332 बोरिंग का काम पूरा हो चुका है। इटावा 540 गांव हैं और 353 योजना की मंजूरी हुई हैं। यहां 390 बोरिंग की स्वीकृत हैं और 300 बोरिंग हो चुकी है। फर्रूखाबाद में 709 गांव हैं, यहां 378 योजना स्वीकृति हो चुकी हैं। जबकि यहां 423 बोरिंग की स्वीकृति हो चुकी हैं और 390 बोरिंग की जा चुकी हैं। कानपुर नगर में 709 गांव हैं यहां 425 योजनाएं स्वीकृति हुई हैं और 467 बोरिंग की स्वीकृति हो चुकी हैं और 402 बोरिंग का काम पूरा हो चुका है। कानपुर देहात में 839 गांव हैं और यहां 503 योजनाएं मंजूर हुई हैं। यहां 539 बोरिंग की स्वीकृति हुई हैं और 414 बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। औरैया जिले में 725 गांव है और 377 योजनाओं को स्वीकृति हुई है। इसके साथ ही 411 बोरिंग स्वीकृति हुई और अब तक 338 बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

अयोध्या के लिये ज्यादा ट्रेन चलायेंगे: सिन्हा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अयोध्या। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी की संभावना के मद्देनजर रेलवे प्रशासन रामनगरी के लिये ट्रेन की संख्या में बढोत्तरी पर विचार कर रहा है।

सिन्हा ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद अयोध्या में देश-विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक भगवान श्रीरामलला का दर्शन करने आयेंगे। इसको देखते हुए अयोध्या में ज्यादा से ज्यादा ट्रेन चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि डबल ट्रैक का कार्य जोरों से चल रहा है। यह शीघ्र पूरा हो जायेगा। ट्रेन चलाने के लिये ट्रैक खाली रहेगा तो और नई ट्रेन चलायी जा सकती है। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष ने नवनिर्मित अयोध्या रेलवे स्टेशन और रामघाट हाल्ट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य और दिव्य राम मंदिर निर्माण पर रामलला का प्राण प्रतिष्ठा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को करेंगे। इसको लेकर श्रीराम मंदिर की तर्ज पर अयोध्या रेलवे स्टेशन को नवनिर्मित किया गया है। रेलवे स्टेशन पर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक की और प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर रेलवे के द्वारा दी जाने वाली श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा की।

उन्होंने अयोध्या रेलवे स्टेशन के निकट के सभी स्टेशनों की भी समीक्षा की। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर चलायी जाने वाली स्पेशल ट्रेनो को लेकर बैठक में भी चर्चा हुई। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष ने कहा कि बाईस जनवरी के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने आयेंगे। इसको ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो स्पेशल ट्रेन भी चलायी जायेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीस दिसम्बर को अयोध्या रेलवे स्टेशन पर निर्मित नये भवन के लोकार्पण के साथ-साथ अयोध्या से दिल्ली जाने वाली वंदे मातरम ट्रेन को हरी झण्डी दिखा सकते हैं। इसी तैयारी के सिलसिले में रेलवे बोर्ड की चेयरमैन ने आज रेलवे अधिकारियों के साथ अयोध्या रेलवे स्टेशन पर बैठक की और पूरे रेलवे स्टेशन क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण भी किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा का भी उद्घाटन कर सकते हैं। इसके पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय राज्यमंत्री जनरल वी.के. सिंह ने आकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा का निरीक्षण किया था।

अनियंत्रित स्कूल बस पेड़ से टकराकर खाई में पलटी, बाल-बाल बचे बच्चे

बदायूं। जिले के उघैती थाना क्षेत्र के बदायूं बिजनौर हाइवे के दारानगर गांव के पास अनियंत्रित स्कूल बस पेड़ से टकराकर खाई में पलट गई। गनीमत रही कि बस पलटने से किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई है। मामूली रूप से घायल हुए बस चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुधवार को उघैती थाना क्षेत्र के कई गांव के बच्चों को लेकर स्कूल बस एसआर कान्वेंट स्कूल चरसौरा जा रही थी। स्कूल बस रामनगर गांव के रहने वाले चालक सत्येन्द्र चला रहे थे। जैसे ही बस लिंक रोड से बदायूं बिजनौर हाईवे पर चढ़ी, अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। जब तक बस ड्राइवर सत्येंद्र कुछ समझ पाते तब तक बस पेड़ से टकराकर खाई में पलट गई। स्कूल बस खाई में पलटने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़कर पहुंचे। बस में बैठे सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में बस चालक सत्येंद्र घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया स्थानीय लोगों ने बताया कि गनीमत रही कि किसी भी स्कूली बच्चों के चोट नहीं आई है।

बीकेटी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आयोजित हुआ कार्यक्रम

डिप्टी सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सौपा प्रमाण पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत विकासखंड बक्शी का तालाब क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनवा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पहुंचकर लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जब से डबल इंजन की सरकार आई है तब से हर जगह विकास की गंगा बहती हुई दिखाई पड़ रही है।केंद्र की मोदी सरकार ने देश के सभी लोगों के विकास के बारे में चिंता करते हुए सौभाग्य योजना,आयुष्मान भारत कार्ड योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्माननिधि सहित अन्य कई कल्याणकारी योजनाएं चालू की जिसका लाभ अधिक से अधिक लोग उठा रहें है,उन्होंने कहा कि पहले के समय में अगर कोई गरीब व्यक्ति बीमार हो जाता था तो उसके पास ईलाज के लिए रूपये नही होते थे मजबूरन खेत या जेवर बेचकर ईलाज करा पाता था,लेकिन जब से केंद्र मे मोदी जी की सरकार आई तो उन्होंने गरीबों के ईलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना,रहने के लिए जिनके पास मकान नही था प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य कई कल्याणकारी योजनाएं चालू की जिसका लाभ आज के समय हर पात्र व्यक्ति उठा रहा है।उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सिर्फ़ सिर्फ़ देश में घोटाला करने का काम किया है उस समय किसी भी योजनाओं का पूरा पैसा लाभार्थी तक नही पहुंचता था।

लेकिन जब पहली बार केंद्र में मोदी जी की सरकार बनी तो उन्होंने सबसे पहले जिनके बैंक में खाता नहीं थे उनके बैंक में जनधन के तहत खाता खुलवाए,जिसमें सभी सरकारी योजनाओं के रुपए अब सीधे बैंक अकाउंट में पहुंच रहें।विशिष्टअतिथि प्रदेश महामंत्री भाजपा संजय राय ने कहा कि मोदी जी ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाने का काम किया है वह चाहे मुफ्त में राशन देने की बात हो,उज्ज्वला योजना के तहत फ्री गैस सिलेंडर चूल्हे देने की बात हो तथा इसके अलावा अन्य कई योजनाएं चालू की। उन्होंने कहा कि 2024 में आने वाले लोकसभा चुनाव में जनता फिर से प्रचंड बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार केंद्र में मोदी जी की सरकार बनाने का काम करने जा रही है।

वही बीकेटी विधायक योगेश कुमार शुक्ला ने कहा कि जब से केंद्र में मोदी जी की सरकार आई है तब से गरीबों के सपने पूरे होते दिखाई पड़ रहे है सभी पात्र लोगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत मिल रहा है।आयोजित कार्यक्रम में संबंधित विभागों के द्वारा स्टॉल भी लगाए गए थे जिसका लाभ लोगों ने उठाया।इस मौक़े पर जिलाध्यक्ष बीजेपी लखनऊ विनय प्रताप सिंह,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रामेंद्र सिंह मोनू,ज़िला आईटी सेल संयोजक विवेक सिंह,जिला उपाध्यक्ष रवि प्रकाश तिवारी,पूर्व ज़िला उपाध्यक्ष बाबा प्रदीप यादव,ग्राम प्रधान सोनवां अशोक गिरी सहित पार्टी के अन्य नेता/पदाधिकारी शामिल रहें।

लोनहां के विवेकानंद स्कूल पर स्वरोजगार उन्मुख ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनीनगर । मिशन शक्ति नारी स्वावलंबन के तहत बुधवार को विवेकानंद शिक्षा संस्थान पर स्वरोजगार उन्मुख ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लखनऊ जिले का केंद्र बनाया गया। वहीं विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं को योजना के बारे में जानकारी दी गई। जिला निर्यात भवन के संतोष कुमार ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान कर महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। जहां सरकार स्वरोजगार उन्मुख ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है। इसके तहत कई महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। बृहस्पतिवार से दस दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ विवेकानंद शिक्षा संस्थान पर किया जाएगा। वहीं महिलाओं को जानकारी दी गई। कि 1.98 लाख का ई-रिक्शा क्रय करने वाली महिलाओं को विभाग की ओर से 25 प्रतिशत यानी 50 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। ड्राईविंग लाइसेंस विभाग फ्री में बनवाएगा। इस दौरान जिला निर्यात भवन के संतोष कुमार,अनुराग कुमार , विद्यालय के प्रबंधक डॉ विश्राम प्रजापति ,पूजा देवी , शिवानी प्रजापति, प्रिया यादव , सुजाता , समन्वयक अशोक कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र में और भी महिलाएं भाग लेना चाहती हैं तो जुड़ सकती हैं। रवि कुमार ने अतिथियों और महिलाओं, प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

अवैध प्लानिंग पर जिला पंचायत मेहरबान

बिना परमिशन लग गए बिजली के खंभे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंजलखनऊ में अवैध प्लाटिंग जोरों से चल रही है जिन पर जिला पंचायत और एलडीए बराबर कार्यवाही कर रही है लेकिन अवैध प्लाटिंग करने वाले जालसाज भोले भाले ग्राहकों को अपने जाल में फसा कर उनकी गाढ़ी कमाई पर सेंध लगा रहे है। ऐसा ही एक मामला गोसाईगंज विकासखंड के सलेमपुर गांव में देखने को मिला है।

जिला पंचायत द्वारा सलेमपुर गांव में अवैध प्लाटिंग करने वाले अमेठी निवासी मोहम्मद शकील और मोहम्मद शरीफ को कई बार नोटिस दी गई है लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से इनका धंधा दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है द्य जिस अवैध प्लाटिंग की जिला पंचायत नोटिस दे रहा था उस बीच वहां पर अवैध तरीके से विद्युत सप्लाई के लिए पोल गाड़े जा रहे थे और ये सब भी विद्युत उपखण्ड भ्रष्ट अधिकारीयो की मिलीभगत से चालू था। सरकारी तनख्वाह लेने के बाद राजस्व को नुकसान पहुंचा कर अवैध प्लाटिंग करने वाले भू माफियाओं को संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को शायद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस का पाठ नही पढा है।

वैसे अवैध प्लाटिंग कर विद्युत पोल लगाने की शिकायत उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ऐ के शर्मा से हुई है अब देखने वाली बात ये है कि क्या कार्यवाही ऐसे अवैध प्लाटिंग करने वाले लोगो पर होगी या नहीं । पूरे मामले में क्या बोलें जिम्मेदार घनश्याम त्रिपाठी, अधिशाषी अभियंता वि0वि0 खण्ड सेस तृतीय, मोहनलालगंज लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ डिपो शाखा की बैठक संम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ डिपो शाखा का बैठक हुआ सतीश चंद्र अवस्थी और कौशल कुमार सिंह के नेतृत्व में ब्रांच सेक्रेटरी पंकज श्रीवास्तव अध्यक्ष तिवारी जी ने मीटिंग को शुरू किया वहां के पदाधिकारी ने बताया की ग्रुप डी से ग्रुप सी में बहुत से कर्मचारियों का प्रमोशन नहीं हुआ है।

वहां पर मीटिंग में विनोद राय महामंत्री पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ उपस्थित रहे और उन लोग उनसे अपनी समस्याओं को रखा कर्मचारियों ने कहा हम लोग अपने बच्चों परिवार के साथ शादी विवाह में या कहीं छुट्टियों में जा नहीं पा रहे हैं हम लोगों को बर्थ नहीं मिल पा रहा है रेल में काम करते हुए रेल चलाने वाले को ही जगह नहीं मिल पा रही है और हम लोगों का कर्मचारी जो ग्रुप डी में है सी में प्रमोशन के लिए बहुत टाइम लग जा रहा है महामंत्री विनोद राय ने आश्वासन दिया कि प्रशासन से वार्ता कर इस समाधान को हल करने के लिए प्रयास किया जाएगा ।

प्रशासन से पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ मांग करता है कि कर्मचारियों की समस्याओं अपने परिवार की तरह निस्तारण किया जाए क्योंकि रेल परिवार है और रेल परिवार का कोई व्यक्ति दुखी है तो उसका निवारण होना जरूरी है बैठक में डिपो शाखा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे बाद में कौशल किशोर सिंह और सतीश चंद्र अवस्थी ने धन्यवाद दिया और पंकज श्रीवास्तव ने सबका आभार व्यक्त किया ।

सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ/गोसाईगंज-सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए चलाए जा रहे द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत परिवहन विभाग के अधिकारियों की ओर से सार्वजनिक जगहों, कार्यालय में स्थापित पब्लिक एड्रेस सिस्टम व विभागीय सोशल मीडिया प्लेटफार्म के अलावा कार्यालय में आने वाले लोगों को भी इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। बुधवार को टीआई राधेश्याम सिंह द्वारा गोसाईगंज में रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज स्कूल में बच्चो को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।दौरान उन्होंने बताया कि आयेदिन सड़क दुर्घटना लोगों के लिए एक मुख्य समस्या बन गई है। इसके पीछे वाहन चालक की गलती,साइन बोर्ड का सही जगह पर न होना, नींद,थकान या नशे की हालत में वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करना,गलत लेन मे गाड़ी चलाना,ट्रैफिक नियमों का पालन न करना सहित कई कारण हो सकते है।कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद एक घंटे का गोल्डेन समय होता है। जिसमें घायल व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाया जा सकता है। कहा कि अपने आस-पास रहने वाले लोगों को सड़क सुरक्षा से जागरूक करें।

जनगणना व तकनीकी विशेषज्ञ के माध्यम से दिया गया प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शीतल वर्मा, निदेशक एवम संयुक्त महा रजिस्ट्रार सीआरएस उत्तर प्रदेश, लखनऊ की प्रेरणा से जिलाधिकारी लखनऊ के मार्गदर्शन एवं नगर आयुक्त व मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ के सहयोग से महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में निवास कर रहे लावारिस, परित्यक्त, निराश्रित, भूले भटके, बे-घर बच्चों के जन्म पंजीकरण हेतु विशेष अभियान संचालित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप मे जनपद लखनऊ का चिन्हाकंन कर सभी बच्चों को जन्मप्रमाण पत्र निर्धारित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है,।

इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के निमित्त निदेशक के मार्गदर्शन में वन स्टाप सेन्टर के सभागार में विभिन्न स्टेक होल्डर्स को यूनिसेफ, निदेशालय जनगणना व तकनीकी विशेषज्ञ के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि जन्म पंजीकरण बनवाने में आने वाली संमस्याओं का सरलता से समाधान करते हुये सभी बच्चों को जन्मप्रमाण एक अनिवार्य दस्तावेज के रूप में उपलब्ध कराया जा सके, इस मुहीम के साथ ही सभी बच्चों को आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाणपत्र, यूनिक आईडी भी उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यशाला में जनगणना विभाग, यूनिसेफ टीम, चिकित्सा विभाग, जिला प्रशासन व महिला कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं ने प्रतिभाग किया।

मिलेट्स उत्पाद बनाने पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी। बक्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के प्रांगण में बुधवार को उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम (राज्य सेक्टर) एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश कृषि विभाग जनपद लखनऊ के तत्वाधान में किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।चन्द्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह व सुरेश कुमार राजपूत सलाहकार ने बताया कि प्रमुख रूप से मिलेट्स रेसिपी बनाने के लिए चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय,बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज,विकासखंड मलिहाबाद तथा विकासखंड बक्शी का तालाब की महिला स्वयं सहायता समूहों की टीमों के द्वारा पांच टीमों के साथ बाजरे की खिचड़ी,रागीं हलवा,सावां खीर बनाई गई।कृषि विभाग द्वारा बनाई गई समिति के द्वारा टीमों के द्वारा बनाए गए उत्पाद का आंकलन किया गया।बाजरे की खिचड़ी रेसिपी में प्रथम पुरुस्कार मीराबाई और राधा महिला स्वयं सहायता समूह तथा द्वितीय पुरस्कार बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज,तथा तीसरा पुरस्कार कृषि महाविद्यालय को मिला।रागीं हलवा में प्रथम मीराबाई व राधा महिला स्वयं सहायता समूह द्वितीय बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज और तृतीय चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय को मिला तथा सावां खीर रेसिपी में प्रथम पुरस्कार चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय,द्वितीय पुरस्कार बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज तथा तृतीय पुरस्कार गैब धाम महिला स्वयं सहायता समूह मलिहाबाद को दिया गया। बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज की दो छात्रा रीमा और काजल तथा महिला समूह मलिहाबाद की सुभाषिनी यादव व रामनरेश ढाबा मलिहाबाद को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।रेसिपी की सभी प्रतियोगिता के प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार को ?2000, द्वितीय पुरस्कार को 1500 एवं तृतीय पुरस्कार ?1000 की धनराशि के साथ प्रमाण पत्र दिया गया।सांत्वना पुरस्कार में सभी को 500 की धनराशि दी गई।इस अवसर पर कृषि विभाग के भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार,कृषि सलाहकार सुरेश कुमार राजपूत,दीपक यादव,उपेंद्र कुमार,तकनीकी सहायक गगन कुमार,माघवेंद्र सिंह,तकनीकी सहायक सचेंद्र सिंह,अनूप यादव,सचीद वैश्य सहित महाविद्यालय के अन्य पदाधिकारी,शिक्षक/कर्मचारी व 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

राजकीय पॉलिटेक्निक में कार्यशाला का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक, लखनऊ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों को बीआईएस के बारे में जागरूक किया गया और एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इसमें मुख्य अतिथि प्रिंसिपल पॉलिटेक्निक श्री संदीप कुमार, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अंजू वार्ष्णेय, विभागाध्यक्ष संदीप कुमार, कोऑर्डिनेटर राजीव कुमार, प्रियंका श्रीवास्तव एवं समन्वयक मोहित सिंह उपस्थित रहे। डा.अंजू वार्ष्णेय थीं जो एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। उन्होंने दैनिक जीवन में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकीकरण के महत्व को बताया। बीआईएस समन्वयक श्री मोहित सिंह ने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं के मानकों के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रिंसिपल सर श्री राकेश वर्मा और विभागाध्यक्ष श्री संदीप कुमार ने सभी के लिए बीआईएस महत्व के बारे में अपनी बातें रखीं और कार्यक्रम के लिए किए गए प्रयास की सराहना की।

श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव ने अपने समापन प्रवचन में सभी को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के बीआईएस मेंटर राजीव कुमार द्वारा किया गया साथ ही पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों...निबंध लेखन, चित्रकला, हिंदी दिवस और यातायात सुरक्षा दिवस प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को भी इसी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

भाजपा का संवाद एवं लाभार्थी सम्मान समारोह आयोजित

सरोजिनी नगर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऐन एवं सरांय सहजादी में संवाद एवं लाभार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विकसित भारत बनाने का सामूहिक संकल्प लेने के साथ लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सरकार की ओर से तमाम विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिनके द्वारा मौजूद ग्रामीणों को सरकार की ओर से चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। इसके अलावा ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना गया। ग्राम सभा सरांय शहजादी में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही ग्राम प्रधान रोशनी सिंह द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित तमाम अधिकारियों एवं ग्रामीणों का आभार भी व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव शंकर सिंह संकरी, भुवनेंद्र प्रताप सिंह मुन्ना, विनय दीक्षित, प्रधान पति अंकुर प्रताप सिंह, वरिष्ठ कवि विद्याधर दीक्षित, आशु शुक्ला, धर्मेंद्र सिंह पूर्व प्रधान के अलावा ब्लॉक अधिकारी,संगठन पदाधिकारी, गणमान्य जन एवं विभिन्न योजनाओ के लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित रहे।

लखनऊ में आयोजित हुआ जिला बाल संरक्षण इकाइयों का प्रशिक्षण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु जिला बाल संरक्षण इकाइयों का प्रशिक्षण लखनऊ में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनिसेफ द्वारा सहभागी शिक्षण केंद्र के सहयोग से लखनऊ में चार बैच में आयोजित किया गया, जिसका समापन मंगलवार को हुआ। प्रशिक्षण में सभी जनपदों के जिला बाल संरक्षण इकाइयों के 140 सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य, जिला एवं ग्राम स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में बच्चों की भागीदारी के महत्व पर वैचारिक स्पष्टता विकसित करना था। यूनिसेफ के बाल संरक्षण विशेषज्ञ मंसूर उमर कादरी ने कहा कि जिला बाल संरक्षण इकाइयां बच्चों के संरक्षण के लिए तो कार्य करती ही हैं किन्तु उन्हें बच्चों के साथ मिल कर भी कार्य करना चाहिए। यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि में बच्चों की भागीदारी पर जोर दिया गया है। किन्तु बच्चों की सहभागिता केवल नाम के लिए ही नहीं होनी चाहिए। उन्हें घर, समुदाय, स्कूल, पंचायत आदि में अपनी बात रखने, सुने जाने एवं निर्णय लेने के अवसर भी दिए जाने चाहिए।

लिंग भेद शीर्षक के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवयुग कन्या महाविद्यालय के प्रांगण में बीएड प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा लिंग भेद शीर्षक के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण किया गया। आज की नारी सब पर भारी जैसे जल नारों के माध्यम से सभी छात्राओं के मध्य नारी की महत्ता को बताने का प्रयास किया गया, साथ ही यह बताने का प्रयास भी किया गया कि लैंगिक आधार पर महिलाओं के साथ हमेशा भेदभाव होता रहा है।

महिला ने खंडविकास अधिकारी से की पाइप लाइन बिछाने वाले ठेकेदार की शिकायत

लखनऊ।इन दिनों गांवों मे जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत गांवों मे पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है।विकास खंड गोसाईगंज की ग्राम पंचायत सिठौली कला के मजरा बबुरिहा खेड़ा भी यह काम जारी है। यहां ठेकेदार काम करवाने वाले ठेकेदार पर मनमानी करने का आरोप लगाया गया है। बबुरिहा खेड़ा निवासी कृष्णावती पत्नी मुरारी लाल की ओर। से खंड विकास अधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र मे लिखा गया है कि पाइप लाइन बिछाने में ठेकेदार ने उसकी दीवार को खोदने का काम किया है। महिला के अनुसार दीवार से सटा कर खोदी गई नली के कारण नीव कमजोर होने के कारण कभी दीवार गिर सकती है जिससे पूरा कमरा धराशाई हो जाएगा।महिला की शिकायत के अनुसार ठेकेदार ने उसकी बात सुनने से इंकार कर दिया है।

50 हजार किलोमीटर मेट्रो ट्रेन चलाने वाले संचालक को मिला एंप्लॉय ऑफ द मंथ पुरस्कार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के जनसंपर्क विभाग के द्वारा बताया गया कि यूपीएमआरसी में 50 हजार किलोमीटर ट्रेन चलाने वाले संचालक को मिला 'एंप्लॉय ऑफ द मंथ' पुरस्कार दिया गया। वहीं यूपीएमआरसी एमडी सुशील कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। सुशील कुमार प्रबंध निदेशक, यूपीएमआरसी ने लखनऊ एवं कानपुर में 50 हजार किलोमीटर से ज्यादा सफलतापुर्वक ट्रेन चलाने वाले ट्रेन संचालक रोहित कुमार को नवंबर 2023 महीने के लिए 'एंप्लॉय ऑफ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित किया। यूपीएमआरसी के बेहद चर्चित लॉस्ट एंड फाउंड सेल से सुरक्षा विभाग की ममता विश्वकर्मा को भी सुशील कुमार ने नवंबर 2023 महीने के लिए सम्मानित किया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

सरोजनीनगर। लखनऊ कानपुर रेल खंड पर हरौनी स्टेशन के समीप सहिजनपुर गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया युवक का एक घुटना और पैर बुरी तरह से फ्रेक्चर हो गया। लोगो ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना पाकर मौके पर पहुंची हरौनी पुलिस ने युवक को इलाज हेतु सी एच सी अस्पताल भेजा जहां पर युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना काकोरी के बेहटा गांव निवासी स्वर्गीय मंशा राम का पुत्र उमेश उम्र करीब बीस वर्ष बंथरा के सहिजन पुर गांव के निवासी अपने बहनोई शिमरन के घर पर रहता था। बुधवार करीब ग्यारह बजे उमेश संदिग्ध परिस्थितियों में किसी ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसका एक घुटना और पैर कट गए। ग्रामीणों ने देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सरोजनीनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां पर युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम किए भेज दिया।

बिजनौर रोड पर अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 2 की टीम ने बुधवार को सरोजनीनगर में बिजनौर रोड पर लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही एक अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्रवर्तन जोन 2 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि दिव्यांशु त्रिपाठी, प्रबंधक राडा इन्फ्राकॉन प्रा लि द्वारा सरोजनीनगर में बिजनौर रोड स्थित पुराना गुडौरा में लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के खिलाफ़ विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते बुधवार को सहायक अभियंता वाई पी सिंह, अवर अभियंता नागेन्द्र मिश्रा व ऋतुपाल द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़कें, नाली, बिजली के खम्भे व बाउन्ड्रीवॉल आदि को ध्वस्त कर दिया गया।

दो दिवसीय यशस्वी किसान सम्मान महोत्सव का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया है कि दिनांक-19.12.2023 से 20.12.2023 को प्रातः 10.00 बजे से राजा रघुबर दयाल मैदान सीतापुर में दो दिवसीय यशस्वी किसान सम्मान महोत्सव-2023 का आयोजन किया गया। जिसमें उद्यान विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत स्टॉल लगायी गयी। मेले में उपस्थित जनपद के विकास खण्डों से 100-115 प्रगातिशील कृषकों/उद्यमियों को जिला उद्यान अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की पूर्ण जानकारी देते हुए बताया गया कि योजनान्तर्गत प्रस्तावों पर अधिकतम प्रोजेक्ट लागत का 35 प्रतिशत या 10 लाख रूपये का अनुदान तथा एफ0पी0ओ0 के लिये 10 करोड़ के प्रस्ताव पर 3 करोड़ का अनुदान भारत सरकार द्वारा अनुमन्य है। प्रसंस्करण इकाई (आचार, बेकरी, फल, जैम आदि) की स्थापना हेतु इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं का लाभ लेने तथा उत्पादों के विपणन के सन्दर्भ में लाथ प्राप्त करने का अवसर दिया जाना प्रस्तावित है। क्षेत्र स्तरीय सहायता के लिये नियोजित जिला रिसोर्स पर्सन डी0पी0आर0 तैयार करने, बैंक ऋण प्राप्त करने, आवश्यक पंजीकरण तथा एफ0एस0एस0ए0आई0 के खाद्य मानकों, उद्यम आधार एवं जी0एस0टी0 प्राप्त करने के लिये हैंण्ड होल्डिंग सहायता उपलब्ध करायेंगे। साथ ही सहायक उद्यान निरीक्षक अरूण कुमार द्वारा अन्य विभागीय योजनाओं एकीकृत बागवनी विकास मिशन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कृषकों हेतु औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) योजना आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान कर लाभान्वित हेतु प्रोत्साहित व उनकी समस्याओं का निस्तारण किया गया।

कल्याणकारी योजना का किया बखान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

विकास खण्ड खैराबाद के अंतर्गत ग्राम पंचायत सराय यूसुफ में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अजय गुप्ता व प्रधान रामबेटी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके किया गया कार्यक्रम में एल ई डी स्क्रीन पर ग्रामीणों को देश प्रदेश की मोदी योगी सरकार की योजनाओं के बारे में दिखाया गया। प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति गीत पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैराबाद टीम ने ग्रामीण का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में पी एम किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किये गए कार्यक्रम में ग्रामीणो को प्रधानमंत्री मोदी की फोटो छपी 2024 के कैलेंडर बांटे गए। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को विकसित व आत्मनिर्भर देश बनाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी राजकुमार, प्रधान रामबेटी, प्रधान प्रतिनिधि मनोज , पंचायत मित्र इमरान, पंचायत सहायक कपिल यादव, कृषि विभाग दिनेश कुमार प्रताप, सहकारिता विभाग पिंकी,आशा सुमन, रेनू देवी युवा मोचा जिलामंत्री अनूप विश्वकर्मा ,विजय कुमार, गुड्डू, रामलखन,सावन यादव आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगणों के साथ ही विभिन्न विकास खण्डों के किसान एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

उप कृषि निदेशक, सीतापुर के द्वारा बैठक की शुरूआत की गयी। जिला कृषि अधिकारी, सीतापुर ने कृषकों से अपील कि वह अपनी फसलों का बीमा 31.12.2023 तक अवश्य करा लें। वरिष्ठ विपणन निरीक्षक, सीतापुर ने अवगत कराया कि जनपद सीतापुर की मूँगफली को जी0आई0 टैंग मिल गया है। अन्य फसलों की जी0आई0 टैंग हेतु कार्यवाही चल रही है। जिला कृषि अधिकारी, सीतापुर द्वारा गत माह के किसान दिवस की बैठक में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण से अवगत कराया गया, जिसमें 28 शिकायतों के सापेक्ष 12 शिकायतों का निस्तारण हो पाया था। अध्यक्ष महोदया द्वारा किसान भाइयों के स्तर से प्राप्त शिकायतों को सुना गया एवं सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया व सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापन के उपरान्त बैठक समापन की घोषणा की गयी।

करोड़ों की सरकारी नजूल भूमि चला बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद।नगर पालिका परिषद खैराबाद राजस्व टीम पुलिस तथा जिला प्रशासन की संयुक्त टीम के द्वारा बुधवार को खैराबाद के मोहल्ला कुल्हन सराय तथा शेखपुरा मोहल्ले में नजूल भूमि पर किए गए अतिक्रमण से 5000 वर्ग फिट से अधिक भूमि को मुक्त कराया गया तथा वहां पर

लगभग 5000 स्क्वायर फीट से अधिक बेस कीमती भूमि कराई गई खाली

नगर पालिका खैराबाद द्वारा की गई चौथी बड़ी कार्रवाई

नगर पालिका परिषद का बोर्ड लगवा दिया गया है नगर पालिका परिषद खैराबाद तथा राजस्व टीम के द्वारा कस्बे में यह चौथी बड़ी कार्रवाई है नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता ने बताया की खैराबाद में नजूल भूमि को लेकर पूर्व में जो शिकायतें की गई थी जिला प्रशासन ने उन पर संज्ञान लेकर कार्रवाई शुरू की है तथा शासन के द्वारा भी नजूल भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की दिशा निर्देश जारी किए गए हैं उन्होंने बताया कि कुलहंसराय में रईस के यहां 3000 वर्ग फिट नजूल भूमि तथा शेखपुरा में लियाकत के यहां 1000 वर्ग फिट तथा इसी मोहल्ले के फारूक के यहां 1000 वर्ग फिट भूमि पर किए गए अतिक्रमण को जिला प्रशासन की टीम से के द्वारा जेसीबी चला कर समतल भूमि कर दी गई तथा वहां पर नगर पालिका परिषद का बोर्ड लगा दिया गया उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कानूनगो अवधेश कुमार पांडे लेखपाल विवेक पांडे खैराबाद के नजूल निरीक्षक शैलेंद्र कुमार तथा खैराबाद थाने की पुलिस मौके पर मौजूद थी।

आपराधिक कृत्यों से अर्जित पचास हजार रुपये की सम्पत्ति कुर्क

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर।पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 महोदय के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध आपराधिक कृत्यों से अर्जित संपत्ति के जब्तीकरण संबंधी चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना तंबौर पुलिस द्वारा दिनांक 20.12.2023 को जिलाधिकारी सीतापुर के आदेश पर गौवंशीय पशुओं को काटने जैसे आपराधिक कृत्यों द्वारा अर्जित की गयी संपत्ति को थाना रेउसा पर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 01/23 धारा 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत अभियोग में धारा 14(1) के तहत जब्त/कुर्क करने की कार्यवाही की गयी है। संपत्ति की बाजार में कुल अनुमानित कीमत करीब 50,000/- रुपये आंकी गयी है। मु0अ0सं0 001/23 धारा 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट से संबंधित अभियुक्त सफीक पुत्र पीरबक्श निवासी ग्राम बरिनपुरवा थाना रेउसा जनपद सीतापुर का अपना एक संगठित गिरोह बनाकर अपने व अपने गैंग के सदस्यों के माध्यम से आर्थिक एवम् भौतिक लाभ हेतु लुक-छिपकर गौवंशीय पशुओं को काटकर धन अर्जन करनें जैसे अपराध करने के अभ्यस्त अपराधी हैं। अभियुक्त के विरुद्ध उक्त अपराध के संबंध में पूर्व में अभियोग पंजीकृत हैं। अभियुक्त की आय का कोई ज्ञात स्त्रोत नहीं था व इतनी पैतृक संपत्ति नहीं है कि जिसकी आमदनी से इतने अल्प समय में मूल्यवान सम्पत्ति अर्जित की जा सके। अपराध से अर्जित संपत्ति का उपयोग एवम् उपभोग अभियुक्त द्वारा किया जा रहा था। विवेचना के दौरान धारा 14(1) गैंगेस्टर एक्ट के अंतर्गत विवेचक द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय को साक्ष्य संकलित करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित की गयी। पुलिस द्वारा प्रेषित रिपोर्ट के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट सीतापुर द्वारा अभियुक्त उपरोक्त की अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने का आदेश निर्गत किया गया।

जिला मजिस्ट्रेट सीतापुर द्वारा निर्गत आदेश के क्रम में अभियुक्त उपरोक्त की निम्न संपत्ति को पुलिस एवम् प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में जब्तीकरण/कुर्की की कार्यवाही पूर्ण की गयी। भविष्य में भी इस प्रकार के गैंगेस्टर अपराधियों के चिन्हीकरण और उनके द्वारा अर्जित की गयी अवैध सम्पत्तियों का चिन्हांकन कर उनकी जब्तीकरण की कार्यवाही प्रचलित रहेगी।

साहब, दबंग खेत पर कर रहे अवैध कब्जा, धमका रहे कब्जेदार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किसान के खेत पर कब्जा कर रहे अवैध कब्जेदार

कब्जा रुकवाने के लिए पीड़ित ने खीरी थाने में लगाई गुहार

लखीमपुर-खीरी। किसान के खेतों पर अवैध कब्जेदारों ने कब्जा करना शुरू कर दिया तो किसान ने खीरी थाने में न्याय की गुहार लगाई लेकिन अब वहां से भी उसे कोई तसल्ली नहीं मिलती दिख रही है अवैध कब्जेदारों के हौसले बुलंद हैं। थाना खीरी में तहरीर देते हुए पीड़ित राम लखन ने बताया की वह भूमि गाटा सं0-801 रकबा 0.776 हे0 स्थित ग्राम झसिया मजरा कटिया थाना व जिला खीरी का स्वामी है। और मूल कागजात में प्रार्थी का नाम दर्ज है। प्रार्थी ने पैमाइश का मुकदमा वाद स0 06679/2020 में दायर किया था. जिस में प्रार्थी की उपरोक्त गाटा संख्या की पैमाइश होने का आदेश दर्ज हो गया था आदेश के अनुसार लेखपाल कानूनगो व नायाब तहसीलदार द्वारा प्रार्थी की उक्त गाटा स0 की स्वय मौके पर खड़े होकर पैमाइश करायी गयी तथा प्रार्थी ने पिलर बनवा दिये प्रार्थी अपनी भूमि पर काबिज हो गया परंतु गांव के विपक्षीगण सुनील पुत्र ज्ञान प्रकाश, तेज नरायन पुत्र छविनाथ तथा इसरार अली पुत्र बुद्धा अली रजा पुत्र जलालुद्दीन, लल्लू पुत्र मो0 दीन मेवालाल पुत्र मुरली, जसवत पुत्र मेंवालान कामनाथ, राम खेलावन, मोतीलाल, रामकिशोर उर्फ डगरू पुत्रगण छैलू, राजेन्द्र वीरेन्द्र सुरेश, राजेश पुत्रगण चन्द्रभाल, पत्नी छत्रपाल गुड्डी देवी पत्नी सदीप गांव के पूर्व प्रधान ब्रजराज सिंह, मनीष वर्मा के सहयोग से जबरन प्रार्थी की भूमि पर कब्जा करके झोपड़ी डालने का प्रयास तथा प्रार्थी के विरुद्ध उक्त विपक्षीगण प्राथी पर मुकदमा दर्ज कराने का के लिए आये दिन प्रयासरत रहते है 03 दिसंबर को भी उपरोक्त विपक्षीगण प्रार्थी को खेत जोतने से रोका तथा मारा पीट पर आमादा हो गये, विपक्षीगण पूर्व प्रधान ब्रजराज सिंह व मनीश वर्मा प्रार्थी को जाति-सूचक गालिया दी और खेत जोतने से मना करते हुए भगा दिया प्राथी ने पूर्व में कई प्रार्थना पत्र दिया था परतु कोई कार्यवाही नहीं हुई थी उपरोक्त विपक्षीगण प्रार्थी के साथ कोई भी घटना कारित कर सकते है। उसने कहा कि उसके साथ यदि कोई घटना घटित होती है तो उसके जिम्मेदार उपरोक्त विपक्षीगण होंगे।

शिवदीन दीक्षित मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश व अनुज त्रिवेदी बने जिलाध्यक्ष सीतापुर ब्राह्मण चेतना परिषद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । ब्राम्हण चेतना परिषद सीतापुर के जिलाध्यक्ष पद पर अनुज त्रिवेदी को मनोनीत किया गया, अनुज त्रिवेदी को जिलाध्यक्ष व शिवदीन दीक्षित को मीडिया प्रभारी उ.प्र.बनाये जाने पर संगठन के संरक्षक श्री जितिन प्रसाद जी लोक निर्माण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, प्रदेशाध्यक्ष विश्वदीप अवस्थी, कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती कुमकुम अवस्थी, संगठन के प्रदेश महासचिव व पूर्व जिलाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी एडवोकेट,प्रदेश महासचिव सुशील मिश्रा, प्रदेश सचिव राजेश मिश्रा ने बधाई व शुभकामनायें दी है और आशा जताई कि अनुज त्रिवेदी समाज हित में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे !

गौरीफंटा बॉर्डर पर नेपाली पुलिस से हाथापाई, वीडियो वायरल

पलियाकलां-खीरी।भारत नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाया जा रहा है कि एक युवक मित्र राष्ट्र नेपाल के एक पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई करते हुए अपशब्द भाषा का प्रयोग कर रहा है। उधर आरोपी युवक के द्वारा भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है जिसमें उसके द्वारा मोबाइल छीनें जाने की बात बताई जा रही है। भारत नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर टैक्सी संचालकों के बीच तो आए दिन हाथापाई होती रहती है। लेकिन बुधवार को बॉर्डर का एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें नेपाली पुलिसकर्मी को एक युवक अपशब्द भाषा का प्रयोग करते हुए हाथापाई कर रहा है। करीब आधे घंटे तक बॉर्डर पर बवाल चलता रहा और बार्डर पर तैनात सभी एजेंसियों के सुरक्षाकर्मी तमाशा देखते रहे। उधर आरोपी युवक के द्वारा भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर मोबाइल छीने जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल उक्त मामले में गौरीफंटा पुलिस ने अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की है। नेपाली पुलिस कर्मी के साथ हुई हाथापाई को लेकर नेपाल प्रशासन ने अपनी आपत्ति जताई है।

सीडीओ साहब! पंचायत सचिव नही उठाते फोन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फूलबेहड-खीरी। जिले के कुछ ब्लाकों मे तैनात ग्राम पंचायत सचिव ऐसे भी हैं जिन्हें सीडीओ की कार्रवाई से डर नहीं लगता है वह अपने हिसाब से काम करते हैं जब मन होगा तभी फोन उठाएंगे अगर मन नहीं है तो आप लगातार कॉल करते रहिए घंटी बजेगी लेकिन उधर से फोन नहीं उठेगा। विकास खण्ड फूलबेहड मे तैनात पंचायत सचिव नरेन्द्र यादव फोन को उठाना जरूरी नहीं समझते हैं। ऐसा ही एक नया वाकया सामने आया है। एक मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी लेने के लिए मंगलवार व बुधवार को जब पंचायत सचिव को संवाददाता के द्वारा उनके पर्सनल नंबर 6389472024 पर फोन किया गया तो उनका फोन ही उठा।द ब्लाक फूलबेहड मे तैनात ग्राम पंचायत सचिव नरेन्द्र यादव के पास रहने वाला मोबाइल नंबर पर घंटी तो गई, लेकिन कोई जबाव नहीं मिला, एक नहीं, दो नहीं, रिपोर्टर ने चार बार मोबाइल फोन पर घंटी की, लेकिन साहब का फोन नहीं उठा! यह हाल पंचायत सचिव का ही नहीं, बल्कि जिले के अधिकतर विभागीय अधिकारियों का है। जहां पर शिकायतकर्ता व संवाददाता फोन करते रहते हैं, लेकिन कोई जबाव नहीं मिलता है यह बेहद गंभीर और चिंताजनक है फिलहाल ग्राम पंचायत सचिव नरेन्द्र यादव जैसे अधिकारियों के पास इतनी फुर्सत कहां है कि मोबाइल फोन सभी के उठाए।

जबकि डीएम व सीडीओ खुद मिलाते हैं नंबर!

जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के मोबाइल नंबर पर रोज 20 से 30 कॉल अंजान नंबर से आती हैं। वह खुद फोन को उठाते हैं और जवाब देते हैं। जिस नंबर से बात नहीं हो पाती है उसको मिलाकर बात करते हैं जबकि कुछ बेलगाम जिम्मेदार नंबर उठाते ही नहीं हैं इसी क्रम में ब्लाक फूलबेहड मे तैनात गैर जिम्मेदार ग्राम पंचायत सचिव नरेन्द्र यादव का मोबाइल नंबर घर पर पहुंचकर साइलेंट जोन में पहुंच जाता है डीएम समेत आला अधिकारी फोन उठाते हैं और पूरा सम्मान देकर बात लोगों की सुनते भी हैं। अधिकांश प्रशासनिक अधिकारी न सुनते हैं और फोन न उठाते हैं। अधिकारी बात नहीं सुनते तभी जनता मीडियाकर्मियों के पास आती है।

सरकारी काम! सेक्रेटरी साहब नहीं उठाते फोन!

निरन्तर घंटी बजने के बाद भी फोन नही उठाते जनाब!

चार चार घंटी बजने के बाद भी फोन नहीं उठाते पंचायत सचिव नरेन्द्र यादव!

मृत्य प्रमाण पत्र के बारे मे जानकारी लेने के लिए चार बार किया फोन नहीं उठा!

वेतन न मिलने से नाराज शिक्षक बैठे धरने पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जिले में सोलह महीनों से वेतन न मिलने से नाराज उत्तरप्रदेश माध्यमिक तदर्थ शिक्षक संघ सुलतानपुर के लगभग पचास विद्यालय के 191 शिक्षक धरने पर बैठ गए है। इन शिक्षकों का कहना है विगत 15 सालो से जब विद्यालय में कोई शिक्षक उपस्थित नही रहते थे विद्यार्थियों का शिक्षण कार्य करने के लिए तब तदर्थ शिक्षक सामने आके समाज का अवलोकन किए है। बच्चो को शिक्षा दिए पर हमें पिछले 16 महीनो से वेतन नहीं दिया जा रहा है जिससे शिक्षकों को अब अपने परिवार का जीवकोपार्जन कराने काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जबकि शासन ने अपने शासनादेश में दिनांक 9.11.23 के द्वारा अवशेष वेतन भुगतान करने हेतु एक माह का समय दिया था परन्तु जिला विद्यालय निरीक्षक व लेखाधिकारी सुलतानपुर शासन के आदेश की अनदेखी करते हुए वेतन नहीं पास कर रहे शिक्षकों का कहना है अगल बगल के जिलों में तदर्थ शिक्षकों के वेतन का भुगतान कर दिया गया है। ऐसे में सुलतानपुर जिले के लगभग 50 विद्यालयों के 191 शिक्षकों को परिवार चलाने व बच्चों की पढ़ाई आदि के लिए काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

खेत में बकरी घुसने पर चलाई लाठियां, पांच घायल

सुल्तानपुर। खेत में बकरी घुस जाने पर लाठियां चटक गई। दबंगों ने महिला समेत पांच को लाठी-डंडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। पिटाई का लाइव वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस ने केस दर्जकर तीन आरोपियों का शांति भंग में चालान भी किया है। मामला कोतवाली देहात के वजूपुर गांव का है।

वजूपुर गांव निवासी धनपति पत्नी हरिश्चंद्र निषाद अपने बकरियों को खेत में चरा रही। इसी कड़ी में उसकी बकरी सुनीता के खेत में चली गई। जिस पर सुनीता धनपति से झगड़ने लगी। थोड़े समय में बात बढ़ गई। सुनीत की ओर से राजेंद्र, पिंटू, हरिलाल, राम नारायन, राकेश, मंदीप और अरविंद लाठियां लेकर आए और धनपति को पीटने लगे। उसे पिटता देख हरिश्चंद्र, शीला, नागेश और राज किशोर बचाव में पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी लाठी से मारकर गिरा दिया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। घटना की सूचना पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर भेजवाया। जहां सभी का इलाज किया गया। इस मामले में पीड़िता ने थाने पर तहरीर दी। थानाध्यक्ष श्याम सुंदर ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। तीन आरोपियों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई भी की गई है।

अग्नि पीड़ितों की मदद को नहीं पहुंचे जनप्रतिनिधि, निषाद समुदाय ने मदद का उठाया बीड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। निषाद परिवार के दो घरों की गृहस्थी आग में जलकर खाक हो गई। जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी तक चार दिनों में मदद को आगे नहीं आए तो खुद निषाद समुदाय ने मदद का बीड़ा उठाया। चंदा करके दोनों परिवारों को करीब ?13,500 की मदद दी गई। दरअस्ल बीते 17 दिसंबर को सैदपुर गांव में अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग में गांव निवासी मंहगू निषाद एवं चंद्र बहादुर निषाद दो परिवारों की घर-गृहस्थी का सारा सामान राख में बदल गया था। जिससे काफी मात्रा में नुकसान हुआ था।ठंड के मौसम में असहाय निर्धन परिवार पर आई विपदा को देखकर निषाद समुदाय के समाज सेवियों, शुभचिंतको एवं नेताओं द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से आर्थिक संग्रह कर अग्निपीड़ित परिवारों की आर्थिक सहायता की गयी। प्रधान भोए योगेश निषाद ने बताया कि महंगू निषादके परिवार को ?11,000 औरचंद्र बहादुर निषाद के परिवार को ?2,500 की मदद दी गई। वही ग्रामीणों का कहना है कि जनता जिन्हें चुनती है, अपना नेता मानती है, जिला पंचायत, विधायक, सांसद वे सभी निषाद समुदाय के गांवों में ऐसी आपदाओ पर न तो स्वयं पहुंचते हैं ना उनका कोई प्रतिनिधि आता है। न ही उनके द्वारा मदद की जाती है और न ही इन बस्तियों में उनके द्वारा कोई विकास कार्य किया जाता है। इस प्रकार उपेक्षा की स्थिति में निषाद समुदाय द्वारा की गयी आर्थिक मदद पीड़ित परिवारों के लिये स्वतः सराहनीय व लाभदायक सिद्ध हुई है।

प्रोग्राम ल्लखेलो इंडियाल्ल के तहत खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय क्षेत्र के पारा बाजार में आयशा पब्लिक स्कूल में थाना प्रभारी बल्दीराय आर बी सुमन ने ल्लखेलो इंडियाल्ल के तहत फीता काट कर शुभारम्भ किया और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे भारत के भविष्य है, इन्ही बच्चों से नए भारत का निर्माण होगा।

विद्यालय प्रबंधक मो0 इमरान खान ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के तहत वैड मिंटल, कबड्डी, खो-खो, टैग ऑफ वार, स्लो साइकिलिंग, लंबी कूद, सैक रेस, लम लेग, फ्रॉग जम्प, रेस, म्यूज़िकल चेयर गेम आदि खेलो का आयोजन किया गया है। इस मौके पर मुश्ताक खान, प्रिंसीपल राजेश मौर्या, वाईस प्रिंसीपल तस्लीम बानो, अनुभव सिंह, पूनम वर्मा, जवेरिया सिद्दीकी, हेम लता, कृष्ण राम राव, नाजरीन बानो, साधना गुप्ता, शहर बानो, शिफा सिद्दीकी, सृष्टि सिंह, फिरदौस जहां आदि उपस्थित रहे।

किसी गरीब की ठंड से मृत्यु ना हो यह हमारा लक्ष्य है : शियाने हैदरे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। शीतलहरी व सर्द हवाओ कड़कती ठंड को देखते हुए अस्पताल रोड गोलाघाट दीवानी चैराहा पंत स्टेडियम जिला हॉस्पिटल आदि जगहों पर मंगलवार देर रात ठंड से परेशान गरीब असहाय निर्धन लोगों को शियाने हैदर ए कर्रार वेलफ़ेयर असोसिशन ने देर रात इन जगहों पर सोए हुए लोगों के बीच पहुंच कंबल खाना पानी गर्म कपड़े वितरण किया। ठंड से कपकपा रहे लोगों को जब रात में अचानक ये सारी चीजे मिली तो ये लोग खुश हो गए और संस्था के लोगों को बहुत सारी दुआ भी लोगो ने दिया। इसी तरीके से संस्था ने यह फैसला किया है कि मुसलसल एक महीने इसी तरीके देर रात निकाल कर तमाम इंसानियत और जरूरतमंदों की मदद किया जाएगा। एसोसिएशन के लोगों ने कंबल वितरण कर खुले आसमान के नीचे रात गुजारने गरीबों को यह एहसास दिलाया कि समाज में मानवता खत्म नहीं हुई है। ये जानकारी शियाने हैदर ए कर्रार वेलफ़ेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिलशाद हुसैन ने दी।

परिचालक ने किया आत्महत्या का प्रयास, दो माह से नहीं मिला है वेतन

सुल्तानपुर। बस स्टेशन पर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक परिचालक ने यहां आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि साथियों ने उसे इस घटना को कारित करने से बचाते हुए उच्चाधिकारियों से अवगत कराया। मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने जांच पड़ताल की है। दरअस्ल कोतवाली नगर के बस स्टेशन पर आज उस समय अफरातफरी मच गई जब रोडवेज बस का परिचालक प्रिंस कौशल ने बस स्टेशन परिसर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या करने का किया प्रयास किया। बस स्टेशन परिसर में मौजूद प्रिंस के अन्य सहयोगी साथियों ने उसे किसी तरह बचाया। आनन-फानन में उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और परिचालक से जानकारी ली। बताया जा रहा है कि बीते दो महीने से उसे वेतन नहीं मिला था। वही जांच में ये तथ्य भी सामने आया है कि बिना टिकट के मामले में उस पर कार्रवाई की तलवार भी लटक रही थी। परिचालक प्रिंस ने खुद को बेकसूर बताया है। उसने अधिकारियों से कहा कि मामले की पूरी जांच हो तो दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा। उसने बताया कि हमारे परिवार के पालन के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। वही परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे अधिकारियों ने दिए 7 दिन में नाला तोड़ने के निर्देश

जालौन। जालौन के कोंच कस्बे में कुछ दिनों पूर्व नगरपालिका द्वारा रेलवे की जगह पर नाला निर्माण का कार्य नगर पालिकाध्यक्ष के चहेते ठेकेदार द्वारा शुरू करवा दिया गया था जिसकी शिकायत पूर्व सभासद छोटू टाइगर ने झाँसी मंडल डीआरएम से पत्र के माध्यम से की थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए बुधवार को रेलवे के उच्च अधिकारियों के निर्देशन में सेक्शन इंजीनियर विवेक दुबे अपनी टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण के लिए कोंच आए जहां वह रेलवे की जगह पर अतिक्रमण एवं नाला निर्माण को देख भड़क गए और रेलवे की सीमा की नाप कर अतिक्रमणकारियों और नगर पालिका कोंच को नोटिस थमा दिया। जिसमें 7 दिन के अंदर नाला तुड़वाने एवं जगह खाली करने के निर्देश दिए एवं 7 दिन के बाद उच्चाधिकारियों के साथ पुनः जांच करने की बात कही। जांच के दौरान टीम में सेक्शन इंजीनियर विवेक दुबे ,सुमित गुप्ता, ज्ञान बहादुर यादव आरपीएफ से एसआई आर पी मीना, ए.के यादव और उनका हमराही स्टाफ मौजूद रहा।

सब्जी विक्रेता के हत्या आरोपितों को खोजने को चार टीमों का गठन

मेरठ। भावनपुर थाना क्षेत्र के एत्मादपुर रोड पर मंगलवार की देर रात सब्जी विक्रेता मोनू की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया है। मानपुर गांव निवासी सब्जी विक्रेता मोनू पुत्र फूल सिंह की मंगलवार की देर रात बदमाशों ने एत्मादपुर रोड पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। बदमाशों ने मोनू को तीन गोली मारी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की। परिजनों और ग्रामीणों ने घटनास्थल पर जमकर हंगामा किया था। पुलिस ने लोगों को समझा कर शांत किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना के समय मोनू किला परीक्षितगढ़ के एत्मादपुर गांव से सब्जी बेचकर अपने घर आ रहा था। बाइक सवार बदमाशों ने उसके वाहन को ओवरटेक करके रुकवा लिया और गोली मारकर हत्या कर दी। एसपी देहात कमलेश बहादुर के अनुसार, बदमाशों को पकड़ने के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। बुधवार को पुलिस ने मोनू की कॉल डिटेल निकलवाने का प्रयास किया। मोनू का मोबाइल और पैसे जेब में सुरक्षित मिले। बुधवार को सर्विलांस टीम भी जांच में जुट गई और मोनू की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है।

कर्माजीतपुर में नर्सिंग की छात्रा ने लगाई फांसी,पुलिस छानबीन में जुटी

वाराणसी। चितईपुर थाना क्षेत्र के कर्माजीतपुर में नर्सिंग की एक छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बुधवार को पुलिस ने छानबीन के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जनपद चंदौली के सकलडीहा निवासी लल्लू मौर्य की पुत्री दीपिका (25) कुछ दिन ही पहले नर्सिंग कोर्स की छात्रा कर्माजीतपुर में आई थी। दीपिका के साथ रहने वाली नर्सिंग की छात्रा नर्गिस ने बताया कि वह रात में अस्पताल ड्यूटी में चली गई। देर रात कमरे पर लौटी तो रूम का दरवाजा खटखटाया। काफी प्रयास के बाद भी कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उसने मकान मालिक को इसकी सूचना दी। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस आई और जब दरवाज़ा खोला तो कमरे के अंदर दीपिका फंदे से लटकी मिली। उसकी मौत हो गई थी। छानबीन में कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। पुलिस ने मृत छात्रा के परिजनों से भी पूछताछ की।

निराश्रित गोवंश का किया जाए संरक्षण : सेल्वा कुमारी जे.

एजेंसी

आयुक्त की अध्यक्षता में हुई 37 विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की मंडलीय समीक्षा बैठक

मेरठ। मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. ने कहा कि निराश्रित गोवंश का शत-प्रतिशत संरक्षण किया जाए। इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त सभागार में बुधवार को मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. की अध्यक्षता में पिछली बैठक से वर्तमान तक जारी शासनादेश तथा उनकी प्रगति पर चर्चा, 37 विकास प्राथमिकता कार्यक्रम की मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कहा कि सभी मंडलीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी विभागीय निर्माणाधीन योजना एवं लाभार्थीपरक जनकल्याणकारी योजनाओं में और अधिक प्रगति लाने के लिए कार्य करें। उन्होंने विभिन्न विभागों की विभिन्न योजनाओं और कार्यों की रैंकिंग की समीक्षा करके रैंकिंग को और बेहतर करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एंबुलेंस-108, दवाओं की उपलब्धता की निगरानी, टीकाकरण आदि की समीक्षा करते हुए सेवाओं में और सुधार लाने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारी को एनीमिया उन्मूलन के लिए आयरन टेबलेट वितरण के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। आयुक्त द्वारा ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण परीक्षा, मध्यान्ह भोजन, प्रोजेक्ट अलंकार आदि की समीक्षा की गई। उन्होंने पशुधन विभाग के अंतर्गत अंडा उत्पादन, पशु टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, संरक्षित निराश्रित गौवंश की सुपुर्दगी, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, आदि की समीक्षा की तथा निराश्रित गोवंश का शत प्रतिशत संरक्षण किए जाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अंतर्गत ओटीएस की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा, ग्रामीण अभियंत्रण के अंतर्गत भवन निर्माण, पंचायती राज के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय, स्वच्छ भारत मिशन, यूनिसेफ के अंतर्गत कुपोषित बच्चों की पहचान, एनआरसी परफारमेंस, मंत्रा ऐप की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त दुग्ध विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, सहकारिता, वन विभाग की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मेरठ दीपक मीणा, सीडीओ नूपुर गोयल आदि उपस्थित रहे।

प्रेमी ने की थी महिला की हत्या, मुठभेड़ में

एजेंसी

मेरठ। दौराला थाना क्षेत्र के मवीं मीरा गांव में सोनी की हत्या उसके प्रेमी ने की थी। मंगलवार की देर रात पुलिस के साथ मुठभेड़ में आरोपित घायल हो गया। पुलिस के सामने आरोपित ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। मवीं मीरा गांव में मंगलवार को सुभाष कुमार की बेटी सोनी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या के खुलासे के लिए सोनी के मोबाइल की कॉल रिकॉर्ड निकलवाई। महिला के परिजनों ने उसके दोनों पति और प्रेमी नाजिम पर हत्या का शक जताया था, लेकिन पुलिस की जांच में हत्या का आरोपित गांव का ही नवनीत निकला। मंगलवार की देर रात को पुलिस के साथ मुठभेड़ में नवनीत पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस की पूछताछ में नवनीत ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। दरअसल सोनी की शादी मुजफ्फरनगर जनपद में अपनी बड़ी बहन के देवर सत्येंद्र से हुई थी। सत्येंद्र से सोनी के दो बेटियां हैं। इसी बीच सोनी का प्रेम प्रसंग खरदौनी गांव के नाजिम से हो गया। दो महीने पहले सत्येंद्र अपने साथी सोनी को खतौली में डॉक्टर के पास ले गया तो सोनी पति को धोखा देकर नाजिम के साथ फरार हो गई। इसके बाद पुलिस ने सोनी को सिकंदराबाद से बरामद कर लिया। विवाद के बाद सत्येंद्र ने सोनी को अपने साथ ले जाने से इनकार कर दिया था। सुभाष ने 20 दिन पहले सोनी की दूसरी शादी रविंद्र कुमार से कर दी। हत्या के समय सोनी अपने मायके आई हुई थी। दरअसल नाजिम के बाद सोनी का गांव के ही नवनीत से प्रेम प्रसंग हो गया। पुलिस की पूछताछ में नवनीत ने कहा कि वह सोनी से बेइंतहा प्यार करता था। इस बात की जानकारी किसी को पता नहीं थी। मुझे लगा कि सतेंद्र से अलग होने के बाद सोनी मुझसे शादी करेगी। मगर घर वालों ने सोनी की किसी और से शादी कर दी।

एसपी कार्यालय के पास महिला स्वास्थ्यकर्मी से बदमाश ने लूटा चैन और पर्स

कानपुर देहात। जनपद के अकबरपुर थानाक्षेत्र में बुधवार को पुलिस अधीक्षक ऑफिस के पीछे दिनदहाड़े महिला स्वास्थकर्मी से बदमाश ने लूटपाट की घटना को अंजाम दे दिया। लुटेरे ने महिला का मुंह दबाकर हमला किया और महिला की चेन और पर्स लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँच गई और जांच शुरू कर दी है। जनपद के पुलिस अधीक्षक लगातार क्राइम कंट्रोल के लिए अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं उनके ही कार्यालय के पीछे आज दिनदहाड़े एक महिला स्वास्थकर्मी के साथ लूट की वारदात को बेखौफ बदमाश द्वारा अंजाम दे दिया गया। जानकारी के मुताबिक माती मुख्यालय में स्थित सीएमओ ऑफिस में तैनात रचना तिवारी बुधवार को कार्यलय ड्यूटी के लिए जा रहीं थी। जैसे ही वह ऑफिस के रास्ते में एसपी कार्यालय के पीछे से गुजर रही थी तभी वहां खड़े एक बदमाश ने उन हमला कर दिया। उनका मुंह दबाकर उनके साथ मारपीट की और लूटपाट की घटना को अंजाम दे दिया। वारदात के बाद लुटेरा सोने की चैन और पर्स लूटकर भाग निकला। बकौल पीड़ित स्वास्थ्य कर्मी रचना ने बताया कि जब वह ऑफिस जा रहीं थी तो रास्ते में सांवले रंग अधेड़ खड़ा था। उसने पीछे से हमला कर उनको पकड़ लिया और मुंह दबा दिया। इसी के साथ उसने उन पर हाथापाई करते हुए गले में पहनी सोने की चैन और पर्स लूट लिया। वारदात के बाद वह मौके से भाग निकला। वारदात से वह काफी घबरा गई और खुद को संभालते हुए घटना की जानकारी अपने ऑफिस और पुलिस को दी। स्वास्थकर्मी के साथ लूट की सूचना मिलते ही अकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों में नाराजगी है।

गांधी के ग्राम स्वराज से ही होगा देश का विकास: प्रो. अरुण कुमार

एजेंसी

गाजियाबाद। सुविख्यात अर्थशास्त्री प्रो.अरुण कुमार ने कहा कि कालेधन की अर्थव्यवस्था से देश के हालात अच्छे नहीं हैं। इससे विकास कम तो हो ही रहा है, निवेश पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। तमाम नीतियां फ़ेल हो रही हैं। इन सभी समस्याओं का हल आज गांधी की ग्राम स्वराज की विचारधारा में है, जिसे अपनाने की बहुत जरूरत है। प्रभाष परम्परा न्यास और मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से आयोजित विचार संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार ने यह विचार व्यक्त किये। वह 'मौजूदा दौर में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की प्रासंगिकता' विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश में डिजिटल तकनीक आ जाने से काम तो बढ़ा है लेकिन बेरोजगारी भी बढ़ी है। मैन पॉवर कम हो गया है, ऑनलाइन का चलन शुरू हो गया है। विशेष तौर पर आज युवा और महिलाओं को काम कम मिल पा रहा है। कारण, संगठित क्षेत्र में तकनीक का तेजी के साथ बढ़ना। जबकि देश में असंगठित क्षेत्र में काम बढ़ना चाहिए। जब तक असंठित क्षेत्र मजबूत नहीं होता तब तक हम बेरोजगारी से पार नहीं पा सकते। आज संगठित क्षेत्र में 80 प्रतिशत निवेश हो रहा है जबकि असंगठित क्षेत्र में 20 प्रतिशत ही निवेश हो रहा है। इसका उल्टा होना वाहिए। इसके लिए हमें गांवों की ओर लौटना होगा। कुटीर और मध्यम दर्जे के उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। महात्मा गांधी ने भी गांवों के विकास की बात कही है। जिसे आज अपनाना बहुत जरूरी है। बाजार और तकनीक हमें शॉर्ट टर्म की ओर ले जा रहा है। हमें लांग टर्म चलना चाहिए। आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया हमें शॉर्ट टर्म की ओर ले जा रहा है। हम शॉर्ट टर्म वाले हो गये हैं। इस कारण हमारा विकास बाधित हो रहा है। इससे प्रजातंत्र पर विपरीत असर पड़ रहा है। हमारे अर्थशास्त्र पर असर पड़ रहा है। हमें क्रिटिकल नॉलेज और क्रिटिकल थिंकिंग की जरूरत है। हमें सभ्य बनना है तो गांधी जी के बताये रास्ते पर चलना ही होगा। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि आज हमारी अर्थव्यवस्था का नियंत्रण हमारी सरकार और जनता के हाथ में नहीं है। इसे विदेशी संस्थाएं नियंत्रित कर रही हैं। हम विदेशी ऋण में दबे हुए हैं। हमारी आर्थिक स्वतंत्रता समाप्त हो चुकी है। आयात पर नियंत्रण नहीं है। हमें इंडस्ट्रीज बढ़ानी होंगी, रोजगार बढ़ाना होगा। शिक्षा का सिस्टम हमें अपने हिसाब से बनाना होगा। हम अपनी जरूरतें स्वयं तय करें फिर नई नीतियां बनाएं। तभी विकास संभव है और विकास की राहें गांधी जी के ग्राम स्वराज से ही होकर निकलेंगी। विचार संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री राम बहादुर राय, नीलम गुप्ता समेत मेवाड़ परिवार के सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्र ने किया।

सपा के पूर्व मंत्री के रिश्तेदार सहित ग्यारह लोगों को नगर पालिका ने दी नोटिस

नोटिस से कब्जेदारों में मचा हड़कंप,डीएम से मिले पीड़ित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। नजूल की जमीन को बिना फ्री होल्ड कारण मकान बना लेने के मामले में समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री रहे योगेश प्रताप सिंह के रिश्तेदार सहित ग्यारह लोग फंस गए हैं। नगर पालिका प्रशासन ने सभी को नोटिस जारी कर जमीन खाली करने को कहा है। पालिका प्रशासन की नोटिस से कब्जेदारों में हड़कंप मचा है। वहीं पालिका की नोटिस मिलने के बाद मंगलवार को इस कालोनी में रहने वाले लोगों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नोटिस को रद्द कराए जाने और समस्या के निस्तारण कराने की मांग की है।नगर पालिका परिषद के अन्तर्गत कई मोहल्ले में लोगों ने नजूल की जमीन पर आशियाना बनकर रहना शुरू कर दिया है। शहर में शायद ही कोई ऐसी मोहल्ला हो जहां पर मकान बनाकर लोग रह ना रहे हों। ऐसा ही एक मामला वाल्मीकि कॉलोनी का है?। इस कालोनी में करीब 250 मकान बने हैं।

कई परिवार पीढ़ियों से यहां रहते आ रहे हैं। इन्ही में सपा के पूर्व मंत्री रहे योगेश प्रताप सिंह के रिश्तेदार डाक्टर डीपी सिंह का मकान भी है?। अधिकतर परिवार वाल्मीकि समाज के हैं और वह नगर पालिका के कर्मचारी भी हैं। अब पालिका परिषद ने इस जमीन को नजूल की जमीन बताकर यहां रह रहे लोगों को जमीन खाली करने का निर्देश दिया है।

पालिका परिषद की तरफ से 11 लोगों को नोटिस जारी की गई है। जिसमें डाक्टर डीपी सिंह समेत सोमनाथ, अकबर अली, मकसूद, अमित शुक्ल, कृष्ण कुमार शुक्ल, गीता, शिवकुमार, राम दयाल, मीना व बबली का नाम शामिल है। नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी की तरफ से अकबर अली व अन्य को दी गई नोटिस में कहा गया है कि सिविल लाइन छावनी सरकार के उत्तरी छोर पर वाल्मीकि मोहल्ले में रहने वाले लोगों ने अवैध रूप से नजूल की जमीन पर पक्का मकान बना लिया है?।? इसकी रिपोर्ट नजूल प्रभारी ने दी है।

ऐसे में सभी लोग नजूल की जमीन को खाली कर दें। ऐसा न करने पर अभियान चलाकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका की नोटिस मिलने के बाद यहां रहने वाले परिवारों में हड़कंप मच गया है। यहां रह रहे लोगों का कहना है कि वह लोग कई पीढ़ी से यहां मकान बनाकर रह रहे हैं। बाकायदा नगर पालिका परिषद को टैक्स भी दे रहे हैं। अचानक नगर पालिका परिषद की ओर से जगह खाली करने के लिए नोटिस भेज दी गई है,जिससे वह लोग परेशान हैं।यहां पर रहने वाले अधिकतर लोग नगर पालिका परिषद के कर्मचारी भी हैं। जो सफाई आदि का कार्य करते हैं। मंगलवार को इन लोगों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नोटिस को रद्द कराए जाने और समस्या के निस्तारण कराने की मांग की है ।

तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण का हुआ समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। स्थानीय सआदत इंटर कालेज में भारत स्काउट और गाइड के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम सोपान शिविर का समापन बुधवार को प्रधानाचार्य डॉ अरविंद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक तहसीलदार नानपारा प्रद्युम्न पटेल व विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृपा राम वर्मा, मनोज पांडे जिला आयुक्त स्काउट गाइड, चन्द्र शेखर इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मधु चौधरी संयुक्त रूप से रही।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के द्वीप प्रज्वलन से हुई। छात्रा पलक पांडे व शुभांगी त्रिवेदी ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर आए हुए अतिथियो का स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉध अरविंद कुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि को प्रबन्धक ने पुष्प माला व स्काउट स्कॉर्फ पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

तीन दिवसीय कैंप में शिविरार्थियों को स्काउट नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धांत, स्काउटिंग का इतिहास, विभिन्न प्रकार की गांठें, दिशा ज्ञान, पाक कला, तंबू निर्माण, हाइकिंग, ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक चिकित्सा, स्काउट गाइड ध्वज के साथ ही विभिन्न प्रकार की तालियों को बजाने की जानकारी व प्रशिक्षण दिया। सभी अतिथियों ने

प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा बनाए गए टेंट एवम् हस्त निर्मित चीजों का निरीक्षण किया एवम् उत्साह वर्धन किया ।प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला आयुक्त मनोज पांडे ने कहा की स्काउट हमें दूसरों के लिए जीने की कला सिखाता है। देश के लिए सुयोग्य नागरिक बनाता है। हम आपातकाल में कैसे रहें, सीमित संसाधनों में कैसे अपने लिए भोजन पानी की व्यवस्था करें आदि की सीख मिलती है। इस मौके पर वैध भगवानदिन बालिका इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य लक्ष्मी पाठक, स्काउट प्राभारी सीमा यादव, विद्यालय स्काउट प्रभरी निमिश गुप्ता, समाज सेवी उमेश चंद शाह, आर के सिंह, विशाल पांडे, सन्तोष त्रिवेदी, मनोज मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

चालको एवं परिचालको के लिए आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

बहराइच । सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ओ.पी. सिंह ने बताया कि जनपद में 15 से 31 दिसम्बर 2023 तक संचालित द्वितीय सडक सुरक्षा पखवाड़ा अन्तर्गत भिनगा प्राइवेट बस स्टैण्ड पर संचालित चालक/परिचालक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर के दौरान 56 चालक/परिचालको को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों के पालन किये जाने हेतु शपथ दिलाई गयी। श्री सिंह ने बताया कि विभागीय प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा विभिन्न मार्गों पर संचालित किये गये चेकिंग अभियान के दौरान रांग साईड ड्राइव के लिए 40 वाहनों, का रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप न लगे होने के 12 ट्रैक्टर ट्राला, बिना हेलमेट के राइडिंग व सीटबेल्ट के बगैर चार पहिया वाहन चलाने पर 56 वाहनों का चालान किया गया तथा बिना फिटनेस व बिना कर जमा संचालित एम्बुलेंस का चालान कर उन्हें पुलिस की सुपुर्दगी में करने की कार्यवाही की गई। प्रवर्तन की कार्यवाही में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) राजीव कुमार, यात्री/मालकर अधिकारी अवधराज गुप्ता, भिंगा प्राइवेट बस यूनियन के पदाधिकारी एवं प्रवर्तन दल में आरक्षी मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बहराइच । पूर्व माध्यमिक विद्यालय टिकोरा मोड़ में शिक्षिका शमा परवीन की देखरेख में चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन। कक्षा 6,7,8, और रिमिडियल कक्षा के विद्यार्थियों ने क्रिसमस डे और न्यू ईयर चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।जिसमे कक्षा 6 से राखी,राजू,लवकुशने प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 से आनंदी,सन्नो,विष्णु ने प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8 से शकुंतला,नैंसी,सूरज ने प्रथम द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया। रिमिडियल कक्षा से शन्नो,नीरज,नियाज ने प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त कर उपहार पाया।शमा परवीन ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा निखारने में बहुत मदद मिलती है। बच्चों ने एक से बढ़कर एक चित्र बनाएं , प्यारे-प्यारे रंगों से चित्रों को सजाया और त्योहार की खुशियों को व्यक्त किया। हमारे त्योहार हमारे संस्कृति का हिस्सा है इन सबको संजो के रखना हमारी जिम्मेदारी है।चित्रकला खुशियों को व्यक्त करने का एक अच्छा माध्यम है। यह न केवल प्रतिभा को निखारता है बल्कि अच्छा इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करता है सोचने समझने की शक्ति बढ़ती है इसीलिए कहा गया है कि कला ही जीवन है।

महाकुम्भ : श्रद्धालुओं की सुरक्षा को जल पुलिस भी कर रही विशेष व्यवस्था

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं की अपेक्षित संख्या विगत कुम्भ के सापेक्ष अधिक होने के दृष्टिगत जल पुलिस द्वारा भी विशेष व्यवस्थायें की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को अचूक एवं बेहतर बनाने के लिए पिछले कुम्भ के सापेक्ष गोताखारों की संख्या 190 से बढाकर 300 की जा रही है।वहीं बाढ़ राहत पीएसी कम्पनी को भी 8 से बढ़ाकर 10, एनडीआरएफ कम्पनी को 2 से बढ़ाकर 4 तथा एसडीआरएफ कम्पनी को 1 बढ़ाकर 4 किया जा रहा है। (एक एनडीआरएफ-एसडीआरएफ कम्पनी में 29 लोग होते हैं)। इसके अतिरिक्त होमगार्ड तैराकों की संख्या 200 से बढ़ाकर 400 की जा रही है तथा अन्य पुलिस बल के लगभग 500 तैराक भी लगाये जायेगें।इसी क्रम में सुरक्षा व्यवस्था में उपयोग करने वाले उपकरणों की संख्या में भी भारी वृद्धि की जा रही है। इसमें लगभग 5 किमी. डीप वाटर बैरिकेटिंग मय जाल व लंगर, 5 किमी. रिवर लाइन, 2 फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन मय कन्ट्रोल रूम, 20 वाटर स्कूटर, 25 हार्सपावर के 6 मरकरी इंजन तथा 50 हार्सपावर के 5 मरकरी इंजन, 4 वाटर एम्बुलेंस, 10 लकडी वाली चापू नाव, 18 रिचार्जेबल मोबाइल रिमोट एरिया लाइटिंग सिस्टम, 4 एनाकोंडा मोटरबोट मय चेंजिंग रूम, 3 जेटी मय गंग व रेलिंग सहित 20 डाइविंग किट मय मास्क व एक कम्प्रेशर मशीन सहित 200 लाइफ ब्वाय, 300 लाइव जैकेट, 200 रेस्क्यू ट्यूब 200 थ्रो बैग तथा 25 आस्का लाइट की व्यवस्था की जा रही है।

युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत,मचा कोहराम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के मनकापुर कोतवाली के क्षेत्र बंदरहा बाईपास मार्ग पर मंगलवार-बुधवार की बीती रात में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुऐ भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

युवक पूरी रात बाइक समेत खाई में पड़ा रहा। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने जब देखा तो पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अस्पताल ले गई,जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दिया। परिवार में सूचना पहुंचते ही कोहराम मच गया और मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के मुताबिक वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव तुर्काडीहा के मजरा बभनी के रहने वाले रतन भारती मंगलवार की देर रात अपने दो भाई को मनकापुर रेलवे स्टेशन पर कुशीनगर एक्सप्रेस ट्रेन पर बैठाने आए थे। ट्रेन पर बैठने के बाद वह घर वापस जा रहे थे। घर जाते समय मनकापुर कोतवाली के क्षेत्र बंदरहा बाईपास मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें ठोकर मार दिया। टक्कर इतनी तेज रही होगी कि युवक बाइक समेत खाई में जा गिरा। रात अधिक होने के कारण किसी को कुछ जानकारी नहीं हो सकी। पूरी रात युवक खाई में पड़ा रहा। सुबह जब आसपास के ग्रामीणों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर लाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। युवक की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे युवक के परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है।पत्नी और मां पहुंचते ही बदहवास हो गई। होश में आने पर वह दहाड़ मार कर रोने लगती थी।

परिजनों के मुताबिक परदेश कमाने जा रहे दो भाइयों को वह ट्रेन पर बैठने आया था।प्रभारी निरीक्षक मनकापुर ने बताया कि बुधवार की सुबह युवक के दुर्घटना होने की सूचना मिली जिससे तत्काल मौके पर पहुंचकर उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया।परिजनों को सूचना देने के बाद परिजन मौके पर पहुंच गए।शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जल निकासी समस्या का सीडीओ ने किया निरीक्षण

जरवल रोड बाजार में जल निकासी समस्या निरीक्षण के दौरान मौजूद सीडीओ राम्या आर बीडीओ सत्य प्रकाश पाण्डेय, प्रमुख विपेन्द्र सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जरवलरोड बहराइच विकास खंड जरवल के अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्भौरा जरवलरोड मुख्य बाजार में जल निकासी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ रम्या आर ने किया निरीक्षण,नाला निर्माण कराने के लिए अधीनस्थ को दिये आवश्यक दिशा निर्देश,जरवलरोड के ठाकुर भगौती सिंह इंटर कॉलेज के खेल मैदान तथा जरवलरोड बाजार में जल निकासी की समुचित प्रबंधन न होने के कारण जल भराव की समस्या बनी हुयी थी। जरवल रोड इण्टर कालेज के प्रबंधक भूपेंद्र प्रताप सिंह व प्रधानाचार्य विनोद कुमार मिश्रा ने मुख्य विकास अधिकारी आर राम्या से मिलकर खेल मैदान और बाजार की जल निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग की थी।

सीडीओ ने स्थलीय निरीक्षण कर बनाए गए डीपीआर और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से समस्या से निजात का तरीका भी पूछा और एक कमेटी गठित कर समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। सीडीओ के निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी जरवल सत्य प्रकाश पाण्डेय,ब्लाक प्रमुख विपेंद्र प्रताप सिंह, जिला मंत्री भाजपा संजय राव,आनंद प्रताप सिंह,ग्राम प्रधान मनोज कुमार राव सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

अनसुलझे मामलों को सुलझाना और माफिया पर अंकुश लगाना रहेगी प्राथमिकता : राधेश्याम राय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में अनसुलझे मामलों को सुलझाना और माफिया पर अंकुश लगाना पहली प्राथमिकता रहेगी। माफिया हमारे सामने नहीं आ सकते।काम करने वाले लोग हैं,बेहतर समन्वय से काम करेंगे यह बात नवागत अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने कैंनविज टाइम्स

से खास चर्चा के दौरान कही।अब तक लखनऊ मुख्यालय पर प्रशिक्षण की जिम्मेदारी संभाल रहे राधेश्याम राय को

गोण्डा जिले की कमान सौंपी गई है।अपनी बेहतर कार्यशैली के लिए श्री राय जाने जाते हैं।नोएडा,वाराणसी, मथुरा,लखनऊ आदि जिले में तैनाती के दौरान अपराधों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।चर्चा के दौरान नवागत अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने कहाँ कि पूर्वांचल के क्षेत्र के बारे में जिले की भौगोलिक परिस्थितयों से भलीभांति परिचित हूँ।और कहाँ कि अब जिले में भू माफियो और अपराधियों की खैर नहीं है वह चाहे जितनी ही बड़ी पहुंच वाले क्यू ना हो अब उनकी जगह जेल में होंगी और बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप बताए हुए मार्ग पर चलना है.और जिले में इसका कड़ाई से पालन होगा और सभी फरियादियों को उचित न्याय दिलाना मेरा परम कर्तव्य है।और जिले में चाहे ड्रग्स माफिया हो या रेत माफिया चाहे जो भी मफिया हो उन

पर अंकुश लगाया जाएगा।उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कार्ययोजना बनाकर काम किया जाएगा।माइक्रोबीट सिस्टम को प्रभावी बनाने की बात पर भी उन्होंने जोर दिया।अपर पुलिस अधीक्षक श्री राय ने बताया कि लोगों को राहत मिल सके यही सबसे पहली प्राथमिकता रहेगी।

निजी अस्पताल और क्लीनिक व पैथोलॉजी संचालकों की मनमानी से आमजन परेशान

सड़क पर खडे हो रहे वाहन अवैध स्टैंड बिगाड़ रहे यातायात व्यवस्था

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में निजी अस्पताल और क्लीनिक संचालकों की मनमानी से आमजन परेशान हैं।अवैध स्टैंड यातायात व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं।उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले में प्राइवेट अस्पताल और क्लीनिक संचालकों की मनमानी आमजन को परेशानी में डाल रही है। इनकी मनमानी के आगे हर कोई नतमस्तक हैं।प्राइवेट अस्पताल के बाहर अवैध स्टैंड के कारण शहर की यातायात व्यवस्था बिगड़ रही है।जिम्मेदार अधिकारी भी इस ओर कोई ध्यान नहीं देते हैं।एक तरफ जिले के अधिकारी शहर को सुंदर बनाने के प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी ओर अस्पतालों के संचालक उन प्रयासों पर पलीता लगा रहे हैं।बीते दिनों मंडलायुक्त ने अधिकारियों को शहर को साफ और बेहतर ढंग के साथ समय से पूरा करने के निर्देश दिए थे।जिससे शहर सुंदर दिख सके।

अधिकारी तो अपने कार्य में जुट गए है, लेकिन प्राइवेट अस्पताल और क्लीनिक के संचालक इन आदेशों पर पलीता लगाते दिखाई दे रहे हैं।

बिना पार्किंग के ही अस्पताल और क्लीनिकों का संचालन किया जा रहा है। इससे उनके यहां आने वाले मरीज और तीमारदारों के वाहनों से सड़क घिर जाती है।सड़के वाहनों के खड़े होने के बाद अवैध पार्किंग में तब्दील हो जाती है।उसके बाद ढकेल वाले भी इन पार्किंग के पास ही खड़े हो जाते हैं। जिससे यातायातात व्यवस्था बिगड़ जाती है।जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते।जिलाअस्पताल के सामने बने शॉपिंग मॉल के रोड़ पर खडे हो रहे वाहन,जिलाअस्पताल के सामने नौवा स्कैन सेंटर से लेकर, गायत्री हॉस्पिटल,लॉजिक डायग्नोस्टिक सेंटर,के सामने

सिंध बेकर्स के सामने अवैध पार्किंग हटवाने में कांप रहे अफसर, जाम से जूझ रहा शहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। गुड्डू मल चौराहे पर मानचित्र के विपरीत शॉपिंग मॉल का निर्माण से अवैध पार्किंग सड़क पर गाड़ियां खड़ी हो रही है।फुटपाथ पर सीढ़ीया बना ली गई है।मानचित्र में पार्किंग स्थल को दुकान बना ली गई है।और नगर में अवैध पार्किंग का खेल दुश्वारियों का सबब बना हुआ है। आलम यह है कि गोंडा - उतरौला मार्ग गुड्डू मल चौराहे के सामने

और जिला महिला अस्पताल के सामने भी अवैध पार्किंग से अछूते नहीं हैं।यही वजह है कि जाम लगने के कारण लोग दुर्घटनाओं का भी शिकार हो रहे हैं।नगर पालिका प्रशासन अतिक्रमण हटवाने का ढिढोरा तो पीटता है लेकिन वही सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि सिटी मजिस्ट्रेट ऑफिस में तैनात बाबू अपने चहेतों व रसूखदारों पर हाथ डालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।सड़क पर वाहन खड़ा करने वालों का चालान तो किया जाता है लेकिन समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए प्रशासन आगे नहीं आ रहा है।

गुड्डू मल चौराहा सिंध बेकर्स के सामने फुटपाथ पर अवैध पार्किंग से बढ़ी दुश्वारी नगर पालिका प्रशासन उदासीन

सिंध बेकर्स के संचालक बेसमेंट में पार्किंग के बजाय दुकानें बना ली हैं।यह हाल तब है,जब मानचित्र में पार्किंग दर्शाकर अफसरों को गुमराह किया गया।भवन बनने के बाद अधिकारी जांच व सत्यापन करने नहीं पहुंचते है।सिर्फ कागजों में ही खाना पूर्ति होती है।वही जब इस अवैध पार्किंग की खबर कैनविज टाइम्स समाचार पत्र में प्रकाशित होती है तो विनियमित क्षेत्र से नोटिस जारी करने की बात कह रहे हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह उदासीन बना हुआ है।वही जब नगर मजिस्ट्रेट से सिंध बेकर्स के अवैध पार्किंग की बात की गईं तो उन्होंने इतना बताया कि वह मानचित्र के विरुद्ध बना है और उस पर कार्रवाई की जाएगी। वही जब इसकी जानकारी सिटी मजिस्ट्रेट ऑफिस में तैनात बाबू से जानकारी ली गईं तो बताया कि उसे पर तारीख - तारीख लग रही है।

किंतु कार्रवाई शून्य है। सिर्फ तारीख देकर खानापूर्ति की जा रही है। सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है की सिटी मजिस्ट्रेट का विशेष लगाव सिंध बेकर्स से है जिस कारण पार्किंग स्थल ना होते हुए भी या तो उसे क्लीन चिट दे दिया गया है।और या उसे कानून का भय नहीं है इसलिए शॉपिंग कांप्लेक्स के तौर पर सिंध बेकर्स इस्तेमाल कर रहा है ऊपर और भी दुकान बन रही है यदि गौर से देखा जाए तो उसमें मोटरसाइकिल तक नहीं जा सकती फोर व्हीलर की तो बात ही छोड़ दीजिए।वही ऐसे में मानचित्र के विपरीत बने भवन के बारे में क्या सोचा जा सकता है अब तो शासन ही इस पर संज्ञान ले तो ले अन्यथा जिला प्रशासन इस पर कोई भी कार्रवाई करने से क्यों गुरेज कर रहा है इस बारे में कुछ भी साफ नहीं है।

भ्रष्टाचार के विरोध में शिवसेना का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मेरठ। शिवसेना (उद्धव गुट) मेरठ इकाई द्वारा आपूर्ति विभाग में भ्रष्टाचार के विरोध में बुधवार को कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। उन्होंने भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

डीएसओ कार्यालय के नियम विरुद्ध राशन एजेंसी अटैच करने और ठेके पर चलाकर उपभोक्ताओं का शोषण करने के विरोध में शिव सेना के कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदेश महासचिव व पश्चिमी यूपी प्रभारी धर्मेन्द्र तोमर ने कहा कि जिला पूर्ति कार्यालय के अधिकारियों की मिलीभगत से एक राशन डीलर पर नियम विरुद्ध 8-8 राशन एजेंसियों के राशन कार्ड अटैच है। बहुत सी राशन एजेंसियों में अपात्र लोगों के आधार कार्ड फर्जी बनाकर भी जोड़ दिये गये है। ऐसे सभी राशन एजेंसियों की जांच कराई जाए, जिन पर एक से अधिक राशन एजेंसियों के राशन कार्ड अटैच है। राशन उपभोक्ताओं को क्षेत्र से 2-5 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। इससे राशन उपभोक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे : पुलिस अधीक्षक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत की और अपने कार्य प्रणाली के बारे में पुलिस महकमें के साथ-साथ गोण्डा जनपद के आम लोगों को भी बताने की कोशिश की।इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने साथ तौर पर निर्देश दिया कि महकमे में किसी तरह का भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे

उन्हें सीधे जेल भेजा जाएगा।पुलिस अधीक्षक के रूप में लखनऊ से गोण्डा जिले में स्थानांतरित होकर आए विनीत जायसवाल ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए साफ तौर पर कहा कि जनता को गुणवत्तापूर्ण तरीके से न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी और वह कोशिश करेंगे की जनता दर्शन में आए हुए हर एक फरियादी से थाने का फीड बैक जरूर लिया जाए।अगर किसी भी कार्य में पुलिस के लोगों की लापरवाही दिखाई देगी तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।नवागत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था महिला अपराध पर नियंत्रण रखना और जिले को प्रदेश की रैंकिंग में पहला स्थान दिलाए रखने की भरपूर कोशिश होगी।इसीलिए उनका फोकस एंटी रोमियो, मिशन शक्ति और मिशन सखी समेत तमाम कार्यक्रमों पर विशेष तौर पर होगा।पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि गांव, चौराहों और विद्यालयों में तमाम तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करके महिला अपराध के विषय में जागरूकता फैलाने की कोशिश की जाएगी।इसके साथ ही साथ कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए इलाके के पेशेवर अपराधियों को जेल के अंदर डालने की पूरी कोशिश होगी।

शहीदे आजम के जन्मदिवस की तैयारियों को लेकर बैठक में विधायक ने दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। शहीदेआजम चन्द्रशेखर आजाद के 118 वें जन्मदिवस के अवसर पर ग्राम बदरका मे आगामी 6, 7 एवं 8 जनवरी 2024 को आयोजित किये जाने वाले समारोह शहीद मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित पन्ना लाल सभागार में विधायक भगवन्त नगर आशुतोष शुक्ला की उपस्थिति तथा अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विकास कुमार सिंह की अध्यक्षता में मेला आयोजक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक मे बताया गया कि त्रिदिवसीय शहीद मेले को चन्द्र शेखर आजाद के वीरोचित त्याग व बलिदान के अनुरूप सजाने संवारने के लिए ग्राम बदरका मे जनपद स्तरीय विकास प्रदर्शनी का आयोजन कर आजाद के जीवन चरित्र तथा केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जन मानस को लाभान्वित किया जायेगा। इस दौरान ऋण शिविर, दिव्यांग शिविर, सेवायोजन, उद्यान, कृषि, चिकित्सा, पशु पालन, एनआरएलएम, जल जीवन मिशन, सोलर लाइट, जैविक खेती, एफपीओ उत्पाद, श्रम कल्याण आदि के स्टॉल लगाए जायेंगे। बैठक में भगवंतनगर विधायक ने संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वतन्त्रता संग्राम के पुरोधा नरपुंगव शहीदे वतन आजाद जी के जन्मदिवस समारोह को पूरी गरिमा, भव्यता व उत्साह के साथ मनाया जाए। इस सम्बन्ध में समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने विभागों की प्रदर्शनी लगाकर जनसामान्य को लाभान्वित करें। जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को आजाद के जीवन वृत्त पर आधारित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएं, ताकि बच्चों में देश प्रेम की भावना का संचार हो सके। जिला सूचना अधिकारी सतीश कुमार को निर्देश दिए गए कि मेले में आजाद के जीवन वृत्त पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आल्हा गायन, कठपुतली नृत्य,लोक गीत एवं चलचित्र प्रदर्शनी आदि कार्यक्रम कराएं ताकि आमजन मानस भारतीय लोक संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों से परिचित हो सके। बैठक में शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्मारक ट्रस्ट समिति के महामंत्री राजेश शुक्ला, अशोक बाजपेई, धनवन्तरि देव शुक्ल, जय प्रकाश मिश्रा आदि सदस्यगण एवं डीडीओ संजय पाण्डे, पीडी कमलेश कुमार, बीएसए संगीता सिंह आदि अधिकारी गण मौजूद रहे।

अंडर-14 फाइनल ट्रायल के लिए 31 क्रिकेटरों का चयन

प्रयागराज। कानपुर के कमला क्लब मैदान पर 22 दिसम्बर को होने वाले उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंडर-14 फाइनल ट्रायल के लिए इलाहाबाद मंडल (प्रयागराज, मिर्जापुर, चित्रकूट और भदोही) के 31 क्रिकेटरों का चयन किया गया है।इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा के अनुसार चयनित खिलाड़ियों में प्रियांशु यादव, पार्थवर्धन शायक, सुहैब खान, विराट सिंह, समर्थ पांडेय, वीर प्रताप, हर्षित सहाय, सचिन पटेल, यश सिंह, मनीष यादव, कार्तिकेय सिंह, उपेंद्र सिंह यादव, यश कुमार कुशवाहा, शार्दुल सिंह, मो. तालिब, अभिजीत कुमार सिंह, अमृतांश शुक्ल, अज़ान शाहिद, विराट गुप्ता, गोलू पाल, युवराज यादव, आदित्य पाठक, मो. हमदान, सुहैल खान, श्लोक चतुर्वेदी, मो. अली, हुजैफ़ अहाद, शादान अब्बास रिजवी, अस्तित्व सिंह, उत्कर्ष यादव एवं अभिनव सिंह हैं। सभी को 22 दिसम्बर को सुबह आठ बजे कानपुर के कमला क्लब मैदान पर अपनी मूल जन्मतिथि प्रमाण पत्र और आधार कार्ड के साथ रिपोर्ट करने को कहा गया है।

औरास सेवा हॉस्पिटल में हुआ निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

औरास, उन्नाव। औरास कस्बे में काफी समय से लोगों को बेहतरीन चिकित्सकीय सुविधा मुहैया करा रहा संडीला रोड पर संचालित औरास सेवा हास्पिटल में बीते बुधवार को निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन मुक्तानंद सेवा समिति कानपुर के द्वारा किया गया। जिसमे डॉक्टर सुनील कुमार नेत्र सर्जन व राकेश भदौरिया ने ओपीडी में लगभग 28 मरीज देखे जिसमें 23 मरीजों को निःशुल्क दवाई आदि वितरित की गई वहीं अन्य लोगों को आंख में दिक्कत होने पर ऑपरेशन के लिए चुना गया। आपरेशन के लिए मोहिनी आई हॉस्पिटल रामादेवी कानपुर के लिए भेज दिया गया। जिसमें मरीजों को लाने व ले जाने के अलावा सभी जांचे,आपरेशन व दवाइयां मुफ्त दी जायेंगी। डॉक्टर सुशील कुमार नेत्र सहायक राकेश भदौरिया ने कैंप में मरीजों को देखा कैम्प में आये मरीजों ने मुफ्त दवाई पाकर हास्पिटल का धन्यवाद किया।

प्रयागराज में 260 गृहकर के बड़े बकायेदारों पर होगी कुर्की की कार्यवाही

कुल 11,95,16,897 रुपये बकाये की होगी वसूली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम में गृहकर वसूली कार्यवाही में अभी तक 1 लाख के ऊपर एवं 50 हजार से 1 लाख तक 9210 बकायेदारों पर डिमांण्ड नोटिस जारी की गयी है, जिसमें गृहकर के बहुत लम्बे समय से बकाया जमा नही कर रहे जोनवार कुल 260 भवनों को चिन्हित करते हुए उन पर कुर्की की कार्यवाही के लिए सूचना जारी की गई है।

नगर निगम के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया है कि निगम द्वारा अभी तक गृहकर वसूली लक्ष्य 120 करोड़ रुपये के सापेक्ष 54 करोड़ की वसूली की गयी है। इस सम्बन्ध में नगर विकास विभाग द्वारा नवम्बर माह की वसूली समीक्षा के उपरान्त सभी नगर निगमों के पिछले वर्ष की वसूली लक्ष्य में, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए निगम का वसूली लक्ष्य 177 करोड़ निर्धारित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि गृहकर वसूलयावी की गम्भीर स्थिति के दृष्टिगत नगर आयुक्त ने 16 दिसम्बर को सभी अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एवं जोनल कर अधीक्षकों के साथ वसूली की समीक्षा करते हुए स्पष्ट रूप से निर्देशित किया था कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली हेतु सभी लोग करदाताओं से निरन्तर सम्पर्क करते हुए अधिकतम भवनों से कर जमा करायें। जिससे लक्ष्य की पूर्ति की जा सके।

उन्होंने बताया कि बकायेदारों में जोन 1 खुल्दाबाद के 28, जोन 2 मुटठीगंज के 38, जोन 3 कटरा/फाफामऊ के 72, जोन 4 अल्लापुर के 50, जोन 5 नैनी के 45 तथा जोन 6 ट्रान्सपोर्टनगर के 26 बकायेदार हैं। इस प्रकार कुल 260 भवन स्वामियों पर बकाया कुल 11,95,16,897 रुपये के बकाये पर कुर्की नोटिस के पूर्व समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की कार्यवाही की जा रही है। यदि सम्बन्धित बकायेदार द्वारा एक सप्ताह के अन्दर बकाया जमा नही किया जाता है तो सम्बन्धित भवन पर कुर्की की नोटिस जारी करते हुए अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

श्री गुरु रविदास विश्व महा पीठ का प्रांतीय बैठक 27 दिसंबर 2023 लखनऊ में होगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरदोई । विकास खण्ड कछौना की ग्राम पंचायत बरौली में श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ भारत एक सामाजिक सगठन है के प्रदेश कार्य कारिणी को लेकर महा पीठ केजिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गौतम नेतृत्व में एक बैठक हुई। ।उन्होंने बताया कि प्रदेश कार्य करिणी बैठक 27 दिसंबर 2023 को लखनऊ के भागीदारी भवन में होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री नारायण स्वामी और समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण उत्तर प्रदेश सरकार मे मंत्री बेबी रानी मौर्या विजय लक्ष्मी गौतम मौजूद रहेंगे। महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय अध्यक्ष व हरिद्वार के ज्वालापुर से पूर्व विधायक सुरेश राठौर अंतर्राष्ट्रीय उपाधक्ष गुजरात प्रदेश पूर्व विधान सभा अध्यक्ष आत्माराम परमार अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटरिया आदि शामिल होगे बैठक की अध्यक्षता महापीठ प्रदेश अध्यक्ष रामवीर सिंह भैया जी करेंगे। बैठक में गुरु रविदास के देशभर के अनुयायी, डेरा प्रमुख, समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में सामाजिक उत्थान के लिए कई प्रस्ताव पारित किए जायेंगे। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता मौर्याकूर प्रभात जितेन्द्र कुमार राहुल भारती ओमप्रकाश प्रधान राजेश कुमार वर्मा प्रधान आदि मौजूद रहे है ।

नहरोसा में शादी के बाद दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की पिटाई कर हत्या का प्रयास करने का आरोप पुलिस ने थाने से भगाया

पुरनपुर।सेहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव रायपुर बिचपुरी निवासी सलमा पत्नी शावान खां ने वुधवार पुलिस क्षेत्राधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया। कि उसकी शादी 9 माह पूर्व नहरोसा थाना हजारा निवासी शावान खां पुत्र वहीद खां के साथ हुई थी। परिजनों ने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। शादी के बाद से पति शावान खां ,ससुर वहीद खां, सास नासरा, ननद रुकसाना,रुबी,परवीन, शाहीन,व ननदोई गुड्डू और रियाज जोकि दोनों विवाहित ननदे भी अपने पति के साथ मायके में ही रहती है। पीडिता से मायके से बुलेट मोटर साइकिल एवं 5 लाख रुपए लाने को कहा विरोध करने पर गर्भपात कराने की धमकी दी।इस पर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत करने को कहा तो दबंग लोगों ने जान से मारने की नियत से लात घूसों डण्डों, चमड़े की वैल्टों से मारपीट कर गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। चीखने चिल्लाने पर पास-पड़ोस के लोग आकर पूछने पर उसे कमरे में बंद कर दिया। जानकारी लगने पर मायके पक्ष के लोग घायल महिला को लेकर थाना हजारा पहुचे पुलिस ने पीड़ित पक्ष को थाने से भगा दिया।सीओ से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

सलिग की भूमि पर भूमाफियाओं ने वो दिया गन्ना

पुरनपुर।भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने जिलाधिकारी पीलीभीत को पत्र भेजकर कलीनगर तहसील के ग्राम सिमरा तालुके महाराजपुर में राजस्व की सीलिंग की जमीन पर भू माफियाओं द्वारा गन्ना विभाग के अधिकारियों से सांठगांठ कर फर्जी गन्ने के सट्टे बनवा कर एलएच शुगर फैक्ट्री को गन्ना सप्लाई कर रहे हैं। तथा बहुत सा गन्ना सीलिंग की जमीन पर सप्लाई कर अपने निजी बैंक खातों में भुगतान भी प्राप्त कर लिया है। जबकि छोटे गरीब किसानों को एक-एक गन्ना सप्लाई पर्ची के लिए भटकना पड़ रहा है।इन सब की समस्या का ज्ञापन जिलाधिकारी पीलीभीत को भेजा गया है द्य

चीनी मिल के पास में ट्रक और ट्रैक्टर ट्राली की हुई भिड़ंत चार लोग हुए घायल अस्पताल में भर्ती

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव जेठापुर निवासी राघवेंद्र सिंह,प्रशांत और लक्ष्मण वुधवार ट्रैक्टर ट्राली में गन्ना लेकर गोला चीनी मिल जा रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर ट्राली चीनी मिल के पास पहुंची तभी बहराइच से धान लेकर आ रहा ट्रक और ट्रैक्टर ट्राली में भिड़ंत हो गई जिसमें ट्रैक्टर ट्राली पर सवार तीन किसान और ट्रक चालक अकरम निवासी किछा सहित चार लोग घायल हो गए।अकरम को उपचार के लिए पूरनपुर सीएचसी में भर्ती कराया। तीन लोगों को निजी अस्पताल से जिला अस्पताल किया रेफर कर दिया है।

मंगलवार देर रात गौ माता ने दिया दो बच्चो को जन्म

फतेहपुर चौरासी,उन्नाव। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक कस्बे में मंगलवार देर रात एक गौ माता ने दो बच्चो को जन्म दिया। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा ऊगू वार्ड नम्बर 9 मोहल्ला सोनिका निवासी श्याम सिंह पुत्र शिवकुमार की पालतू गाय ने मंगलवार को देर रात एक बक्षडा और एक बछिया को जन्म दिया जो दोनो स्वस्थ हैं जिसको कस्बे के तमाम लोगों का देखने ताता लगा रहा।

करंट की चपेट में आकर किशोर, की हुई मौत

उन्नाव। विधुत बोर्ड में प्लक लगा रहा किशोर करंट की चपेट में आने से,हालत गम्भीर हो गयी। परिजन सीएचसी ले गये ,चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बगैर पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिया। थाना क्षेत्र के क़स्बा औरास के मोहल्ला शांतीनगर निवासी शुखवीर का लगभग 16 वर्षीय पुत्र सुजीत उर्फ छोटू मंगलवार को देर शाम विधुत बोर्ड में प्लक लगा रहा था, कि उँगलियां छू गयी जिससे करंट की चपेट में आकर गम्भीर रूप से झुलस गया,स्वज्जनो ने हालत गंभीर देख निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास ले गए, जहां चिकित्सकों ने किशोर को मृत्यु घोषित कर दिया मौत की सूचना मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। माँ रामादेवी बादहवास हो गई, व पड़ोस में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक पांच भाइयों में चौथे नंबर का था जिसमें दो बड़े भाइयों की शादी हो चुकी है। जबकि एक बड़ा भाई व छोटा भाई अभी अविवाहित है। मृतक के परिजनों ने बगैर पोस्टमार्टम कराए शव को गांव में ही खेत में अंतिम संस्कार कर दिया। परिवार में शोक का माहौल है,मां और भाइयों का रो रो कर बुरा हाल है।

ठंड से बचाव के लिए नायब तहसीलदार का कंबल वितरण कार्य दूसरे दिन भी जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।कस्बा पूरनपुर मे असहाय लोगो को नायब तहसीलदार ऋषि कुमार दीक्षित पूरनपुर की उपस्थिति मे कम्बल वितरण किया गया है।नायब तहसीलदार लगातार नगर क्षेत्र में भ्रमण कर जो लोग कंबल के पात्र हैं। उनको रात्रि में भ्रमण करके वितरण कार्य कर रहे हैं। जिसकी नगर क्षेत्र में ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में काफी प्रशंसा हो रही है।

बीएचयू में पंजीकृत कैंसर मरीज अब टाटा कैंसर सेन्टर में विशेष दरों पर जांच करवा सकेंगे

कैंसर उपचार एवं सेवाओं की सुलभ उपलब्धता के लिए बीएचयू ने महामना कैंसर सेन्टर के साथ किया करार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मरीजों के हित को सर्वोपरि रखते हुए तथा वृहद सामाजिक हित के लिए लाभकारी शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहन के उद्देश्य से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने होमी भाभा कैंसर अस्पताल तथा महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेन्टर के साथ बुधवार को सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस सहमति पत्र पर कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल तथा महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेन्टर के निदेशक प्रो. सत्यजीत प्रधान की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान टाटा मेमोरियल सेन्टर, मुंबई, के पूर्व निदेशक, एवं एमेरिटस प्रोफ़ेसर प्रो. राजेन्द्र बाडवे भी उपस्थित रहे।सहमति के तहत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित चिकित्सा विज्ञान संस्थान में पंजीकृत कैंसर मरीज़ टाटा कैंसर सेन्टर में विशेष दरों पर जांच करवा सकेंगे। जो बीएचयू में उपलब्ध नहीं हैं। इन विशेष दरों को दोनों संस्थान मिलकर पहले ही तय कर चुके हैं। इस सहमति के तहत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सीजीएस के आधार पर टाटा कैंसर सेन्टर में भी कैंसर के कैशलेस उपचार की सुविधा मिल पाएगी। इस संबंध में दोनों संस्थान मिलकर औपचारिकताओं को अमली जामा पहनाएंगे। तीनों संस्थान सामाजिक हित के मद्देनज़र संयुक्त शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को करने पर भी सहमत हुए हैं। इसके अंतर्गत विज्ञान के सभी क्षेत्रों, इंजीनियरिंग, मेडिसीन, तथा अन्य अन्तर्विषयक क्षेत्रों में साझा अनुसंधान की पहल की जाएगी। यह सहमति केवल चिकित्सा अनुसंधान तक ही सीमित नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यह एमओयू विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों के आदान प्रदान का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। साथ ही साथ, दोनों संस्थान अपने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्धारित अवधि के लिए एक दूसरे के यहां कार्य करने का अवसर देंगे, जिससे बेस्ट प्रैक्टिस को अपना कर मरीज़ सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

बीएचयू कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय स्थित चिकित्सा विज्ञान संस्थान की नीतियों व योजनाओं में मरीज़ों का हित सर्वोपरि है। होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल के साथ विस्तृत चर्चाओं के फलस्वरूप इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये गए हैं। यह हमें उन लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की दिशा में एक कदम और बढ़ाने का अवसर मुहैया कराता है, जो इलाज के लिए बीएचयू का रुख करते हैं।प्रो. जैन ने कहा कि बीएचयू तथा एमपीएमएमसीसी एक दूसरे की विशेषज्ञता व कौशल से लाभ उठाकर और साथ कार्य करते हुए पेशेंट केयर में अभूतपूर्व बदलाव ला सकते हैं। भाभा कैंसर अस्पताल के निदेशक प्रो. सत्यजीत प्रधान ने कहा कि यह एमओयू सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

छात्राओं को दी मासिक समस्याओं का निदान एवं सर्वाइकल कैंसर की जानकारी

मेरठ। आईआईएमटी एकेडमी गंगानगर मे 'इनर व्हील क्लब ऑफ यूथविंग्स' की ओर से छात्राओं के लिए मासिक समस्याओं का निदान एवं सर्वाइकल कैंसर पर सेमिनार आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने समस्याओं के निदान की जानकारी दी।आईआईएमटी एकेडमी में बुधवार को कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन मैन ऑफ़ आईआईडब्लू अनीता सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कंचन मलिक, आईआईएमटी विश्वविद्यालय की प्रबंध संचालिका और क्लब सेक्रेटरी पियांशु अग्रवाल, क्लब प्रेसिडेंट शुभी बंसल तथा एकेडमी की प्रधानाचार्या सीमा जैन ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में एकेडमी के बच्चों ने सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की तालियां बटोरी। डॉ. कंचन मालिक ने छात्राओं और महिलाओं में होने वाली मासिक समस्या द्वारा होने वाली बीमारियों को विस्तार से समझाया। सर्वाइकल कैंसर से बचाव और लंबे समय तक सुरक्षा के लिए भी उन्होंने अनेक सुझाव दिए। छात्राओं द्वारा पूछे गए अनेक प्रश्नों का सकारात्मक रूप में उत्तर देकर छात्राओं की जिज्ञासा को शांत किया। ई-बुलेटिन फिनिक्स में क्लब के सदस्यों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक वार्षिक कार्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया , जिसका विमोचन अनीता सिंह ने किया।

इनर व्हील क्लब ऑफ यूथविंग्स सदस्यों की ओर से छात्राओं को मेन्सुरल कप वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में एकेडमी की प्रधानाचार्या सीमा जैन ने मुख्य अतिथि तथा क्लब के अन्य सम्मानित सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा ऐसी ज्ञानवर्धक सेमिनार का एकेडमी में आयोजित होना आवश्यक बताया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में अयोध्या से नबाबगंज पहुंचा पूजित अक्षत कलश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। नवाबगंज खंड में मंगलवार बुधवार दो दिवसीय श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश रथ यात्रा एवं गोष्ठी हुई संपन्न। क्षेत्रीय लोगों ने सैकड़ों महिलाओं राम भक्तों का पुष्प वर्षा कर पूजित अक्षत कलश का स्वागत किया जय श्री राम के उद्घोष लगे माता बहनों की तरफ से पूजित अक्षत कलश की आरती उतारी गई यह यात्रा दुर्गा मंदिर से शुभारंभ होकर श्यामलाल इंटर कॉलेज होते हुए सदर बाजार ,कुशंभी रोड होते हुए क्षेत्रीय पंचायत कार्यालय तक यात्रा गई। उसके बाद श्री राम जानकी मंदिर पहुंच कर कलश स्थापना कर यात्रा का समापन हुआ। कलश लेकर आए जिला प्रचारक जितेंद्र ने बताया आगामी 1,जनवरी से 15 जनवरी तक खंड नवाबगंज में पूजित अक्षत का समस्त हिंदू परिवारों में आमंत्रण के तौर पर पूजित अक्षत के साथ में श्री राम मंदिर का चित्र व श्री राम जन्मभूमि का इतिहास का पत्रक दिया जाएगा और परिवारों को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित किया जाएगा आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन समस्त नवाबगंज खंड के मंदिरों पर सुंदरकांड ,भजन कीर्तन व भंडारे के आयोजन का कार्यक्रम होगा। पूजित अक्षत कलश यात्रा में संघ से विनय विप्र ,जिला से

सह संघचालक डॉ रणेन्द्र ,सह जिला कार्यवाह अंकित , खंड से संघचालक संतोष, सह संघचालक विवेक,खंड कार्यवाह राजपाल,सह खंड कार्यवाह आदित्य,खंड प्रचारक मयूर, विश्व हिंदू परिषद से पूर्व प्रखंड अध्यक्ष डॉ विनोद मिश्रा,नितिन,राजकरन,शिवम,सुशील रिंकू, सोमेश, अंशुल, कार्तिकेय,अर्जुन, पप्पू व ,शुभांक सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव,जगत पाल , निलेश दीक्षित, अखिलेश ,हरिशंकर राठौर, मुकेश रावत महिला मंडल अध्यक्ष आशा भी उपस्थित रही । नगर अध्यक्ष दिलीप लस्करी,दुर्गा सेवा समिति नवाबगंज के दीनू मिश्रा , पप्पू द्विवेदी रामलीला कमेटी के रिंकू द्विवेदी, कार्तिकेय, मनोज गुप्ता,व राजेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

यात्रा में सैकड़ो माता बहनों, ग्राम प्रधानों ने भी बढ़-चढ़कर सहभाग किया और यात्रा को सफल बनाया।ल

विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची ब्लॉक ललौरीखेड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ल्लविकसित भारत संकल्प यात्रा अभियानङ्कके अंतर्गत पीलीभीत बहेड़ी संसदीय क्षेत्र की विधानसभा पीलीभीत स्थित ललौरीखेड़ा ब्लॉक के ग्राम मथुडांडी में सरकारी योजनाओं से अवगत करवाते हुए मोदी के पंच प्रण की शपथ दिलाई,तत्पश्चात केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनलाभ कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर विधायक पूरनपुर विधानसभा बाबूराम पासवान,ब्लॉक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय गंगवार,उप सभापति जिला सहकारी बैंक,पीलीभीत पूरनलाल,ग्राम प्रधान देवी सिंह,ग्राम प्रधान कमलेश कुमार,ग्राम प्रधान रिंकू शर्मा,ग्राम प्रधान भोलेनाथ,ग्राम प्रधान रामौतार सहित समस्त विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वैश्विक लोकप्रियता के शिखर पर नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप-प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हों पर इसमें दो राय नहीं कि आज लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह मोदी ही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रूस के पुतिन हों या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते हैं। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में कराए गए सर्वे में यह साफ हो गया कि सर्वे में हिस्सा लेने वाले दुनिया के अलग-अलग देशों के 76 फीसदी लोगों की पहली पसंद नरेन्द्र मोदी हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही हैं जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की। इससे पहले अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पसंद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 8 वें पायदान पर हैं। विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना सामान्य बात नहीं है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। खास बात यह है कि लोकप्रियता के साथ विश्वसनीयता में भी वे सबसे आगे हैं। लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात है कि 76 फीसदी मामूली आंकड़ा नहीं है। यह लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छठे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी हैं। उनकी और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है। देखा जाये तो कठोर से कठोर निर्णय भी एक झटके में लेने और भीड़ को अपने पक्ष में कर लेने की क्षमता नरेन्द्र मोदी को लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है। वैश्विक सम्मेलनों और मंचों पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया के देशों का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ही कर रहे हों। भले ही इतर राय रखने वाले कुछ भी कहें पर अभी तो यही दिख रहा है और नरेन्द्र मोदी को सर्वमान्य नेता के रूप में प्रतिस्थापित करता है। इसे यों भी समझा जा सकता है कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करने का निर्णय और इसे लेकर दुनिया के देशों की चुप्पी, कूटनीतिक कौशल व क्षमता को ही सिद्ध करता है। पाकिस्तान और चीन को अलग-थलग करना हो या फिर रूस-यूक्रेन युद्ध या इजरायल-हमास युद्ध कहीं भी नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं हुआ। विरोधी देशों के संकट के दौरान सहायता में सबसे आगे रहना, अरब देशों को भी भारत के पक्ष में बनाये रखना, अमेरिका और रूस दोनों को ही साधे रहना, अपने आप में बड़ी बात है। कोरोना दौर में भारतीय वैक्सीन के माध्यम से दुनिया के देशों के मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटकाल में सहभागी के रूप में आगे आना लोकप्रियता और विश्वसनीयता बनाए रखने की बड़ी सफलता है। अमेरिका में ओबामा, फिर ट्रम्प और अब जो बाइडन काल में भी समान अधिकार के साथ संबंध बनाए रखना, कम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां नहीं थी, लेकिन उससे भी पार पाने में कामयाबी हासिल की। पाकिस्तान को दुनिया के देशों से अलग-थलग करना तो मोदी के लिए मामूली बात सिद्ध हुई है। दरअसल, आज के दौर में वैश्विक नेता के लिए बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं।

गोवा से ज्यादा पर्यटक पहुंचने लगे काशी

जब अयोध्या में 2024 तक श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा तो वहां 10 गुना से 50 गुना पर्यटन बढ़ने का अनुमान है। कृष्ण जन्मभूमि का कॉरिडोर तैयार होने पर यही हाल मथुरा-वृंदावन का होने वाला है क्रअयोध्या हर सनातनी की आस्था का केंद्र है जहां भव्य मंदिर का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके अलावा राज्य में रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट को व्यावहारिक धरातल पर उतारने का प्रयास युद्धस्तर पर चल रहा है। हां, यह ठीक है कि काशी ने गोवा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है, पर गोवा अपने में लाजवाब है। यहां के अनेक 'बीच' पर आनंद करने के लिए इसलिए ही तो सारे संसार से टूरिस्ट गोवा आते हैं। गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवावासियों के सुसंस्कृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आने लगता है कि ये अलग मिजाज का शहर है। रात के 12 बजे भी यहां स्कर्ट पहनकर लड़कियां और महिलाएं सड़कों पर आ-जा रही होती हैं। मजाल है कि उन्हें कोई टेढ़ी नजर से देख भी ले। यानी यूं ही गोवा खास नहीं हो गया। गोवा की मनमोहक सुंदरता और गोवा के मंदिरों, गिरजाघरों और पुराने निवास स्थानों का आर्किटेक्चर गोवा को बाकी जगहों से अलग करता है। कुल मिलाकर बात यह है भारत का टूरिज्म सेक्टर आगे बढ़ेगा तो इसका लाभ सारे देश को ही होगा।

अगर कोई यह मानता है कि सबसे अधिक टूरिस्ट समुद्र किनारे तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि अब न तो सबसे अधिक टूरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल प्रदेश के किसी अन्य हिल स्टेशन पर। आज के दिन सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा है वाराणसी। आईसीआईसीआई के एक सर्वे से पता चला है कि पिछले साल-2022 में 7.02 करोड़ टूरिस्ट वाराणसी पहुंचे। गोवा के हिस्से में लगभग मात्र 85 लाख टूरिस्ट । यूं तो वाराणसी में लगातार खूब टूरिस्ट पहले से ही आते थे पर 2015 के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से पलट गई। इस लिहाज से गेम चेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में 2015 में भाग लेना। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी भारतीय सनातन संस्कृति की वाहक भी है। इस लिहाज से जापान के प्रधानमंत्री के स्वागत में काशी में गंगा आरती का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौलिक और व्यापक सोच का परिचय देने वाला था। गंगा आरती महज एक पूजा-विधि नहीं है। मोदी-आबे ने गंगा आरती मे भाग लेकर दुनिया में भारत की खोई हुई या यूं कहें कि तिरस्कृत का दिये गये सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने अपनी जगह बनाई थी। बीते 60 सालों की राजनीतिक सत्ता ने इस छवि को नजरअंदाज कर एक उपभोगी देश की छवि के रूप में भारत को दुनिया के सामने पेश किया था क्रसंस्कृति के नाम पर ताज के मकबरे को ही खूब भुनाने की कोशिश की गयी। लेकिन, गंगा की ''ब्रांडिंग'' तो सही माने में भारत के लिए आत्मगौरव का क्षण था। टूरिज्म क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर एक नई तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी। इसी का नतीजा है कि वाराणसी में देश-दुनिया के टूरिस्ट पहले से कहीं अधिक संख्या में पहुंचने लगे । वाराणसी के चाहुमुंखी विकास ने पर्यटकों को भरपूर आकर्षित किया। काशी का गोवा को पीछे छोड़ना सामान्य बात नहीं है। आमतौर पर तो यही माना जाता था कि गोवा से ज्यादा टूरिस्ट कहीं जा ही नहीं सकते। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह कॉरिडोर सिर्फ एक भव्य इमारत नहीं है, बल्कि; यह हमारी आध्यात्मिक, परंपरा और गतिशीलता का प्रतीक है। यही नहीं यह काशी की आर्थिक समृद्धि में नए चैप्टर को जोड़ने का काम करेगा। अगर उन्होंने यह बात कही थी तो आंकड़े उसे प्रमाणित भी कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान पुनर्वास का मुद्दा भी उठा था। विपक्ष लगातार इस बात को उठा रहा था कि आम लोगों को उजाड़ा जा रहा है। लेकिन जिन 300 संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया था उससे जुड़े लोगों का पुनर्वास हो चुका है। भरपूर मुआवजा मिला है सो अलग। काशी में श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के अलावा पर्यटकों की सुविधा का भी खास ख्याल रखा जाता है। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। काशी पूरे देश में उत्तर प्रदेश डोमेस्टिक टूरिज्म का हब बन गया है। इसके साथ ही काशी की यात्रा करने वाला हरेक शख्स बौद्ध पर्यटक केंद्र सारनाथ तो जाता ही है। भगवान बुद्ध ने बोध गया में आत्मज्ञान प्राप्त करने के पश्चात पहला प्रवचन यहां ही दिया था। उन्होंने जहां प्रवचन दिया था वहां पर धामेक स्तूप है। इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने 500 ईस्वी में करवाया था। हालांकि, कोविड के कारण बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों से काशी में उड़ानें नहीं आ रहीं हैं, पर अब श्रीलंका, थाईलैंड, साउथ कोरिया, जापान और शेष बौद्ध देश के नागरिक यहां आने लगे हैं। काशी से लेकर सारनाथ तक घूमते हुए रोज सैकड़ों विदेशी टूरिस्ट नजर आते हैं। जाहिर है, इनमें ज्यादातर बौद्ध देशों के ही होते हैं। इन सभी क्षेत्रों की देखरेख आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की तरफ से की जाती है। हम आमतौर पर सरकारी महकमों को उनकी काहिली के कारण कोसते हैं। लेकिन, इस जगह को आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया बेहतरीन तरीके से व्यवस्थित कर रहा है। बीते सावन के दिनों में काशी भर गया था टूरिस्टों से। आंकड़ों के मुताबिक सावन महीने में करीब 2.5 से 3 लाख पर्यटकों का रोजाना काशी में आगमन हुआ। कहना न होगा कि बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से काशी की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध हुए हैं। काशी आने वाले सबसे ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, वाराणसी के घाटों की गंगा आरती करने, नमो घाट और सारनाथ का भ्रमण करने के लिए पहुंचते हैं। वाराणसी में अनेक प्रकार के फ़ेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी समय-समय पर आयोजित किया जाता है। मुझसे कुछ समय पहले मेरे ईस्ट अफ्रीकी देश केन्या के मित्र स्टीफन मुंगा कह रहे थे कि वे अपनी आगामी भारत यात्रा के समय काशी जरूर जाना चाहेंगे। मैंने उनकी काशी के प्रति दिलचस्पी की वजह पूछी तो कहने लगे कि भारत को समझने के लिए काशी को देखना जरूरी लगता है। वैसे बाबा विश्वनाथ का दर्शन कौन नहीं करना चाहेगा ? हां, यह ठीक है कि काशी ने गोवा, केरल और देश के बाकी प्रमुख पर्यटन स्थलों-राज्यों को पीछे छोड़ दिया है, पर्यटकों को अपनी तरफ खींचने के स्तर पर, लेकिन देश के पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों को विकसित करना होगा।

भारत के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पर्यटक को बढ़ावा देना लाभदायक होगा। बेशक, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद उत्तर प्रदेश का टूरिज्म 10 गुना तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या में 30,000 करोड़ रुपये से आधारभूत सुविधाओं के विकास की परियोजनाओं पर कार्य कर रही हैं। कुछ समय पहले देश भर के टूर ऑपरेटर्स की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घरेलू पर्यटकों की पसंद के मामले में इस समय उत्तर प्रदेश देश पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म के सभी बड़े केंद्र मौजूद हैं। जब अयोध्या में 2024 तक श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा तो वहां 10 गुना से 50 गुना पर्यटन बढ़ने का अनुमान है। कृष्ण जन्मभूमि का कॉरिडोर तैयार होने पर यही हाल मथुरा-वृंदावन का होने वाला है क्रअयोध्या हर सनातनी की आस्था का केंद्र है जहां भव्य मंदिर का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके अलावा राज्य में रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट को व्यावहारिक धरातल पर उतारने का प्रयास युद्धस्तर पर चल रहा है। हां, यह ठीक है कि काशी ने गोवा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है, पर गोवा अपने में लाजवाब है। यहां के अनेक 'बीच' पर आनंद करने के लिए इसलिए ही तो सारे संसार से टूरिस्ट गोवा आते हैं। गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवावासियों के सुसंस्कृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आने लगता है कि ये अलग मिजाज का शहर है। रात के 12 बजे भी यहां स्कर्ट पहनकर लड़कियां और महिलाएं सड़कों पर आ-जा रही होती हैं। मजाल है कि उन्हें कोई टेढ़ी नजर से देख भी ले। यानी यूं ही गोवा खास नहीं हो गया। गोवा की मनमोहक सुंदरता और गोवा के मंदिरों, गिरजाघरों और पुराने निवास स्थानों का आर्किटेक्चर गोवा को बाकी जगहों से अलग करता है। कुल मिलाकर बात यह है भारत का टूरिज्म सेक्टर आगे बढ़ेगा तो इसका लाभ सारे देश को ही होगा। इसलिए देश के टूरिज्म सेक्टर का समग्र विकास करना जरूरी है।

आर.के. सिन्हा

पर्यावरण और हम

अनुपमा गुप्ता

हम सभी जानते हैं हमारे आसपास के वातावरण को शुद्ध रखने के हेतु वृक्षों की उपयोगिता को परंतु क्या हम सभी अपने वातावरण / पर्यावरण को अच्छा बनाने हेतु उठाए गए कदमों को लेकर संतुष्ट हैं । अपने अंत स्थल से यही आवाज आएगी कि नहीं, हम संतुष्ट नहीं है । क्योंकि अपने जीवन की व्यस्तता में हम लगभग पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भूल गए हैं किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह पर्यावरण के बारे में सोच सके व्यक्ति अपने आप को साधन संपन्न बनाने हेतु पर्यावरण का दुरुपयोग कर रहे हैं । हम अपने निजी स्वार्थ की वजह से इस आधुनिक युग में पेड़ों की कटाई कर देते हैं जो बिल्कुल भी सही नहीं है। आधुनिक युग का व्यक्ति इतना आलसयुक्त हो गया है कि सिर्फ कम से कम दूरी तय करने हेतु वाहनों आदि का प्रयोग करता है वाहनों से निकलने वाला धुआं जो कि स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है यह जानते हुए भी हम वह कार्य कर रहे हैं जो कदापि सही नहीं है पहले गांव में जहां हरियाली देखने को मिलती थी चारों ओर पेड़ पौधे नजर आते थे । पक्षियों के चहचहाने की आवाजों से मन प्रसन्न हो जाया करता था, परंतु आज के आधुनिक युग में ऐसा दृश्य कम देखने को मिलता है । पर्यावरण का संतुलन दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है ।

आजकल बिन मौसम बरसात होना ,गर्मी का असहनीय हो जाना, सर्दी में भी गर्मी , बरसात के मौसम में बरसात ना , यह सब पर्यावरण असंतुलन की वजह से ही है जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण पशु पक्षियों के घर नष्ट हो रहे हैं । जनसंख्या वृद्धि के कारण हमने जंगलों में रहने वाले पशुओं के स्थान को भी नहीं छोड़ा है । धीरे-धीरे पशुओं व पक्षियों की त्रजातियां भी विलुप्त हो रही है । बचपन में जिन पक्षियों की चहचहाहट सुनकर बड़ा आनंद आता था आज वह पक्षी दिखाई भी नहीं देते हैं यह सब पर्यावरण असंतुलन के कारण ही है ।

हम सभी को पर्यावरण के प्रति अपनी उदासीनता को समाप्त कर जागरूक होना चाहिए तथा पर्यावरण को नुकसान पहुचाएँ बगैर विकास करने की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए ।वृक्षारोपण को बढ़ावा दे उनकी कटाई से बचें। प्रदूषण न करें और न करने दे स्वयं जागरूक हो और दूसरों के लिए प्रेरणा बने।

सेहत मंत्र

पैदल चलने और साइकिल चलाने से हार्ट अटैक का खतरा कम, 4.3 करोड़ लोगों पर हुआ अध्ययन

पैदल चलना या साइकिल चलाना आपके स्वास्थ्य के लाभदायक होता है, यह बात आप सभी जानते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि अगर आप पैदल चलने या साइकिल चलाने को अपने रोजाना की आदत में शामिल कर लें, तो आप हार्ट अटैक के खतरे से बच सकते हैं? जी हां, हाल में ही लगभग 4.3 करोड़ लोगों पर एक अध्ययन करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया है कि जो लोग अपने काम पर पैदल जाते हैं या साइकिल से जाते हैं, उन्हें भविष्य में हार्ट अटैक का खतरा होने की संभावना बहुत कम होती है। ये रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के द्वारा की गई है, जिसमें ओलम्पिक मेडल विजेता भाइयों की जोड़ी एलिस्टेयर और जॉनी ब्राउनली भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने बताया कि हार्ट संबंधी बीमारियों को बढ़ाने वाले सबसे बड़े कारक व्यक्ति का ज्यादा वजन, धूम्रपान की लत, डायबिटीज और एक्सरसाइज की कमी है। ऐसे में जो लोग अपने रोजमर्रा के कामों के लिए पैदल चलने या साइकिल चलाने की आदत बनाते हैं, उन्हें हार्ट अटैक होने की संभावना कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने ये अध्ययन 2011 के यूके सेंसस डाटा के आधार पर किया, जिसमें 25 से 74 साल के लगभग 43 मिलियन (4.3 करोड़) लोग शामिल थे। ये सभी लोग नौकरीपेशा थे और अध्ययन का मुख्य आधार इनके काम पर जाने के साधन/माध्यम को बनाया गया। इस अध्ययन को यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में छापा गया है। शोध के आंकड़े बताते हैं कि पैदल चलने या साइकिल चलाने के फायदे महिलाओं और पुरुषों, दोनों में ही बराबर पाए गए। इन सभी में हार्ट अटैक की संभावना सामान्य लोगों की तुलना में 1.7% तक कम पाई गई। हालांकि हार्ट की बीमारियों के मामले में 1.7% खतरे की कमी आपको बहुत मामूली मालूम पड़ सकती है, मगर शोधकर्ताओं ने बताया कि पैदल चलने और साइकिल चलाने के बहुत सारे अतिरिक्त लाभ भी हैं। पूर्व में की गई तमाम रिसर्च बताती हैं कि पैदल चलने और साइकिल चलाने से आपका ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा, कोलेस्ट्रॉल आदि कंट्रोल रहता है।

धर्म मंत्र

श्री विट्ठल के विग्रह रूप में भगवान आज भी धरती पर विराजमान हैं

भगवान विट्ठल, श्री हरि के अवतार थे। उन्होंने यह अवतार क्यों लिया इसके बारे में एक पौराणिक कहानी में उल्लेख मिलता है। हुआ यूं था कि 6वीं सदी में संत पुंडलिक माता-पिता के परम भक्त थे। एक दिन वे अपने माता-पिता के पैर दबा रहे थे कि श्रीकृष्ण रुक्मिणी के साथ वहां प्रकट हो गए। वे पैर दबाने में इतने लीन थे कि अपने इष्टदेव की ओर उनका ध्यान ही नहीं गया। तब प्रभु ने उन्हें स्नेह से पुकार कर कहा, 'पुंडलिक, हम तुम्हारा आतिथ्य ग्रहण करने आए हैं।' पुंडलिक ने जब उस तरफ देखा, तो भगवान के दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी शयन कर रहे हैं, इसलिए आप इस ईंट पर खड़े होकर प्रतीक्षा कीजिए और वे पुनः पैर दबाने में लीन हो गए। भगवान पुंडलिक की सेवा और शुद्ध भाव देखकर प्रसन्न हो गए और कमर पर दोनों हाथ धरकर और पैरों को जोड़कर ईंटों पर खड़े हो गए। कुछ देर बाद पुंडलिक ने फिर भगवान से कह दिया कि आप इसी मुद्रा में थोड़ी देर और इंतजार करें। भगवान को पुंडलिक द्वारा दिए गए स्थान से भी बहुत प्रेम हो गया। उनकी कृपा से पुंडलिक को अपने माता-पिता के साथ ही ईश्वर से साक्षात्कार हो गया। ईंट पर खड़े होने के कारण श्री विट्ठल के विग्रह रूप में भगवान आज भी धरती पर विराजमान हैं। यही स्थान पुंडलिकपुर या अपभ्रंश रूप में पंढरपुर कहलाया। रेल : पंढरपुर में कुर्दुवादि रेलवे जंक्शन से जुड़ा हुआ है। कुर्दुवादि जंक्शन से होकर लातुर एक्सप्रेस , मुंबई एक्सप्रेस, हुसैनसागर एक्सप्रेस , सिद्धेश्वर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेने रोजाना मुंबई जाती हैं। पंढरपुर से भी पुणे के रास्ते मुंबई के लिए ट्रेन चलती है।

पर्यटन

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोए मीरजापुर है हर तरह के यात्रियों के लिए खास

छोटे-छोटे झरनों की फुहार, रोमांचित करने वाले जल प्रपात तथा गुफा के पत्थरों पर बने भित्ति चित्र, मीरजापुर को बनाते हैं खास। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही लिहाज से यह जगह बनाता है अपनी अलग पहचान। तो इन चीज़ों को अगर देखने को रखते हैं शौक, तो यह जगह आएगी आपको पसंद। एक समय में घंटाघर की घड़ी की गूंज से नगर क्षेत्र सहित आसपास के गांवों के लोग समय जानते थे। देशी पत्थर पर गौथिक शैली में महीन कारीगरी ने घंटाघर को अद्वितीय बना दिया है। तीन मंजिला 100 फुट ऊंटा घंटाघर 31 मई 1891 को 18000 रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ था। 1735 ईस्वी में लॉर्ड मरक्यूरियस वेलेस्ले नाम के एक अंग्रेज अफसर ने इस क्षेत्र की स्थापना मीरजापुर नाम से की, लेकिन नगर पालिका वर्ष 1920 में अस्तित्व में आई। वेलेस्ले के नाम पर ही नगर का पाश इलाका वेलेस्लीगंज और अब वासलीगंज के नाम से प्रसिद्ध है। पालिका परिषद ने 97 वर्ष का सफर सफलतापूर्वक तय कर लिया है। यह घंटाघर शहर का दिल कहा जाता है। पवित्र पुण्यजला ओझला नदी के बारे में कहा जाता है कि यह अत्यंत पावन नदी है। इसमें स्नान करने से मनुष्य अनेक पापों से मुक्त हो जाता है। इस नदी पर महंत परशुराम गिरि द्वारा ओझला पुल का निर्माण वर्ष 1850 में कराया गया, जो एक दिन के रुई कारोबार की आय से निर्मित किया गया था। इस पुल के गर्भ गृह में कई कक्ष बने हुए हैं, जिनमें प्राचीन काल में यात्री आराम फरमाया करते थे। यह पुल आज भी नगरवासियों को गंगा दर्शन के साथ ही विंध्यवासिनी मंदिर से सीधा जोड़ने का एकमात्र माध्यम है। बाबू बिहारीलाल को उत्तर प्रदेश की प्रथम कॉटन मिल का जनक कहा जाता है। वे सेठ शिरोमणि के नाम से विख्यात थे। उन्होंने वर्ष 1896 में विन्ध्याचल मार्ग के मध्य में पुतलीघर इलाके में तब पांच लाख रुपये की लागत से मिल बनवाई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली कॉटन मिल थी। वर्ष 1928 में इसमें आग लगने के कारण यह बंद हो गई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विभागीय रैंक में अपेक्षित सुधार लाने के दिए निर्देश

कार्यदायी संस्थायें निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्णढंग से समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैश बोर्ड , सीएमआईएस पोर्टल से संबंधित निर्माण कार्य एवं 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओ के सम्बन्ध में आज कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

समीक्षा बैठक में सीएम डैशबोर्ड की विस्तृत समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी को सामूहिक विवाह योजना तथा राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में प्रगति खराब होने के कारण प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई, जिला पंचायतराज अधिकारी को समस्त योजनाओ में अपेक्षित प्रगति न होने पर माह के अन्त तक शत-प्रतिशत प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये। अधिशासी अभियन्ता, जलनिगम को एक सप्ताह के अन्दर प्रगति बढ़ाने को निर्देशित किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं में प्रगति संतोषजनक न होने के कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रगति बढ़ाने को निर्देशित किया गया तथा समस्त जनपद स्तरीय अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं से आमजन को लाभान्वित किया जाए।बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर अपने विभागीय प्रपत्रों का अवलोकन करते हुए विभाग से सम्बन्धित रैंक में अपेक्षित सुधार लाएं, जिससे जिले की ओवर आल रैंकिग और बेहतर हो सके साथ ही यह भी निर्देश दिया कि बी, सी, डी व ई रैंक वाले विभाग प्रगति में अपेक्षित सुधार लाते हुए महीने के अंत तक सुधार लाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि डैशबोर्ड पर डाटा फीडिंग कार्य को अद्यतन रखा जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को जनपद में कराये जा रहे निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्णढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन परियोजनाओं का निर्माण पूर्ण हो गया है उनका हस्तांतरण संबंधित को करने के निर्देश दिए।बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए और अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण के निर्धारित लक्ष्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करे जिससे रैंकिंग ठीक हो सके।

सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत विभिन्न विभागों यथा अतिरिक्त ऊर्ज़ा विभाग, उद्यान विभाग, ऊर्ज़ा विभाग, कृषि विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, दुग्ध विकास विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जिलापूर्ति विभाग, पंचायती राज विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, प्राथमिक शिक्षा विभाग, पशुधन विभाग, मत्स्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, सूचना लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तथा समाज कल्याण विभाग की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी एकता सिंह , परियोजना निदेशक डीआडीए मनीष कुमार,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.डीके श्रीवास्तव, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मीनाक्षी श्रीवास्तव , उपनिदेशक कृषि श्रवण कुमार , जिला पूर्ति अधिकारी राकेश तिवारी, जिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी मंजरी भारद्वाज, जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ.पल्लवी सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन महीने के अंतराल मे 38 लोगो को आजीवन कारावास की सजा दिलवाने वाले एसपी को डीजीपी ने भेजा प्रशस्ति पत्र

मॉनिटरिंग सेल के कर्मियो को एसपी ने कहा धन्यवाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस के द्वारा जिलो मे अपराध मे महज तीन महीनो के अंतराल मे 38 आरोपियो को आजीवन कारावास सजा दिलाकर सलाखों के पीछे भेजने व जुलाई माह से अक्टूबर महीने तक जिले मे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मॉनिटरिंग सेल की बेहतर पैरवी कराने के जिले के एसपी दिनेश कुमार सिंह को डीजीपी विजय कुमार के द्वारा प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

सम्मान पाने के बाद एसपी प्रशस्ति पत्र मिलने के बाद सम्मानित हुए एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि डीजीपी ने मुझे मॉनिटरिंग सेल की बेहतर पैरवी पर महज तीन माह मे प्रशस्ति पत्र दिया है लेकिन इसके लिए मै नही लेकिन हमारे कार्यालय की मॉनिटरिंग सेल की वजह से मुझे सम्मान दिया गया है जिसके असली हक़दार मॉनिटरिंग सेल के वो सभी कर्मचारी जिनके कठिन परिश्रम के बाद सम्मान के योग्य समझकर सम्मान दिया गया जिसके लिए हम मॉनिटरिंग सेल के उन सभी कर्मियो की सराहना करते है जिनकी वजह से मुझे इस लायक समझा गया।

थाना कोठी पुलिस ने तीन अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

बाराबंकी थाना कोठी पुलिस टीम द्वारा दिन अभियुक्तगण राजाराम पुत्र घसीटे निवासी ग्राम भितरी थाना लोनीकटरा जनपद बाराबंकी शिवलाल रावत पुत्र स्व0 भगौती निवासी ग्राम भितरी थाना लोनीकटरा जनपद बाराबंकी 3-रामप्रकाश पुत्र चन्दीरावत निवासी ग्राम लाखूपुर थाना कोठी जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से कुल 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गयी। जिसके के विरुद्ध थाना कोठी पर मु0अ0सं0 380, 381, 383/2023 धारा 60(1) आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया।

आम के पेड़ पर फांसी पर झूला युवक

देवा, बाराबंकी : देवा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के बाहर स्थित आम की बाग में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है द्य

जानकारी के अनुसार कोतवाली देवा की माती चौकी अंतर्गत बरेठी पुरवा गांव निवासी प्रवीण कुमार यादव उम्र 23 वर्ष बाजार से सामान खरीद कर घर वापस आया और शाम करीब 4:00 बजे गांव से बाहर स्थित अपनी बाग़ में जाकर आम के पेड़ पर चढ़कर प्लास्टिक की रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है माती चौकी इंचार्ज शिवसागर तिवारी ने बताया कि प्रथम दृश्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी पुलिस मामले की जांच कर रही है

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

बाराबंकी। प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज अपने प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार जनपद में विकास खंड सिद्धौर की ग्राम बम्भौरा लोधी के ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उपमुख्यमंत्री अपराह्न 10:30 बजे आगमन होगा।

पॉलिटिकल कंसल्टेंसी में रोजगार की सम्भावनाएं खोजें युवा : डॉ. राजन पाण्डेय

प्रयागराज। ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के निर्वाचन साक्षरता क्लब की ओर से बुधवार को 'कैरियर अपारच्यूनिटीज इन पॉलिटिकल कंसल्टेंसी डोमेन' विषय पर डॉ. राजन पाण्डेय ने कहा कि पॉलिटिकल कंसल्टेंसी के क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार सम्भावनाएं हैं। इस दिशा में युवाओं को सोचना और सक्रिय होना चाहिए।

बुधवार को आयोजित व्याख्यान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़े डॉ. राजन पाण्डेय ने देश भर में चुनावों में सक्रिय विभिन्न प्रकार की पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्मों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए युवाओं को तथ्य संग्रहण के तौर तरीकों की जानकारी होनी चाहिए। सैंपल लेते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। उन्होंने कई उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे किसी क्षेत्र के सम्बंध में सही और गलत आंकड़े संग्रहित किए जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की वेबसाइट से किसी भी विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र के पिछले चुनावों से सम्बंधित किसी भी आंकड़े को प्रत्याशीवार कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इस बारे में भी बताया। उन्होंने पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म की वेबसाइट पर जाकर सीवी अपलोड करने और विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग पैकेज पर युवाओं को रोजगार के लिए प्रेरित किया।अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर डॉ. मान सिंह ने मतदाताओं के अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला और मतदान व्यवहार के बदलते स्वरूप पर बात की। साथ ही युवाओं को पॉलिटिकल कंसल्टेंसी में कैरियर बनाने को प्रोत्साहित किया। प्रो. मनोज कुमार दूबे ने बताया कि स्वागत राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य और मतदाता साक्षरता क्लब के संयोजक डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ. विवेक कुमार राय, विमलेंदु सिंह, सचिन चौरसिया, आविष सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अंकित पाठक ने किया।

लखनऊ तक सरकार हिला देगी यूपी जोड़ो यात्रा : अजय राय

सहारनपुर। कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा बुधवार को सहारनपुर के प्रसिद्ध सिद्धपीठ शाकुंभरी मन्दिर पर पूजा अर्चना से शुरू हुई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह यात्रा लखनऊ तक सरकार को हिला देगी।

कांग्रेस की 'यूपी जोड़ो यात्रा' बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में सिद्धपीठ शाकुंभरी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना से शुरू हुई। पहले दिन यह यात्रा बेहट होते हुए गंगोह नगर पालिका के गणेश शंकर विद्यार्थी चौक पर समाप्त हुई। कांग्रेस का संदेश लेकर सड़क पर उतरे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को यात्रा के पहले दिन अपार जन समर्थन मिला। जगह-जगह पार्टी कार्यकर्त्ता और लोगों ने घरों से निकल कर फूलमालाओं से यात्रा का स्वागत किया। गंगोह नगर पालिका से जब यात्रा गुजरी तो महिलाओं ने अजय राय का स्वागत किया।यात्रा में मौजूद कांग्रेस प्रवक्ता पुनीत पाठक ने बताया कि यात्रा में नेता विधान मंडल आराधना मिश्रा मोना, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक इमरान मसूद, पूर्व सांसद राजेश मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, संगठन महासचिव सचिव अनिल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, पूर्व विधायक विवेक बंसल, विवेकानंद पाठक, यूपी जोड़ो यात्रा मीडिया प्रभारी सीपी राय, प्रवक्ता अंशू अवस्थी, सचिन रावत, अभिमन्यु त्यागी, कुंवर निषाद, तमजीद अहमद, राजकुमार मौर्य, अनिल यादव, विदित चौधरी, शाहनवाज आलम, सहित सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यात्रा के अंत में गणेश शंकर विद्यार्थी चौक पर अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आम आदमी की सरकार नहीं है। भाजपा सरकार किसानों की समस्या पर कान बंद कर लेती है, वो गन्ना किसानों को सही मूल्य नहीं दे पा रही। पेट्रोल, गैस के दाम लगातार बढ़ाती है, लेकिन रोजगार के अवसर नहीं है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरणा लेकर यूपी जोड़ो यात्रा शुरू की गई है, जो लखनऊ के शहीद स्मारक पर समाप्त होगी। 2024 में भाजपा सरकार को हम उखाड़ फैकेंगे।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ कार्यालय पर मनाई गई संत गाडगे पुण्य तिथि

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चारबाग बस स्टेशन पर स्थित उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के कार्यालय पर संत गाडगे की पुण्य तिथि मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री रूपेश कुमार, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण भान तिवारी, मो अजीम, विवेक, पवन, सलमान, राम सजीवन, हिमायत वारिस, महादेव, प्रेमपाल सिंह, क्षेत्रीय कार्यशाला अध्यक्ष झांसी, प्रेमपाल सिंह ताज डिपो, बलबीर सिंह ताज डिपो, हरि ओम ताज डिपो ने संत गाडगे के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

20 वर्ष पूरे होने पर खेलो प्रेरणा का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। 20 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए प्रेरणा गर्ल्स स्कूल ने बुधवार को अपने वार्षिक खेल दिवस खेलो प्रेरणा का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की महानिदेशक रेणुका मिश्रा रही। स्टडी हॉल एजुकेशन फाउंडेशन शेफ की सीईओ डॉ उर्वशी साहनी ने कहा कि प्रेरणा की शुरुआत 2003 में हुई थी। हमने शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने के 20 साल पूरे कर लिए हैं। प्रेरणा में शिक्षा का हर पहलू लड़कियों को सशक्त बनाने और अपने जीवन को अपनी मर्ज़ी से जीने के लिए शिक्षित करना है।

और शव गांव पहुंचते ही बिलख पड़े बच्चे व पत्नी हर आख दिखी नम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी।बुधवार की शाम मृतक अजय शुक्ला का शव जैसे ही पीएम के बाद गांव पहुंचा तो बच्चों एवं परिजनों का चीत्कार देख वहा मौजूद सैकड़ों ग्रामीण व रिश्तेदारों की आंखें नम हो गई हर किसी की जुबान पर बस इस भीभत्स हत्याकांड की चर्चा नजर आई और अज्ञात हत्यारो के प्रति आक्रोश नजर आया, शव गांव पहुंचने के दो घंटे बाद मैसूर से पहुंचे मृतक अजय के बड़े पुत्र प्रिंसू ने पिता को मुखाग्नि दी शव गांव पहुंचने से पूर्व ही मुकामी पुलिस गांव में चहलकदमी करती रही और हर कदम पर मुस्तैद रही, अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली, मृतक अजय के छोटे भाई संजय को आश्वासन देते हुए प्रभारी निरीक्षक असंद्रा ने तीन दिन में पर्दाफाश का वादा किया है, पुलिस परिजनों द्वारा आरोपित लोगों से पूछताछ कर रही है।

फोटो तक ही सीमित रह गए नगर पंचायत के अलावा

ठंड से ठिठुर रहे आमजनमानस पशु-पक्षी भी बेहाल

लापरवाही नगर पंचायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। अचानक बढ़ी ठंड से आम जनमानस ही नहीं, पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। लोगों को ठंड से राहत दिलाने को प्रशासनिक मशीनरी भी पूरी तरह बेसुध पड़ी है। शहर के विभिन्न स्थानों पर नगर पंचायत द्वारा जलवाए जा रहे अलावों की हकीकत कुछ और ही है गरीबों व राहगीरों के लिए जलने वाले अलाव में आग तो दूर धुंआ तक नहीं उठ रहा है। गीली लकड़ी की आपूर्ति कर नगर पंचायत कर्मी ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग जलाकर सिर्फ फोटो लेने तक ही सीमित रह गये हैं।

बता दें कि दिसंबर माह के तीसरे पखवाड़े से ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। शाम को सूर्य ढलने के साथ-साथ ठंड अपना कर बरखान शुरू कर देती है लोगों को इससे राहत मिले इसके लिए प्रशासन द्वारा नगर के भीड-भाड़ वाले मुख्य स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की। फतेहपुर नगर पंचायत द्वारा जलवाए जा रहे अलावों की पोल तब खुली जब नगर पंचायत की गाड़ी शाम में करीब आठ बजे मुंशीगंज पकड़िया व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची जहाँ पर कर्मचारियों ने लकड़ी के कुछ टुकड़े गिराए और एक टायर पर ज्वलनशील पदार्थ डालते हुए आग जलाई और फोटो लिए फिर वहां से चलते बने। ठंड से परेशान लोगों ने अलाव की लकड़ी जलाने के काफी प्रयास किए, लेकिन सारी कोशिशें व्यर्थ रहीं। कारण यह रहा कि लकड़ी गीली थी। उन लकड़ियों देखने से लग रहा था कि हाल ही में पेड़ काटा गया है। हालत पटेल चौराहे पर रहे। हमारी टीम ने शहर के बस अड्डा, कचहरी, रेलवे स्टेशन, मुंशीगंज पर जलने वाले अलावों का जायजा लिया। सभी स्थानों पर नगर पंचायत द्वारा डाली गई लकड़ियां गीली दिखी। कहीं अधजल लकड़ी तो कहीं जली ही नहीं यह स्थिति पूरे फतेहपुर कस्बे की देखने को मिली।

मनाया गया जयपुरिया स्कूल 8वां स्थापना दिवस

लखनऊ। 8वां स्थापना दिवस समारोह ''सतत विकास लक्ष्य - हमारी पृथ्वी, हमारी धरोहर '' विषय पर केंद्रित सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ में आयोजित हुआ। इस अवसर के विशिष्ट मुख्य अतिथि श्री विनीत पंछी, एक प्रसिद्ध टी डी एक्स वक्ता (प्रौद्योगिकी, मनोरंजन, डिज़ाइन), संचार सलाहकार और फिल्म निर्माता थे। इस कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन के सदस्य, गणमान्य व्यक्ति और अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद प्रार्थना नृत्य - शिवोहम, पूर्णता के साथ एकता पर जोर दिया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती पूनम कोचिट्टी ने औपचारिक रूप से सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और विद्यालय, छात्रों तथा कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उनके द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि विनीत पंछी ने जोखिम लेने वाले और दूसरों की भलाई में योगदान देने वाले नायकों के महत्व को बताते हुए छात्रों को अपने रोल मॉडल के रूप में विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं के जन-जन तक प्रचार-प्रसार के लिए निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ स्वागत

लाभार्थियों को किया गया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर बाराबंकी। जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा बुधवार को क्षेत्र के सरैयामातबार नगर पहुंची। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और जोरदार स्वागत भी किया।

भारत विकसित संकल्प यात्रा प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में हुई कार्यक्रम की शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया इस दौरान भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्य अतिथि व ग्राम प्रधान के द्वारा विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को बताया और कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन, उज्ज्वला योजना समेत कई अन्य लाभकारी योजनाओं का लाभ दे रही है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण एवं मुख्य अतिथि सहित सभी को शिक्षा जल संरक्षण, सहित कई अन्य सपत भी दिलाई गई। प्राथमिक विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चो द्वारा लोकगीत पर नृत्य कर अपनी प्रतिभा को भी प्रदर्शित किया इस दौरान वहां पर उपस्थित लोगों ने बच्चों की जमकर सराहना की।

इस दौरान प्रधान राकेश कुमार वर्मा ग्राम विकास अधिकारी बजरंगी प्रसाद चौधरी, संत प्रकाश वर्मा, सुनील कुमार, उमेश कुमार ,अवधेश कुमार, अरविंद कुमार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

इन लाभार्थियों वितरित किए गए प्रमाण पत्र

पीएम सम्मान निधि उमेश चंद्र पुत्र विद्या प्रसाद ,प्रमोद कुमार पुत्र मुनेश्वर प्रसाद, आयुष्मान कार्ड पूरन चंद्र पुत्र गुलाब चंद्र ,ललित कुमार पुत्र राकेश कुमार ,हर्षित कुमार पुत्र राकेश कुमार,प्रधानमंत्री आवास शांति देवी पत्नी दिनेश कुमार, गीता देवी पत्नी राजेश कुमार ,प्रीति देवी पत्नी मनोहर लाल आदि सहित दर्जनों लोगों वितरित किए गए प्रमाण पत्र प्रमाण पत्र पाकर खिल उठे चेहरे।

अवैध शराब, नशीले पदार्थ तथा अवैध बार के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई: मंडलायुक्त

मेरठ। मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे ने कहा कि अवैध शराब, नशीले पदार्थ और अवैध बार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाए।

आयुक्त सभागार में बुधवार को मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. और आईजी मेरठ परिक्षेत्र नचिकेता झा द्वारा कानून एवं शांति व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक ली गई। आयुक्त ने कहा कि अभी से लोकसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी जाए। इसमें कोई भी कौताही ना बरती जाए। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाए। आईजी ने कहा कि क्रिसमस व नववर्ष को लेकर सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाए। त्यौहार से पूर्व शांति समितियों की बैठक आयोजित की जाए तथा त्यौहार रजिस्टर का अवलोकन किया जाए। किसी भी नई परंपरा की अनुमति न दी जाए। अफवाहों का खंडन करके अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

178 वर्ष से लगने वाला धनुष यज्ञ मेला है पौराणिक, शब्दों मे नही कर सकते बयां: सदर विधायक

विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने पीड़ गांव मे धनुषयज्ञ मेला का किया औपचारिक शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रामायण का हर प्रसंग जीवन को एक नई दिशा देता है परंतु प्रभु श्री राम माता जानकी के स्वयंवर के प्रसंग को जीवंत देखना मन को शकून देता है।

उक्त विचार सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने ग्राम पीड़ में आयोजित 178 वें धनुष यज्ञ मेला में भगवान श्री राम जी एवं भ्राता लक्ष्मण जी का माल्यार्पण और आरती कर आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत मेले में उपस्थित दर्शकों के बीच कही,

सदर विधायक ने आगे कहा कि पीड़ में लगने वाला यह मेला बहुत ही पौराणिक मेला है इस मेले का महत्व शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता इस मेले की भव्यता का अंदाजा इस बात लगाया जा सकता है कि यह मेला निरंतर 178 वर्ष लगातार चलता चला रहा है परंतु इसकी ख्यात और भव्यता आज तक कमजोर नहीं हुई और ना कभी आगे होगी ऐसा मेरा मानना है, इस मेले से समाज को ऊर्जा और दिशा मिलती है इसलिए मैं इस मेले के आयोजन करता हूं को बहुत शुभकामनाएं और बधाई देता हूं कि वह हर वर्ष अपनी पूरी मेहनत और ताकत से इस मेले का आयोजन करते हैं जिससे हमारे आने वाली नई पीढ़ी को अपने धर्म ग्रंथो की शिक्षा मिल सके और युवा पीढ़ी इससे सीख लेते हुए समाज और मनुष्य की सहायता मदद इसी प्रकार करें जिस प्रकार भगवान श्री राम बगैर भेदभाव के सबकी देखभाल करते थे।

अंत में मेला आयोजन कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा ने अपने साथी पदाधिकारी रवि मिश्रा, ललित कुमार मिश्रा के साथ सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव एवं पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा को अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह बैठकर सम्मानित किया इसी के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता फराजुद्दीन किदवई, प्रदेश सचिव सरताज चौधरी, हुमायूं नईम खान, जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद, जिला महामंत्री हिमांशु यादव, कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, जिला उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव, नसीम कीर्ति, रामचंद्र यादव बाबूजी, नीलू वर्मा प्रधान कुरौवली, विनोद यादव प्रधान पिपरतला, सुरेश यादव पूर्व प्रमुख, दीपक गुप्ता सभासद, मोहम्मद कलाम, निसार खान, डॉ कमलेश आदि लोगों को भी अंग वस्त्र भेंट कर मेला कमेटी के पदाधिकारी ने सम्मानित किया।

पैरा एथलीट जीतू कंवर, जिन्होंने शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से ऊपर उठकर खुद को साबित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में हाल ही में समाप्त हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हर एथलीट अनोखा था। शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से ऊपर उठने की उनकी क्षमता ने उनके ईश्वर-प्रदत्त विशेष गुणों को उजागर किया, जिन्हें सक्षम खिलाड़ी कभी समझ नहीं सकते। जीतू कंवर शायद कुछ ज्यादा ही खास हैं. उसकी जीवन कहानी बिल्कुल अवास्तविक और अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत में बहुत कठिन दौर देखा है और उसी ने उन्हें आज एक बहुत मजबूत महिला बना दिया है। सेरेब्रल पाल्सी स्पोर्ट्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (सीपीएसएफआई) की महासचिव कविता सुरेश ने कहा, उन्होंने सभी चुनौतियों का अकेले सामना किया है और आज वह एक स्व-निर्मित महिला हैं और समाज के लिए एक प्रेरणा हैं। स्पास्टिक क्वाड्रिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी की मरीज, जीतू कंवर, जो अब 29 साल की है, तब से ही जीवन की बाधाओं का सामना कर रही है जब वह अपनी मां के गर्भ में थी। उसके स्पास्टिक सीपी का रूप सबसे गंभीर है और यह उसके चारों अंगों, धड़ और चेहरे की गति को प्रभावित करता है। जीतू का धैर्य और दृढ़ संकल्प पिछले हफ्ते जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में देखा गया जब उसने टी-35 वर्ग में 100 मीटर में कांस्य पदक जीता। अब वह 2024 पेरिस पैरालिंपिक में पदक जीतना चाहती हैं। जीतू कंवर का जन्म 26 जून 1994 को जोधपुर जिले के शेरगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत खुडियाला ढाणी में एक साधारण परिवार में हुआ था। सेरेब्रल पाल्सी के पहले लक्षण जीतू के जन्म के तीन घंटे के भीतर पता चले थे, क्योंकि वह पूरी अवधि में एक बार भी नहीं रोई थी।

उनके पिता लादू सिंह, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नाथराऊ में कार्यरत, उनकी माँ रुकम कंवर की तरह ही अनभिज्ञ थे। अपनी माँ की गर्भावस्था के दौरान जीतू के विकासशील मस्तिष्क में पर्याप्त ऑक्सीजन की कमी के कारण उसके सभी अंगों और मांसपेशियों की गतिविधियों में समस्याएँ होने लगीं।

जीतू ने कहा, ल्लमेरे माता-पिता अच्छी तरह से शिक्षित नहीं थे। पैसों के मामले में भी हम बहुत मजबूत नहीं थे। मेरे माता-पिता और दादा-दादी जोधपुर के अस्पतालों

में गए लेकिन वहां सेरेब्रल पाल्सी के इलाज की सुविधाएं नहीं थीं। वे दैवीय हस्तक्षेप की तलाश में राजस्थान और उसके आसपास के सभी पवित्र स्थानों पर भी गए लेकिन कुछ मदद नहीं मिली।

पांच भाई-बहनों में पहले होने के कारण जीतू को चलना शुरू करने में तीन साल लग गए। जब एक साल बाद उसकी छोटी बहन नेनु चलने लगी, तो पड़ोसियों और बड़े परिवार ने उसे नीची दृष्टि से देखना शुरू कर दिया। काँवरों के साथ भी भेदभाव किया गया क्योंकि उनकी पहली संतान दोनों बेटियाँ थीं! अवरूद्ध विकास और शरीर के सभी अंगों की गतिविधियों में समस्याओं ने उसके जीवन को दयनीय बना दिया। हालाँकि, जीतू उदास होने वालों में से नहीं थीं बल्कि उसने वापस लड़ने का संकल्प लिया। जब उसे स्थानीय सरकारी स्कूल में रखा गया, तो बच्चे जीतू को बहुत परेशान करते थे। जीवन एक दुःस्वप्न था। पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होने के लिए, जीतू ने कई प्राथमिक विद्यालय बदले, इसके बाद उन्हें जोधपुर से 20 किलोमीटर दूर शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए बने स्कूल में भेजा गया। जीतू ने तत्कालीन राज्यसभा सांसद नारायण सिंह मानकलाओ द्वारा स्थापित सुचेता कृपलानी शिक्षा निकेतन में 6 से 12 तक प्रत्येक कक्षा में टॉपर बनकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, ल्लयह पूरी तरह से एक अलग दुनिया थी। एक सामान्य व्यक्ति के लिए जो आसान है, वह मेरे लिए बहुत बड़ा संघर्ष था। जूते के फीते बांधना, दांतों को ब्रश करना, नहाना, कपड़े बदलना और कलम पकड़ना या यहां तक कि क्लास नोट्स या परीक्षा लिखना भी बहुत मुश्किल हुआ करता था। लेकिन चुनौती ने मुझे और मजबूत बना दिया। मैंने हार न मानने का संकल्प लिया। जीतू को सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में राज्य में अव्वल रहने के लिए 2010 में राजस्थान की संस्कृति मंत्री चंद्रेश कुमारी से इंदिरा प्रियदर्शिनी पुरस्कार मिला था। यह एक बड़ी प्रेरणा के रूप में आया और शिक्षाविदों में उनकी रुचि बढ़ी। अमेरिका स्थित एक गैर सरकारी संगठन पोलियो चिल्ड्रेन की छात्रवृत्ति से जीतू को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिली। जीतू को जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के अंतर्गत कमला नेहरू कॉलेज में बीए पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला। चूँकि यह सामान्य छात्रों के लिए कॉलेज था, इसलिए उसे एक बार फिर अपने सहपाठियों के हाथों भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ा। फिर भी, उन्होंने 2013 में अच्छे अंकों के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने कहा, ल्लमुझे कक्षा में प्रश्न पूछने में कठिनाई होती थी और हर कोई मेरा मज़ाक उड़ाता था। प्रोफ़ेसर से किसी बात को दोहराने के लिए कहना भी एक बड़ा काम बन गया. मेरे पास स्पीच थेरेपी का खर्च उठाने के लिए पैसे नहीं थे। मेरा कोई दोस्त नहीं था जो नोट्स या प्रोजेक्ट में मेरी मदद कर सके। इसलिए, मैं हॉस्टल में देर रात तक पढ़ाई करने और नोट्स बनाने के बाद थक जाती थी।'' जीतू ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर से पब्लिक पॉलिसी, लॉ एंड गवर्नेंस में मास्टर डिग्री हासिल की। नए शहर में स्थानांतरित होना पूरी तरह से एक नई चुनौती थी, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें 2015 में इस विषय में स्वर्ण पदक अर्जित करने में मदद की, जिसे इसरो के पूर्व अध्यक्ष और कुलपति के. कस्तूरीरंगन ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया। उन्होंने कहा, यह पहली बार था जब मैंने अपने माता-पिता को आने और मेरी उपलब्धि देखने के लिए आमंत्रित किया। मैंने इससे पहले कभी भी जीते गए किसी भी पुरस्कार या पुरस्कार के लिए उन्हें नहीं बुलाया था।

संक्षिप्त समाचार

अंडर-14 फाइनल ट्रायल के लिए 31 क्रिकेटरों का चयन

प्रयागराज। कानपुर के कमला क्लब मैदान पर 22 दिसम्बर को होने वाले उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंडर-14 फाइनल ट्रायल के लिए इलाहाबाद मंडल (प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, चित्रकूट और भदोही) के 31 क्रिकेटरों का चयन किया गया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा के अनुसार चयनित खिलाड़ियों में प्रियांशु यादव, पार्थवर्धन शायक, सुहैब खान, विराट सिंह, समर्थ पांडेय, वीर प्रताप, हर्षित सहाय, सचिन पटेल, यश सिंह, मनीष यादव, कार्तिकेय सिंह, उपेंद्र सिंह यादव, यश कुमार कुशवाहा, शार्दुल सिंह, मो. तालिब, अभिजीत कुमार सिंह, अमृतांश शुक्ल, अज़ान शाहिद, विराट गुप्ता, गोलू पाल, युवराज यादव, आदित्य पाठक, मो. हमदान, सुहैल खान, श्लोक चतुर्वेदी, मो. अली, हुजैफ़ अहाद, शादान अब्बास रिजवी, अस्तित्व सिंह, उत्कर्ष यादव एवं अभिनव सिंह हैं। सभी को 22 दिसम्बर को सुबह आठ बजे कानपुर के कमला क्लब मैदान पर अपनी मूल जन्मतिथि प्रमाण पत्र और आधार कार्ड के साथ रिपोर्ट करने को कहा गया है।

कोपा अमेरिका 2024 से पहले मैत्री मैच खेलेंगे ब्राजील और मैक्सिको

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने मंगलवार को कहा कि ब्राजील और मैक्सिको संयुक्त राज्य अमेरिका में एक दोस्ताना मैच के साथ 2024 कोपा अमेरिका के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर बनाएंगे। सीबीएफ के एक बयान के अनुसार, मैच 8 जून को निर्धारित किया गया है, हालांकि अभी स्थान की घोषणा नहीं की गई है। 20 जून से 14 जुलाई तक 14 अमेरिकी शहरों में खेले जाने वाले कोपा अमेरिका में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। ब्राजील को अपना अभियान 24 जून को होंडुरास और कोस्टा रिका के बीच प्लेऑफ के विजेताओं के खिलाफ शुरू करना है। पांच बार की विश्व चैंपियन ग्रुप चरण में परागवे और कोलंबिया से भी भिड़ेगी। मेक्सिको टूर्नामेंट का पहला मैच 22 जून को जमैका के खिलाफ खेलेगा और बाद में ग्रुप चरण में इक्वाडोर और वेनेजुएला से भिड़ेगा। ब्राजील और मेक्सिको आखिरी बार रूस में 2018 विश्व कप के राउंड ऑफ़ 16 में मिले थे, जिसमें ब्राजील ने 2-0 से जीत दर्ज की थी।

आईपीएल में छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों का चयन

रायपुर।आईपीएल में छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों हरप्रीत सिंह,शशांक सिंह और अजय मंडल का चयन किया गया है। पंजाब किंग्स ने हरप्रीत सिंह भाटिया को 40 लाख रुपये में रिटेन किया है, वहीं शशांक सिंह को 20 लाख में तथा अजय मंडल को चेन्नई ने 20 लाख में रिटेन किया है। राजनांदगांव के अजय मंडल चेन्नई सुपर किंग्स से खेलते नजर आएंगे। पिछले वर्ष हुए आक्शन चेन्नई ने अजय को उनके बेस प्राइज पर खरीदा था।रणजी ट्राफी में अजय ने इस वर्ष जबरदस्त प्रदर्शन किया है । वहीं हरप्रीत सिंह भाटिया और शशांक सिंह पंजाब की टीम से खेलते नजर आएंगे।आईपीएल के पिछले सीजन में पंजाब की टीम से खेलते हुए अपने धुंआधार बैटिंग से प्रदेश के हरप्रीत भाटिया ने सभी को प्रभावित किया था। छत्तीसगढ़ के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले हरप्रीत सिंह भाटिया ने 2010 में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए आइपीएल में प्रवेश किया था। 2012 में वे पुर्ण वारियर्स की टीम का हिस्सा बने।जबकि पिछले साल हुए मेगा आक्शन में हैदराबाद सनराइजर्स ने शशांक सिंह को बेस प्राइज में खरीदा था। लेकिन चोटिल होने के कारण बाद में टीम ने रिलीज कर दिया था। इस बार शशांक, पंजाब किंग्स के लिए खेलेंगे ।

मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट के बीच होगा हैवीवेट मुकाबला

मुंबई। मोहन बागान सुपर जायंट की टीम बुधवार शाम अपने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मैच के लिए मुम्बई फुटबॉल एरेना (एमएफए) की यात्रा करेगी, जहां मैरिनर्स का सामना मेजबान मुम्बई सिटी एफसी से होगा। यह मैच आईएसएल की दो सबसे ताकतवर टीमों के बीच हैवीवेट मुकाबला होगा। मैरिनर्स लीग में अब तक अपराजित रहे हैं, उन्हें अपने खेले सात मैचों में छह जीत और एक ड्रा से 19 अंक हासिल किए हैं। एएफसी कप की निराशा और कई चोटिल खिलाड़ियों की चिंताओं को पीछे छोड़कर मौजूदा आईएसएल लीग विनर्स शील्ड विजेता इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी प्रतिभा व गुणवत्ता के साथ न्याय कर रहे हैं। आइलैंडर्स के आठ मैचों में 16 अंक हैं और वे भी अभी तक हारे नहीं हैं, लेकिन उनका लक्ष्य चार ड्रा और चार जीत के आंकड़े में एक और जीत जोड़ने का लक्ष्य रहेगा। पीटर क्रैटकी की आईएसएल में शुरुआत बहुत माकूल नहीं रही है, चेक कोच की देखरेख में उन्होंने एफसी गोवा और ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ गोल रहित ड्रा खेला है। ये परिणाम आगे मुम्बई सिटी को परेशान करेंगे। मुम्बई सिटी एफसी के मुख्य कोच पीटर क्रैटकी ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ल्लमोहन बागान शीर्ष टीमों में से एक है। हम उनके खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। यह एक ऐसा मुकाबला है जिसका हम इंतजार कर रहे हैं क्योंकि यह फुटबॉल का उत्सव है। हमारा अपना खेलने का तरीका नहीं बदलेगा। हम ठीक से रक्षण करेंगे, और साथ ही हम उस तरीके पर काम करेंगे जिससे हमें अधिक गोल मिलें और अधिक गोल करने के अवसर पैदा हों।

मोहन बागान सुपर जाइंट के मुख्य कोच जुआन फ़ेरांडो ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि हर मैच अलग होता है। यह सच है कि पिछले मैच में (ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ), उन्होंने ड्रा खेला लेकिन उनको बहुत सारे मौके मिले थे और उन्होंने कई आसान अवसर गंवाए। यह भी सच्चाई है। इस मामले में, मैं उनकी टीम और अपनी योजना के बारे में सोच रहा हूं। मुम्बई घरेलू मैदान पर एक मजबूत टीम है और उनके घर पर खेलना मुश्किल है। बता दें कि दोनों टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें मुंबई ने 5 जीते हैं, जबकि मोहन बागान को एक भी मैच में जीत नहीं मिली है। 2 मैच ड्रा रहे हैं।

आईपीएल मिनी-नीलामी 2024 : सनसनीखेज प्रतिभाओं के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने एक मजबूत टीम बनाई

एजेंसी

दुबई। जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को दुबई में आईपीएल मिनी-नीलामी 2024 में अपनी टीम में रोमांचक बदलाव किए। फ्रेंचाइजी ने हार्ड-हिटिंग हैरी ब्रूक को 4 करोड़ रुपये में, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को 5 करोड़ रुपये में और वेस्ट इंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप को 75 लाख रुपये में खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स ने अनकैप्ड भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को भी 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा।

आईपीएल 2024 के लिए दिल्ली कैपिटल्स टीम के बारे में पूछे जाने पर हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, ''हमने वे सभी कमियां भर दीं जो हम चाहते थे और मुझे लगा कि हमने नीलामी तालिका में बहुत अच्छा काम किया है। मैं हैरी ब्रूक के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। वह इस समय सबसे प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों में से एक है। इस साल की नीलामी में वह हमारी नंबर एक प्राथमिकता थे और हम उसे बड़ी कीमत पर हासिल करने में कामयाब रहे। इस बीच, दिल्ली के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा, ''मैं शाई होप को लेकर उत्साहित हूं। वह स्पिन के अच्छे खिलाड़ी हैं और 50 ओवर के क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है। आक्रमण में झाय रिचर्डसन के साथ हमारा गेंदबाजी विभाग अच्छा दिख रहा है। दिल्ली कैपिटल्स ने दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को 50 लाख रुपये में खरीदा। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 59 टी20 में 147.23 की स्ट्राइक रेट से 1119 रन बनाए हैं। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज रिकी भुई को 20 लाख रुपये में खरीदा गया। उन्होंने 62 टी20 में 32.54 की औसत से 1497 रन बनाए हैं। गुजरात टाइटंस के साथ कड़ी बोली के बाद, दिल्ली कैपिटल्स ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को 7.2 करोड़ रुपये में खरीद लिया। उन्होंने 11 टी20 में आठ कैच और एक स्टंपिंग की है। कुशाग्र के बारे में बात करते हुए, सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा, ''दिल्ली कैपिटल्स ने हमेशा युवाओं को एक मंच दिया है। हमने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू करने से पहले ऋषभ पंत, पृथ्वी शॉ और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का समर्थन किया था। और कुमार एक और खिलाड़ी हैं जिन्हें हमने चुना है, उम्मीद है कि वह हमारे लिए काम करेंगे।'' इस बीच, मध्यम तेज गेंदबाज रसिख डार को 20 लाख रुपये में खरीदा गया। उन्होंने 15 टी20 में 27.66 की औसत से 15 विकेट लिए हैं और 85 टी20 में 21.58 की औसत से 112 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को 5 करोड़ रुपये में चुना गया। कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ गहन बोली युद्ध के बाद, भारतीय ऑलराउंडर सुमित कुमार को 1 करोड़ रुपये में खरीदा गया। उन्होंने 45 टी20 में 574 रन बनाए हैं और 43 विकेट लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप को भी 75 लाख रुपये में खरीदा।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 8 विकेट से हराया, श्रृंखला 1-1 से बराबर

गकेबरहा (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को 8 विकेट से मात दी है। इस जीत से साथ मेजबान टीम ने श्रृंखला में एक-एक की बराबरी कर ली है। भारत की ओर से मिले 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने सधी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज रीजा हैंड्रिक्स और टोनी डी जोर्जी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 130 रन जोड़े। तभी हैंड्रिक्स 52 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रेसी वान डर डुसे ने टोनी का उम्दा साथ देते हुए 76 रन की साझेदारी निभाई। डुसे ने 36 रन की पारी खेली। वहीं दूसरे छोर पर युवा बल्लेबाज टोनी डी जोर्जी ने शानदार शतक लगाया और 119 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने एडन मार्करम के साथ मिलकर टीम को 45 गेंद पहले ही जीत दिला दी। भारत की तरफ से अर्शदीप और रिंकू सिंह को एक-एक सफलता मिली।

बांग्लादेशी बल्लेबाज सौम्य सरकार ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड

नेल्सन। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार ने बुधवार को नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सौम्य ने 151 गेंदों पर 111.92 की स्ट्राइक रेट से 169 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पहली पारी में कीवी गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ 22 चौके और 2 छक्के लगाए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 वर्षीय खिलाड़ी की पारी ने उन्हें न्यूजीलैंड में उपमहाद्वीप के एक खिलाड़ी द्वारा एकदिवसीय मैचों में सर्वाधिक रनों के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2009 में 'मास्टर ब्लास्टर' ने क्राइस्टचर्च में कीवी टीम के खिलाफ नाबाद 163 रन की पारी खेली थी।

उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप में किसी विदेशी मैदान पर बांग्लादेशी क्रिकेटर द्वारा सर्वाधिक रन का भी रिकॉर्ड बनाया।

मैच की बात करें तो सैक्सटन ओवल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

सौम्य सरकार (151 गेंदों पर 169 रन) और विकेटकीपर मुश्फिकुर रहीम (57 गेंदों पर 45 रन) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 'बंगाल टाइगर्स' ने 291 रन बनाए।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी और विलियम ओ'रूर्के ने अपने-अपने स्पैल में तीन-तीन विकेट हासिल किये, इनके अलावा एडम मिल्ने, जोश क्लार्कसन और आदित्य अशोक ने एक-एक विकेट लिया।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार बिटकॉइन 43 हजार डॉलर से नीचे लुढ़का

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 5 बढ़त के साथ ग्रीन जोन में और 5 गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करते नजर आ रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन आज गिरावट का शिकार होकर 43 हजार डॉलर के स्तर से भी नीचे आ गई है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,883.26 डॉलर यानी 35.67 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत भी आज 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गिर कर 2,216.48 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत, कार्डानो 1.26 प्रतिशत और डोजेकॉइन 2.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टेथर 0.04 प्रतिशत, बीएनबी 2.61 प्रतिशत, सोलाना 3.43 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.30 प्रतिशत और एवालांचे 4.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 0.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप घट कर 1.61 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 133.94 लाख करोड़ रुपये रह गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में गिरावट आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी कमी दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल 5,832 करोड़ डॉलर यानी 4.85 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 2.40 प्रतिशत कम है। अगर दुनिया की

रिकॉर्ड तेजी के बाद धड़ाम हुआ बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,610 अंक टूटा

एजेंसी

निवेशकों को एक दिन में ही 9.32 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली,। घरेलू शेयर बाजार आज जबरदस्त उतार-चढ़ाव का गवाह बना। आज के कारोबार की शुरुआत रिकॉर्ड मजबूती के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार और मजबूत होकर नए शिखर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.30 प्रतिशत और निफ्टी 1.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

रिकॉर्ड मजबूती के बाद मुनाफावसूली का दबाव बन जाने की वजह से बाजार के दोनों सूचकांक बुरी तरह से टूट गए। सेंसेक्स 72 हजार अंक के स्तर के करीब पहुंचने के बाद 1,600 अंक से भी अधिक टूट कर 70,300 अंक के करीब पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 21,600 अंक के करीब पहुंचने के बाद 500 अंक से अधिक लुढ़क कर 21,100 अंक से भी नीचे पहुंच गया।

आज के कारोबार में बाजार में चौतरफा बिकवाली नजर आई। पावर, मेटल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। सेक्टोरल फ्रंट पर देखें, तो सभी सेक्टर आज लाल निशान में बंद हुए। ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, रियल्टी और पावर इंडेक्स 2 से लेकर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज जम कर बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। बिकवाली का दबाव आज इतना अधिक था कि कई साल बाद सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 349.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 359.11 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 9.32 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,921 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 661 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,175 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 85 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,137 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 204 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 1,933 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर आज गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से सिर्फ 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 210.47 अंक की बढ़त के साथ 71,647.66 अंक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 417.88 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 71,913.07 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली के चक्कर में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। हालांकि, खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार को सपोर्ट करने की कोशिश भी की। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये सूचकांक लगातार लुढ़कता चला गया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले ऊपरी स्तर से 1,610.47 अंक टूट कर 1,134.59 अंक की गिरावट के साथ 70,302.60 अंक के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के आखिरी मिनट में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से मामूली रिकवरी करके 930.88 अंक की कमजोरी के साथ 70,506.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई का निफ्टी भी आज 90.40 अंक की बढ़त के साथ 21,543.50 अंक के स्तर पर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 139.90 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 21,593 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक को भी जोरदार गिरावट का सामना करना पड़ा। बाजार में हो रही चौतरफा बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 505.65 अंक लुढ़क कर 21,087.35 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आखिरी 10 मिनट के कारोबार में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से थोड़ी रिकवरी करके 302.95 अंक की गिरावट के साथ 21,150.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में दिनभर हुई खरीदारी के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 1.45 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.05 प्रतिशत, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 0.89 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, अडाणी पोर्ट्स 5.76 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 5.35 प्रतिशत, यूपीएल 4.44 प्रतिशत, टाटा स्टील 4.17 प्रतिशत और कोल इंडिया 4.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ममता मिली मोदी से, बकाया के समाधान के लिए केन्द्र और राज्य के अधिकारी करेंगे बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्र से राज्य के विभिन्न योजनाओं में बकाया राशि के मुद्दे के निपटारे के लिए अधिकारियों की संयुक्त बैठक का प्रस्ताव किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का केंद्र पर विभिन्न योजनाओं का 1.16 लाख करोड़ रुपये का बकाया हो गया है। पश्चिम बंगाल के अधिकारी केंद्रीय अधिकारियों के साथ इस मामले पर सौ से अधिक बैठकें कर चुके हैं पर इसका समाधान नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ह्न पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस पोस्ट के साथ बैठक के फोटो भी साझा किए गए हैं। सुश्री बनर्जी ने संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री के कार्यालय में हुई इस बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्र पर पश्चिम बंगाल में विभिन्न योजनाओं का एक लाख 16 हजार करोड़ रुपये बकाया है। उन्होंने कहा, 'रुपया नहीं मिल रहा है। जिन गरीबों ने काम किया है (मनरेगा में) उनका भी पैसा नहीं मिला है। यह भुगतान संविधान के अनुसार अनिवार्य है। यह रुपया देना

चाहिए अब तक वह नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि 2022-23 में ग्रामीण रोजगार योजना के तहत लोगों को अतरिक्त काम देने के लिए राज्यों को मिलने वाला पैसा भी उनके राज्य को नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य को गरीबों के लिए आवास योजना बंद कर दी गयी है, ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य योजनाओं को बंद कर दिया गया है, इसके लिए रुपया देना बंद कर दिया गया है और वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत मिलने वाला विशेष धन- यह सब बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, अगर कोई गलती हो तो रुपया बेशक रोक दो, पर 155 टीमों ने पश्चिम बंगाल का दौरा किया है, जो भी स्पष्टीकरण मांगा गया हमारे अधिकारियों ने दिया है। उन्होंने कहा कि वह इससे पहले भी खुद प्रधानमंत्री से तीन बार इस विषय में मिल चुकी हैं। सुश्री बनर्जी ने कहा, पीएम (श्री मोदी) ने आज कहा कि उनके अधिकारियों और हमारे अधिकारियों की संयुक्त बैठक होगी। पहले भी इस तरह की बैठकों में स्पष्टीकरण दिए जा चुके हैं। पर जरूरत होगी तो और स्पष्टीकरण दिए जा सकते हैं। उन्हें मुद्दे को संघीय व्यवस्था के तहत हल करना चाहिए। हम योजनाओं के लिए केंद्र के हिस्से का धन नहीं पा रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने हमारी बात धैर्य से सुनी और कहा कि दोनों तरफ के अधिकारियों की टीमें बैठ कर इसका समाधान कर लेंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कई बार कह चुकी हैं कि नियमों के अनुसार राज्यों को कई योजनाओं के लिए खर्च का पैसा केंद्र से तभी जारी किया जाता है जब कि संसाधनों के पहले के उपयोग का प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाए।

साहित्य पुरस्कार अकादमी 2023 घोषित

एजेंसी

नयी दिल्ली। साहित्य अकादमी पुरस्कार,2023 की घोषणा बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कर दी गयी जिसमें हिंदी के लिए संजीव , अंग्रेजी के लिए नीलम शरण गौर और उर्दू के लिए सादिका नवाब सहर को पुरस्कृत करने की बात कही गयी।

साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सभी 24 भारतीय भाषाओं के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2023 घोषित किए गए हैं, जिनमें नौ कविता-संग्रह, छह उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, तीन निबंध, तथा एक आलोचना की पुस्तक शामिल हैं। पुरस्कारों की अनुशंसा 24 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समिति ने की है तथा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में इन्हें अनुमोदित किया गया है।

हिंदी के लिए संजीव (मुझे पहचानो, उपन्यास), अंग्रेजी के लिए नीलम शरण गौर (रेक्युम इन रागा जानकी,उपन्यास), पंजाबी के लिए स्वर्णजीत सवी (मन दी चिप, कविता-संग्रह) और उर्दू के लिए सादिका नवाब सहर (राजदेव की अमराई, उपन्यास) को पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी। कविता के लिए विजय वर्मा (डोगरी), विनोद जोशी (गुजराती), मंशूर बनिहाली (कश्मीरी), सोरोख्खैबम गंभिनी (मणिपुरी), आशुतोष परिडा (ओड़िआ), स्वर्णजीत सवी (पंजाबी), गजेसिंह राजपुरोहित (राजस्थानी), अरुण रंजन मिश्र (संस्कृत), विनोद आसुदानी (सिंधी) हैं। उपन्यास के पुरस्कृत लेखक स्वपनमय चक्रवर्ती (बाङ्ला), कृष्णात खोत (मराठी), राजशेखरन (देवीभारती) (तमिल) है।

कहानी के लिए प्रणवज्योति डेका (असमिया), नंदेश्वर दैमारि (बोडो), प्रकाश एस. पर्येकार (कोंकणी), तारासीन बास्की (संताली) और टी. पतंजलि शास्त्री (तेलुगु) शामिल है। निबंध के लिए लेखक लक्ष्मीशा तोल्पडि (कन्नड), बासुकीनाथ झा (मैथिली), युद्धवीर राणा (नेपाली) है और आलोचना के लिए ई.वी. रामकृष्णन (मलयालम) का चयन किया गया है। श्री श्रीनिवासराव ने कहा कि सभी साहित्यकारों को पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। पुरस्कार अर्पण समारोह अगले साल 12 मार्च को होगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों को संबंधित भाषा के त्रि-सदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन-प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है। नियमानुसार कार्यकारी मंडल ने निर्णायकों के बहुमत अथवा सर्वसम्मति के आधार पर चयनित पुस्तकों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की है। ये पुरस्कार, पुरस्कार-वर्ष से पिछले पाँच वर्ष यानी, एक जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर दिए गए हैं।

भारत का सड़क बुनियादी ढांचा अगले पांच वर्षों में अमेरिका जैसा होगा : गडकरी

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत ने अगले पांच साल में अपने सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के जैसा बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

श्री गडकरी ने कहा कि एक व्यापक रणनीति के तहत सरकार महानगरों की भीड़ को कम करने, यात्रा समयावधि घटाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पिछले नौ वर्षों में उनके मंत्रालय ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आवंटित की हैं और मौजूदा नीतियों को बेहतर कर अनुबंध मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है। उन्होंने कहा, ह्नकिसी भी ठेकेदार को अनुबंध की मंजूरी के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है। हम पारदर्शी, समयबद्ध, परिणाम-उन्मुख,

गुणवत्ता-सचेत और तेजी से निर्णय लेते हैं। हम मंत्रालय, ठेकेदारों और बैंकरों को एक परिवार मानते हैं। हम अच्छे काम को प्रोत्साहित करते हैं और यही कारण है कि हमारे पास सात विश्व रिकॉर्ड हैं। जो मंत्रालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मनोरमा ईयरबुक 2024 में प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझे विश्वास है कि पांच वर्षों के बाद, हमारी सड़क संरचना अमेरिका के बराबर होगी। मंत्री ने कहा, भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग हाल ही में जापान को पीछे छोड़कर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हमारा उद्योग 7.5 लाख करोड़ रुपये का है और राज्यों और केंद्र सरकार को अधिकतम माल एवं सेवा कर (जीएसटी) इसी क्षेत्र से मिलता है। अबतक इस उद्योग ने 4.5 करोड़ नौकरियां सृजित की हैं। मेरा सपना अगले पांच साल में देश के वाहन उद्योग के आकार को दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचाने का है। इसी तरह हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी पहले से ही सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं और लोग भारत के साथ काम करने में अधिक रुचि रखते हैं। उन्होंने जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों वकालत करते हुए कहा कि इसका आयात बिल 16 लाख करोड़ रुपये है। फ्लेक्स इंजन वाले कुछ वाहन अब पेट्रोल के बजाय इथेनॉल द्वारा संचालित हो रहे हैं। इससे ईंधन की औसत लागत 15 रुपये हो जाएगी क्योंकि इथेनॉल की दर 60 रुपये मात्र है और इससे बिजली भी पैदा होगी। उन्होंने बताया कि वह अब इथेनॉल पंप खोल रहे हैं।

कोविड के बढ़ते मामलों की समीक्षा की मांडविया ने

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने देश के कुछ हिस्सों में बढ़ते कोविड-19 मामलों के मद्देनजर निगरानी, रोकथाम और प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की स्थिति और तैयारियों की बुधवार को समीक्षा की तथा किसी परिस्थिति का सामना करने के लिए केंद्र - राज्य सरकारों के आपसी सहयोग की आवश्यकता बतायी।

श्री मांडविया ने आज यहां कोविड समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सतर्क रहना और कोविड-19 के नए और उभरते प्रकारों के लिए तैयार रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोविड-19 के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता दोहराई। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी शामिल हुए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में शामिल होने वाले राज्य मंत्रियों में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री अलो लिबांग, उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक और उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने बैठक में भाग लिया। इनके अलावा कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज, केरल की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती वीणा जॉर्ज, गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत प्रतापसिंह राणे, असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज, हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रोफेसर डॉ. तानाजीराव सावंत, तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, मणिपुर के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सपम रंजन, ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री निरंजन पुजारी और पुडुचेरी के प्रशासक रंगास्वामी ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने में केंद्र सरकार की सभी प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया।और राज्यों ने भी सहयोग करने पर सहमति जतायी। श्री मांडविया ने कहा कि देश में फैल रहे नए कोविड रूप का समय पर पता लगाने को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय सार्स कोव -2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम नेटवर्क के माध्यम से संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए निगरानी प्रणाली को मजबूत करने का आवश्यकता है। उन्होंने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से परीक्षण में तेजी लाने को कहा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सभी राज्यों से सतर्क रहने, निगरानी बढ़ाने और दवाओं, ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर तथा टीकों का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों से क्षमता का आकलन करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर हर तीन महीने में मॉक ड्रिल करने को कहा। उन्होंने राज्यों से जागरूकता पैदा करने और सही जानकारी का प्रसार सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने राज्यों को केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

बैठक में कोविड -19 स्थिति पर एक प्रस्तुति दी गयी और कहा गया कि भारत में सक्रिय कोविड ????मामले वैश्विक परिदृश्य की तुलना में बहुत कम हैं। देश में कोविड के रोगी 92.8 प्रतिशत होम आइसोलेशन में हैं। अस्पताल में भर्ती होने की दर में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है। कोविड के नये मामले केरल, महाराष्ट्र, झारखंड और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में सामने आये हैं। कोविड के नये रुप पर बैठक में बताया कि जे एन -1 की वर्तमान में गहन जांच चल रही है, लेकिन तत्काल चिंता का कारण नहीं है। बैठक में चीन, ब्राजील, जर्मनी और अमेरिका जैसे दुनिया भर के कुछ देशों में कोविड -19 के मामलों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न चुनौती को देखते हुए कहा गया कि आगामी त्योहारी मौसम को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार और सतर्क रहना महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से उचित सार्वजनिक स्वास्थ्य योजना बनाने के और कोविड -19 मामलों, लक्षणों और मामले की गंभीरता से निगरानी करने का अनुरोध किया।

भाजपा सदस्यों ने की धनखड़ के अपमान की घोर निंदा

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एवं उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को संसद परिसर में मजाक उड़ाने की गतिविधियों का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों और मंत्रियों ने सदन में घोर निंदा करते हुए प्रश्नकाल में खड़े होकर कार्यवाही में भाग लिया। आज राज्य सभा में सुबह चार बार के स्थगन के बाद प्रश्नकाल शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच सभापति की ओर मुखातिब होते हुये कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने इस वीडियो को बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया है जो बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने संवैधानिक पद के साथ ही एक किसान के पुत्र और जाट का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने 20 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान करते आ रहे हैं क्योंकि वे भी पिछड़ी जाति से हैं। श्री जोशी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का भी इन लोगों ने अनुसूचित जनजाति से होने के कारण उनका अपमान कर चुके हैं। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद पर आसीन व्यक्ति का अपमान करने पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस कृत्य और सभापति के आदार में भारतीय जनता पार्टी के सभी सदस्य और मंत्री सदन में खड़े होकर प्रश्नकाल में भाग लेंगे। इसके बाद प्रश्नकाल शुरू हुआ। एक प्रश्न होने के बाद सभापति ने खड़े सदस्यों और मंत्रियों से बैठकर कार्यवाही में भाग लेने की अपील की जिस पर सभी सदस्य अपनी अपनी सीटों पर बैठ गये।

मार्च 2024 तक जितना चलो उतना टॉल चुकाने की व्यवस्था होगी शुरू: गडकरी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि मार्च 2024 तक देश में राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस वे पर जितना चलो उतना टॉल चुकाने की व्यवस्था शुरू हो जायेगी। श्री गडकरी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि इस प्रौद्योगिकी का परीक्षण दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर किया गया है। अब इसको पूरी तरह से लागू करने की तैयारी चल रही है। इसमें लोकेशन आधारित टॉल की व्यवस्था है। इसमें जितना किलोमीटर वाहन टॉल रोड पर चलेगा उतना किलोमीटर का ही टॉल देना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैंकों और प्रौद्योगिकी कंपनियों को मिलकर एक कंपनी बनायी जा रही है जो इस व्यवस्था को संचालित करेगी। इससे राष्ट्रीय भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सलाना करीब 15 हजार करोड़ रुपये की बचत हो सकती है।

पेज एक का शेष

आपराधिक न्याय...

कानून, जिनसे हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली चलती है, उन तीनों कानूनों में पहली बार मोदी जी के नेतृत्व में भारतीयता, भारतीय संविधान और भारत की जनता की चिंता करने वाले बहुत आमूल-चूल परिवर्तन लेकर मैं आया हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) जो 1860 में बना था, उसका उद्देश्य न्याय देना नहीं बल्कि दंड देना ही था। उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 इस सदन की मान्यता के बाद पूरे देश में अमल में आएगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 इस सदन के अनुमोदन के बाद अमल में आएगी। और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 अमल में आएगा। उन्होंने कहा, राज्य का सबसे पहला कर्तव्य न्याय होता है। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका... लोकतंत्र के तीन स्तंभ्भ हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश को मजबूत प्रशासन देने के लिए इन तीनों के बीच काम का बंटवारा किया। आज पहली बार ये तीनों मिलकर देश को दंड केंद्रित नहीं, न्याय केंद्रित आपराधिक न्याय प्रणाली देंगे।ह्न उन्होंने कहा कि सीआरपीसी में पहले 484 धाराएं थीं, अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं होंगी, 177 धाराओं में बदलाव हुआ है। 9 नई धाराएं जोड़ी गई हैं, 39 नयी उपधाराएं जोड़ी गई हैं, 44 नए प्रावधान और स्पष्टीकरण जोड़े गए हैं, 35 धाराओं में समयसीमा जोड़ी है और 14 धाराओं को हटा दिया गया है। श्री शाह ने कहा, पहली बार हमारे संविधान की भावना के हिसाब से कानून अब श्री मोदी के नेतृत्व में बनने जा रहे हैं। 150 साल के बाद इन तीनों कानूनों को बदलने का मुझे गर्व है। कुछ लोग कहते थे कि हम इन्हें नहीं समझते, मैं उन्हें कहता हूं कि मन अगर भारतीय रखोगे तो समझ में आ जाएगा। लेकिन अगर मन ही इटली का है, तो कभी समझ नहीं आएगा। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, ये अंग्रेजों का शासन नहीं है, ये कांग्रेस का शासन नहीं है, ये भाजपा और नरेन्द्र मोदी का शासन है.... यहां आतंकवाद को बचाने की कोई दलील काम नहीं आएगी।ह्न उन्होंने कहा आतंकवाद की व्याख्या अब तक किसी भी कानून में नहीं थी। पहली बार अब मोदी सरकार आतंकवाद को व्याख्यायित करने जा रही है जिससे इसकी कमी का कोई फायदा न उठा पाए। इसके साथ-साथ राजद्रोह को देशद्रोह में बदलने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ह्नअंग्रेजों द्वारा बनाया गया राजद्रोह का कानून, जिसके तहत तिलक महाराज, महात्मा गांधी, सरदार पटेल... हमारे बहुत सारे स्वतंत्रता सेनानी सालों साल जेल में रहे और वह कानून आज तक चलता रहा। जब विपक्ष में रहते थे, तब विरोध करते थे, लेकिन सत्ता में आते थे, तो इसका दुरुपयोग ?करते थे। पहली बार मोदी सरकार ने राजद्रोह कानून को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया। मॉब लिंचिंग घृणित अपराध है और हम नए कानून में मॉब लिंचिंग अपराध के लिए फांसी की सजा का प्रावधान कर रहे हैं। लेकिन मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आपने भी वर्षों देश में शासन किया है, आपने मॉब लिंचिंग के खिलाफ कानून क्यों नहीं बनाया? आपने मॉब लिंचिंग शब्द का इस्तेमाल सिर्फ हमें गाली देने के लिए किया, लेकिन सत्ता में रहे तो कानून बनाना भूल गए।उन्होंने कहा कि विधेयक में जो प्रावधान किए गए हैं उनसे आम लोगों को आसानी से न्याय मिलेगा और पुलिस जिस तरह से लोगों को उलझाया करती थी उससे सभी को मुक्ति मिलेगी। उनका कहना था इस विधेयक में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल साक्ष्यों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक शिकायत करने पर पुलिस 10 साल में भी कई बार मामले में कार्रवाई कर सकती थी लेकिन नए कानून के अनुसार यदि छोटी सजा वाले अपराध हैं तो पुलिस को 3 दिन के भीतर कारवाई करनी होगी। बलात्कार के मामले में 7 दिन की भीतर रिपोर्ट सीधे न्यायालय में भेजी जा सकेगी। आरोप पत्र के मामले में अब तक 60 से 90 दिन के भीतर आरोप पत्र देना पड़ता था लेकिन पुलिस जांच हो रही है, ऐसा कहकर मामले को सालों तक लटका देती थी लेकिन अब कानून में प्रावधान किया गया है कि 60 से 90 दिन में तो आरोप पत्र दाखिल होगा। मतलब समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन 90 दिनों के बाद यदि जांच का समय चाहिए तो उसके लिए अलग से आदेश लेना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट के सामने भी मामले को ले जाने पर समय सीमा 14 दिन निर्धारित कर दी गई है और 14 दिन के अंदर मामले को संज्ञान में लेना ही होगा। नए प्रावधानों में व्यवस्था की गई है कि देश को हिला देने वाले मामलों में यदि आरोपी अपराध करके पाकिस्तान या किसी अन्य देश भाग कर चला जाता है तो 90 दिनों के भीतर उसके खिलाफ मामला भी होगा और सजा दी जाएगी। कानून में इसकी पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्री शाह ने कहा कि यह नहीं हो सकता है कि आप देश पर हमला करें, देश की नागरिकों को मारें और आपको सजा नहीं मिले। न्याय चाहिए तो आपको इसी देश के कानून के अनुसार काम करना पड़ेगा यह विधान इस नए कानून में किया गया है। अपराध करोगे और सोचोगे कि देश से बाहर जाने पर बच जाएंगे तो यह संभव नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि यौन उत्पीड़न के मामले में भी नए कानून में विशेष व्यवस्था की गई है। उसमें पीड़िता के माता-पिता को बयान के समय सामने रहने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय की प्रक्रिया में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को शामिल किया जा रहा है। न्यायालय में जो दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम से पेश किए जाएंगे वे मान्य होंगे। उनका कहना था कि इन उपकरणों का इस्तेमाल सटीक साक्ष्य बने इसके लिए विशेषज्ञों की विशेष सहायता ली गई है। फोरेंसिक लैब से लेकर सारे विशेषज्ञों के सुझाव के आधार पर मामले की सत्यता सटीक साक्ष्य बनाने के लिए विशेषज्ञों की विशेष सहायता ली गई है ताकि साक्ष्य को न्यायालय में स्वीकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे देश के सभी थानों में इन्हें साक्ष्य माना जाएगा और जब यह काम पूरा हो जाएगा तो पूरी दुनिया में भारत डिजिटल तरीके से न्याय देने वाले प्लेटफार्म पर सबसे प्रमुख देश के रूप में शामिल होगा। उन्होंने डीएनए को लेकर के कहा कि इस मामले में कई बार पहचान को छुपाने की बात आती है लेकिन अब व्यवस्था इस तरह से की गई है कि किसी युवती के साथ अन्याय नहीं हो और जो आरोपी है उसे सजा मिल सके। पीट पीट कर मारने के मामले पर उन्होंने कहा कि 5 से ज्यादा लोग यदि किसी व्यक्ति की हत्या में शामिल होते हैं तो सब गुनाहगार होंगे और उनको एक ही सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद लोगों को कानूनी सुगमता उपलब्ध कराना है। पुलिस जिस तरह से लोगों को उलझाने का काम करती है उससे आम आदमी को मुक्ति मिले, यह प्रयास इसमें किया गया है।

मोहम्मद शमी...

(मल्लखंभ), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरवी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) का चयन किया गया है। ध्यानचंद जीवन पर्यंत पुरस्कार के लिए कविता सेल्वराज (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) और विनीत कुमार शर्मा (हॉकी) को चुना गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार का फैसला करने के लिए 12 सदस्यीय समिति गठित की थी।

खड़गे को विपक्ष का...

श्री केजरीवाल ने हमारा समर्थन किया। लोग पूछते हैं कि आप की ओर से किसका नाम है, इसीलिए यह प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि खड़गे जी का नाम होगा तो अच्छा रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इससे जनता दल यूनाइटेड के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार नाराज हैं तो उन्होंने कहा, ह्नमुझे नहीं लगता कि इससे कोई नाराज है। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। सुश्री बनर्जी ने संसद में गतिरोध और राज्य सभा के उप सभापति को विपक्षी सांसदों द्वारा प्रहसन का विषय बनाए जाने के विवाद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के विषय में कुछ नहीं बोलती हैं और यहां भी कुछ नहीं बोलेंगी। उन्होंने कहा कि आप इस विषय में बांद्योपाध्याय (सुदीप्त) और ओ ब्रायन (डेरेक) से बात करें। वे इसका जवाब देने में समर्थ हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम में वीवीपैट की शत-प्रतिशत गणना होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ को प्रहसन का विषय बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, यह असम्मान का मामला नहीं है। हम किसी का असम्मान नहीं करते, हम सबका सम्मान करते हैं। साथ में उन्होंने संसद भवन परिसर में कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा सभापति श्री धनखड़ की शैली की नकल करते हुए अभिनय करने और उसका वीडियो बनाए जाने के मामले को तूल नहीं दिए जाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, 'यह डिसरेस्पेक्ट (असम्मान नहीं है) नहीं है, यह केवल एक कैजुअली, पोलिटिकली (राजनीति में हल्की फुल्की) ... आप को इसका पता भी नहीं लगता यदि राहुल गांधी ने इसका ..वीडियो न बनाया होता।

मोदी सरकार ने ...

एक बार विवाह का भी मुद्दा उठाया और कहा कि देश की महिलाओं के हित में महिला आरक्षण को तुरंत क्रियान्वित किया जाना चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) तथा अन्य समुदाय की महिलाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से जम्मू कश्मीर में शीघ्र चुनाव कराने की मांग की और कहा कि जम्मू कश्मीर में अब सिर्फ परिसीमन से काम नहीं चलेगा और इस दिशा में आगे भी बढ़ना होगा। कांग्रेस नेता ने सरकार पर देश में एकता की भावना को कम करने का आरोप लगाया और कहा कि विविधता ही वह ताकत है जिससे भारत को दुनिया के देशों के बीच प्रतिष्ठित किया है। जिस तरह से विविध धर्मों, जातियों और नस्लों ने सह-अस्तित्व में रहते हुए हमारे राष्ट्र को गरिमा दी है, वह अनूठी है, लेकिन मोदी सरकार और भाजपा के कार्यों ने इस एकता की भावना को कमजोर कर दिया है। हमारे संविधान पर हमला हो रहा है। आर्थिक असमानताएँ बढ़ रही हैं और आर्थिक विकास के बारे में प्रधानमंत्री के दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर आ गया है। श्रीमती गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया और कहा कि बेरोजगारी दशकों की तुलना में बहुत अधिक है और उद्योगपतियों के चुनिंदा गुट के हाथों में पैसा सौंपा जा रहा है। रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। गरीबों को परेशानी हो रही है, लेकिन सरकार किसी की नहीं सुन रही है, इसलिए हम इन मुद्दों को जनता के बीच ले जाएंगे। हम उन ताकतों के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे, जो सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रहे हैं जो हमारी शान रही है। उन्होंने तेलंगाना में पार्टी को सत्ता दिलाने के लिए वहां के लोगो को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके भरोसे और विश्वास पर खरा उतरने के लिए पार्टी को हरसंभव प्रयास करना चाहिए। श्रीमती गांधी ने विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार का उल्लेख करते हुए कहा, ''यह कहना ठीक नहीं है कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव परिणाम पार्टी के लिए बहुत निराशाजनक रहे हैं। हार के कारणों को समझने और संगठन के लिए आवश्यक सबक लेने के वास्ते कांग्रेस अध्यक्ष पहले ही समीक्षा का पहला दौर आयोजित कर चुके हैं। हम भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, फिर भी मुझे विश्वास है कि हमारी दृढ़ता और लचीलापन हमें सफल बनाएगा। इस कठिन समय में हमारी विचारधारा और हमारे मूल्य हमारे मार्गदर्शक हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि हमारे नेताओं ने आजादी के लिए बड़े साहस और धैर्य से दुर्गम बाधाओं से लड़ाई लड़ी। उन्होंने आगे की लड़ाई के लिए तैयार रहने की सलाह देते हुए कहा, ''अगले कुछ महीनों में लोकसभा चुनाव होने हैं। एक पार्टी के साथ ही हमें इंडिया गठबंधन के तौर पर भी काम करना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पहले ही हमारी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। हमारे स्थापना दिवस पर नागपुर में आयोजित की जा रही रैली इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

नरेन्द्र मोदी बनेंगे...

सहायता राशि अभी तक नही दिया जाता था लेकिन अब उन्हे सहायता राशि उपलब्ध कराया जा रहा है। खेलो इण्डिया मे एक हजार करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए सरकार द्वारा विदेशो मे भेजा गया है। उन्होने कहा कि भारत विकास की ओर निरन्तर अग्रसर है, भारत मे पहले वायुयान नहीं बनते थे। सस्ती दवा नही मिल पाती थी लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमन्त्री बने है तब से भारत दवा,वायुयान सहित अन्य चीजों का उत्पात शुरू करके कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। आटोमोबाइल मे जापान को पीछे छोड़ कर भारत दूसरे नम्बर पर हो गया है। प्रत्येक गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। 70 साल की प्लेन क्रैश हो जाती थी लेकिन अब भारत ने अब नये विमान का निर्माण करके सर्वागीण विकास कर रहा है। पहले पुलिस के पास बुलट प्रुफ जैकेट नही थे लेकिन भाजपा सरकार ने 5 लाख बुलेट प्रुफ जैकट आवंटित करके सुरक्षा को देखते हुए नया कार्य किया है। अब भारत मे बुलट प्रुफ जैकेट का निर्माण हो रहा है। उन्होने कहा कि भारत के लगभग 13 लाख 50 हजार परिवार गरीबी से उपर उठ है धनतेरस मे भारत के 55 लाख लोगो ने नई गाड़िया खरीदी है। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 5 वर्ष के भीतर उत्तर प्रदेश मे 27 मेडिकल कालेज का निर्माण कराया है।

गुरिल्ला स्वयंसेवकों की जिन समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकता है, वे किये जाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सचिवालय में एस.एस.बी. से प्रशिक्षित राज्य के गुरिल्ला स्वयंसेवकों की समस्याओं को सुना। विभिन्न जनपदों से गुरिल्ला स्वयंसेवक वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयंसेवकों को आजीविका से जोड़ने के लिए प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि गुरिल्ला स्वयंसेवकों की जिन समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकता है, वे किये जाएं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से भी गुरिल्ला प्रशिक्षकों के लिए मदद के लिए प्रस्ताव भेजकर अनुरोध किया जायेगा। मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम, निजी सुरक्षा एजेंसियों में

मुख्यमंत्री ने सुनीं गुरिल्ला स्वयंसेवकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

सुरक्षा कर्मी, होमगार्ड में प्रशिक्षक, फॉरेस्ट फायर वॉचर, पुलिस विभाग के अन्तर्गत ग्राम चौकीदार, लोक निर्माण विभाग में विभिन्न कार्यों, वन विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अन्य क्षेत्रों में गुरिल्ला स्वयं सेवकों की सेवाओं का लाभ कैसे लिया जा सकता है, इस दिशा में ध्यान दिया जाए। उन्होंने अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को निर्देश दिये कि संबंधित विभागों द्वारा राज्य के प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने और उनके प्रशिक्षण का लाभ राज्य को भी मिल सके, इस दिशा में जो भी कार्यवाही की जा सकती है, इसके अनुपालन में समय-समय पर बैठक ली जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, डीजीपी अभिनव कुमार, कमांडेंट जनरल होमगार्ड केवल खुराना, डीआईजी/ अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव विनीत कुमार, ललित मोहन रयाल, अत्तर सिंह, संबंधित विभागीय अधिकारी और वर्चुअल माध्यम से एस.एस.बी. द्वारा प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयंसेवक उपस्थित थे।

प्रदेश में एसएमजेएन के छात्र कर रहे हैं महाविद्यालय को गौरवान्वित: रविन्द्र पुरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भाला फेंक में प्रथम रही मोनिका, ओजस ने लगायी सबसे लम्बी छलांग

हरिद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार ने श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीथॉल अन्तर्महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता में एसएमजेएन कॉलेज के खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर मेडल प्राप्त किए और महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

इस बाबत कालेज के मुख्य खेलकूद अधीक्षक डॉ. तेजवीर सिंह तोमर ने बताया कि महाविद्यालय के समस्त विजयी और प्रतिभागियों छात्र-छात्राओं को कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्र पुरी महाराज ने पुरस्कृत किया। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि खेलों और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता तभी अर्जित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में एसएमजेएन के छात्र अपने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा ने समस्त विजयी एवं समस्त प्रतिभागी छात्र-छात्रा को अपनी शुभकामनायें प्रेषित की तथा मुख्य खेलकूद अधीक्षक प्रो. तेजवीर सिंह तोमर, खेलकूद अधीक्षक डॉ. सुषमा नयाल, खेलकूद अधीक्षक मनोज मलिक, रंजीता व मधुर अनेजा को धन्यवाद प्रेषित किया।

मुख्य खेलकूद अधीक्षक प्रो. तेजवीर सिंह तोमर ने बताया कि भाला फेंक प्रतियोगिता में मोनिका ने प्रथम स्थान, 100 मीटर दौड़ में कीर्ति ने तृतीय स्थान, त्रिकूद में पूजा ने द्वितीय स्थान व नेहा असनवाल ने तृतीय, ओजस कोठारी ने लम्बी कूद में प्रथम स्थान, उंची कूद में ओजस कोठारी ने द्वितीय स्थान, गोला फेंक में पार्थ शर्मा ने द्वितीय तथा हेमर थ्रो में अमन राजौरिया ने तृतीय स्थान कर कॉलेज व जनपद को गौरवान्वित किया है। प्रो. तोमर ने बताया कि 4 मीटर रिले दौड़ छात्र वर्ग में आलोक, वंश अनेजा, साहिल राणा व जॉनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दौड़ छात्रा वर्ग में भी प्रिया, पूजा, मोनिका तथा कीर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रिले दौड़ छात्रा वर्ग में प्रीति, तानिया, गीतिका नेगी व नेहा असनवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, प्रो. जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. मोना शर्मा, वैभव बत्रा, श्रीमती रिचा मिनोचा, डॉ. शिव कुमार चौहान, डॉ. मिनाक्षी शर्मा, डॉ. अमिता मल्होत्रा, डॉ. लता शर्मा, डॉ. आशा शर्मा, कार्यालय अधीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डेय आदि ने अपनी शुभकामनायें प्रेषित की।

संक्षिप्त समाचार

शहरी मंत्री प्रेमचंद ने मंसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों के साथ की बैठक

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने मंसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर ऋषिकेश में पार्किंग आदि के सम्बंध में वार्ता की। इस दौरान जल्द पार्किंग की डीपीआर बनाने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में पार्किंग समस्या का निदान करना हमेशा उनकी प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऋषिकेश में पार्किंग का जल्द निर्माण कराने के लिए जल्द डीपीआर बनाए, जिससे निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। इसके बाद डॉ अग्रवाल ने निर्देश दिए कि रायवाला से ऋषिकेश बाजार की ओर फ़साड़ योजना से कार्य किया जाए, जिससे नगर का सौंदर्यीकरण किया जा सके। डॉ अग्रवाल ने यह भी निर्देश दिये कि हाईवे में डिवाइडरों के सौंदर्यीकरण के लिए रंगाई और पौधे लगाए जाएं। इस मौके पर उपाध्यक्ष वंशीधर तिवारी, सचिव मोहन सिंह बर्निया उपस्थित रहे।

ई रिक्शा चोरी का आरोपित दबोचा, ई रिक्शा बरामद

हरिद्वार। पुलिस ने ई रिक्शा चोरी के आरोपित को गिरफ्तार करते हुए चोरी का ई रिक्शा भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। इंदिरा विहार कॉलोनी सुनहरा रोड रुड़की कोतवाली गंगनहर निवासी विक्रम सिंह पुत्र स्व. बृजमोहन ने 26 सितम्बर को अपनी ई रिक्शा चोरी होने संबंध में पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए छछरौली थाना मोरना मुज्जफरनगर यूपी से आरोपित को चोरी की ई रिक्शा के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम 39 वर्षीय रवि वर्मा उर्फ सोनू पुत्र स्व. सतपाल निवासी पुरानी तहसील नकली चाय वाली गली रुड़की कोतवाली गंगनहर, हरिद्वार हाल निवासी ग्राम छछरौली थाना मोरना जनपद मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश बताया।

एसडीएम व ड्रग्स इंस्पेक्टर के नेतृत्व में लक्सर क्षेत्र मेडिकल स्टोरों पर चला अभियान

हरिद्वार। मेडिकल स्टोरों में अनियमितता पाये जाने, प्रतिबन्धित दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाये जाने के लिए लक्सर क्षेत्र में उप जिलाधिकारी लक्सर व ड्रग्स इंस्पेक्टर ने लक्सर पुलिस के साथ संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया,जिसमें मेडिकल स्टोरों में अनियमितता पाये जाने पर कड़ी फटकार लगायी व प्रतिबन्धित दवाओं की बिक्री पर पूर्णता अंकुश लगाये जाने के लिए मेडिकल स्टोर स्वामियों को कड़े दिशा निर्देश दिये गये। भविष्य में किसी भी मेडिकल स्टोर में अनियमितता पाये जाने या प्रतिबन्धित दवाओं की बिक्री की शिकायत मिलने पर विधिक कार्रवाई अमल में लायी जाने की भी चेतावनी दी गई।

फ्लाई ओवर के नीचे खाली जगह पर बनेंगे पार्किंग और खेल के मैदान : अंशुल सिंह

हरिद्वार। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा अतिक्रमण रोकने और शहर के सौन्दर्यीकरण के लिए नई शुरुआत की गई है। प्राधिकरण के द्वारा फ्लाई ओवर के नीचे खाली पड़े स्थानों पर पार्किंग, बास्केटबॉल और बैडमिंटन के मैदान बनाने की योजना बनाई है। खेलों को लेकर प्राधिकरण की इस पहल का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी स्वागत किया है। उन्होंने कल देहरादून में खेल महाकुंभ का उदघाटन करते समय इस बात की चर्चा की। बुधवार को हरिद्वार- रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने शंकराचार्य चौक पर निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को तय समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि हरिद्वार में फ्लाई ओवर के नीचे खाली पड़े स्थानों पर पार्किंग और खेल के मैदान डेवलप किए जा रहे हैं। पहले चरण में शंकराचार्य चौक पर फ्लाई ओवर के नीचे ही बैडमिंटन, बास्केटबॉल और पार्किंग बनाई जा रही है। इसके बाद उत्तरी हरिद्वार में भी ऐसे ही पार्क और खेल के मैदान बनाए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस योजना से फ्लाई ओवर के नीचे होने वाले अतिक्रमण पर रोक लगेगी और शहर के बच्चों को स्वच्छ वातावरण में खेलने का मौका भी मिलेगा।

राज्य स्तरीय जु-जित्सु प्रतियोगिता के लिए हल्द्वानी में 23 से लगेगा खिलाड़ियों का जमावड़ा

हल्द्वानी। जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वावधान में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 23 से 25 दिसंबर तक हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 जिलों के पांच सौ से ज्यादा खिलाड़ी और 40 आफिशियल्स भाग लेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ 24 दिसंबर को जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एशियाई कोच विनय कुमार जोशी करेंगे। इस प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ी 24 एवं 25 फरवरी 2024 को देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित बहुउद्देशीय खेल परिसर में जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित राष्ट्रीय जु-जित्सु चैंपियनशिप- 2024 में प्रतिभाग करेंगे। कार्यकारी निदेशक जोशी ने बताया कि हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने जा रही उत्तराखंड स्टेट जु-जित्सु चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए उत्तराखंड सरकार की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य 25 दिसंबर को पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होकर पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित करेंगी। प्रतियोगिता में जु-जित्सु खेल की नेवाजा, फाइटिंग, कांटेक्ट एवं डुओ-शो स्पर्धा का आयोजन विभिन्न भार वर्गों में होगा। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय महासचिव अमित अरोड़ा, प्रदेश अध्यक्ष रशिका सिद्धिकी, संरक्षक रवि मोहन अग्रवाल, मुख्यमंत्री पत्रकार कल्याण कोष के सदस्य दिनेश जोशी, कैलाश सिंह बिष्ट, सुभाष गुप्ता सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तथा गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे।

सिलक्यारा सुरंग हादसे को 38 दिन बीते, नहीं शुरू हुआ कार्य, कंपनी ने कहा-25 दिसंबर से शुरू होगा कार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिलक्यारा/उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिला स्थित यमुनोत्री हाइवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग हादसे को 38 दिनों बीत चुके हैं, लेकिन अभी सुरंग निर्माण कार्य दोबारा से शुरू नहीं हो सका है। हालांकि सुरंग निर्माण कार्य पुनः शुरू होने को लेकर मीडिया में तैर रही खबरों को नवयुगा कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश पंवार ने खारिज किया है। प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश ने कहा कि सुरंग का दोबारा से निर्माण कार्य शुरू करने को लेकर अभी तक मंत्रालय की तरफ से कोई आदेश नहीं आया है। कंपनी को इस आदेश का इंतजार है। इस आदेश के आने के बाद दोबारा से सिलक्यारा सुरंग निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा है कि टनल के अंदर मलबा आने के बाद अंदर पानी इकट्ठा हो चुका है, उसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है। गौरतलब है कि सिलक्यारा निर्माणाधीन सुरंग में 12 नवंबर की तड़के भूस्खलन होने से 41 मजदूर फंस गए थे। 17 दिनों तक रेस्क्यू अभियान के बाद सभी श्रमिकों को 28 नवम्बर को सकुशल बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन तब से ही सुरंग के निर्माण का काम बंद पड़ा है। सड़क मंत्रालय की ओर से गठित विशेषज्ञ जांच समिति ने सिलक्यारा हादसे की जांच करने को टीम मौके पर भी पहुंची थी, लेकिन जांच में रिपोर्ट में का खुलासा नहीं हुआ है। 4.531 किमी लंबी सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग का अब केवल 480 मीटर हिस्सा बचा हुआ है। इस हिस्से के निर्माण के लिए कंपनी ने बड़कोट सिरे से काम शुरू कर दिया है। जांच पूरी होने के बाद सिलक्यारा की ओर वाले सिरे से भी काम शुरू किया जाएगा। बताया जा रहा कि सुरंग का निर्माण नए साल 2024 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी 25 दिसम्बर को सिलक्यारा सुरंग के पास करेगी बौखनाग मंदिर के लिए भूमि पूजन- 25 दिसंबर को सिलक्यारा निर्माणाधीन टनल के मुंहाने पर नवयुगा इंजीनियरिंग निर्माण कंपनी बाबा बौखनाग के मंदिर के लिए भूमि पूजन करेगा। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश पंवार ने बताया कि बाबा बौखनाग ने मंदिर निर्माण का मुहूर्त 25 दिसंबर सोमवार को दिया है, जिसकी सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। गौरतलब है कि सिलक्यारा निर्माणाधीन टनल में 17 दिनों तक दिन -रात चले रेस्क्यू ऑपरेशन में देश-विदेशों के एक्सपर्ट और आधुनिक मशीनरी ने जब जवाब दे रहे थे, तब 26 नवंबर 2023 को बाबा बौखनाग ने कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर को वचन दिया था कि 3 दिन के भीतर सभी मजदूरों को सुरंग से सकुशल बाहर निकाल देंगे जो सही साबित हुआ। इस चमत्कार को दुनिया ने माना है। बाबा के इस चमत्कार को भारत देश ने ही नहीं माना बल्कि ऑस्ट्रेलिया से आये टनल एक्सपर्ट प्रोफ़ेसर अर्नोल्ड डिस्क ने भी माना और वे बाबा बौखनाग के चमत्कार के आगे नतमस्तक हो गये थे।

रेस्क्यू ऑपरेशन सफल होने के बाद वे राडी टाप के ऊपर स्थित बौख टीपा पर बाबा बौखनाग के दर्शन करने भी एसडीआरएफ की टीम के साथ पहुंचे थे।

पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र के जन्मदिन पर उत्तराखंड की प्रतिभाओं को हुआ सम्मान, रक्तदान शिविर लगा

देहरादून। भाजपा कार्यकर्ताओं और दून के प्रबुद्ध लोगों ने आज पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत को जन्म दिवस पर फूलमालाओं से उनका स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ जीवन व दीर्घायु की कामना की। बुधवार सुबह बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने डिफेंस कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंच कर पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र ने डीबीएस महाविद्यालय पहुंच कर छात्रों के रक्तदान शिविर का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। शिविर में लगभग 50 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसके अलावा पूर्व सीएम के जन्मदिन पर प्रदेश में विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन कर मिष्ठान वितरण किया गया। दोपहर में बालावाला के एक स्थानीय वेडिंग प्वाइंट में क्षेत्र के सैकड़ो लोगों ने फूल मालाओं से पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र का स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

घटिया निर्माण-अनुरक्षण कार्य से जुड़े ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं से होगी भरपाई : अजेंद्र अजय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति की धर्मशालाओं-विश्रामगृहों, मंदिरों में यात्रा वर्ष-2023 में हुए निर्माण-अनुरक्षण कार्यों और विश्राम गृहों में सामान आपूर्ति की गुणवत्ता जांच हेतु बनी उप समिति ने अपनी रिपोर्ट श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय को सौंप दी है। बुधवार को बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने जांच रिपोर्ट का संज्ञान लेकर आपूर्तिकर्ताओं और निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य से जुड़े संबंधित ठेकेदारों से दो सप्ताह के अंदर मानकों के अनुरूप पुनः कार्य संपादित करने के निर्देश दिये हैं। तब तक संबंधित ठेकेदारों और फर्मों के बिल भुगतान को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। इस संबंध में मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने मंदिर समिति अधिशासी अभियंता और लेखा विभाग को आदेश जारी किये हैं। साथ ही मानकों के अनुरूप कार्य किये जाने संबंधी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने एवं भविष्य में भी मानकों के अनुरूप कार्य की अपेक्षा की गयी है। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी ने बताया कि श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के विश्राम गृहों में चार धाम यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए विश्राम गृहों के रख- रखाव हेतु मरम्मत-निर्माण कार्यों तथा सामान सप्लाई निविदा में तय मानकों पर संबंधित कार्य के निर्देश हुए थे। सामान की सप्लाई तथा निर्माण अनुरक्षण कार्यों में कई शिकायतें आ रही थीं। इस पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय के निर्दश पर माह सितंबर 2023 में बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच उप समिति का गठन किया गया। सभी निर्माण कार्यों और आपूर्ति सामान की गुणवत्ता की जांच के बाद इसी माह जांच रिपोर्ट सौंपी गयी है।

राज्य गठन के बाद खेलों का तेजी से हुआ विकास: कौशिक

हरिद्वार। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं नगर विधायक मदन कौशिक ने बुधवार को 40वीं वाहिनी पीएसी प्रांगण में खेल महाकुम्भ की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का गुब्बारे हवा में छोड़कर और मशाल प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद यहां तेजी से खेलों के विकास पर पूरा ध्यान दिया गया। सभी प्रकार के खेलों के विकास के लिये आधारभूत ढांचा तैयार किया गया, उसी का परिणाम है की आज कई खेल प्रतिभायें जनपद व राज्य का नाम भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिये नई खेल नीति लाई गयी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी, स्पोर्ट्स कालेज, खेल छात्रावास के खिलाड़ियों के खेल किट तथा खेल छात्रावासों के खिलाड़ियों के दैनिक भत्ते की राशि में वृद्धि की गयी है। मदन कौशिक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने खेलो इण्डिया के तहत खेलों को गांव तक पहुंचाकर पूरे भारत को खेलों से जोड़ दिया है, जिसकी वजह से आज सुदूर गांवों के बच्चे भी पदक तालिका में अपना स्थान बना रहे हैं। नगर विधायक ने इस मौके पर उत्तराखण्ड के समस्त जिलों के विभिन्न स्कूल, कालेजों से यहां पहुंचे खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत शानदार मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर मताधिकार तथा खेल शपथ भी उपस्थित खिलाड़ियों तथा जनसमूह को दिलाई। कार्यक्रम को जिला युवा कल्याण एवं पीआरडी अधिकारी पीसी पाण्डेय ने सम्बोधित करते हुए अवगत कराया कि जनपद में खेल महाकुम्भ-2023 की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के तहत एथलेटिक्स, टेबिल टेनिस, खो-खो, कबड्डी, बॉक्सिंग, हैण्डबॉल, हॉकी, वालीबॉल की प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी।

दिल्ली में 90 लाख की डकैती का खुलासा, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। दरियागंज और स्पेशल विंग की ज्वाइंट टीम ने बागपत से दिल्ली में आकर 90 लाख की डकैती के मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य सातवां आरोपित नाबालिग है। पुलिस ने इनके पास से 76 लाख रुपये भी बरामद किया है। दरअसल, दरियागंज इलाके में इसी 13 दिसंबर की रात 90 लाख की डकैती गन प्वाइंट पर हुई थी। सात लुटेरों ने जिसमें एक बिजनेसमैन के यहां इस वारदात को अंजाम दिया था। डीसीपी संजय सेन के अनुसार सेंट्रल दिल्ली की ज्वाइंट टीम ने इस मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 76 लाख की रकम के अलावा दो देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। साथ ही वारदात के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी और मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस ने सातों आरोपितों को उत्तर प्रदेश के बागपत इलाके में छापा मारकर गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों में एक नाबालिग भी है।

शत्रु संपत्ति खुर्द बुर्द नहीं होने दूंगा : इस्लामुद्दीन अंसारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

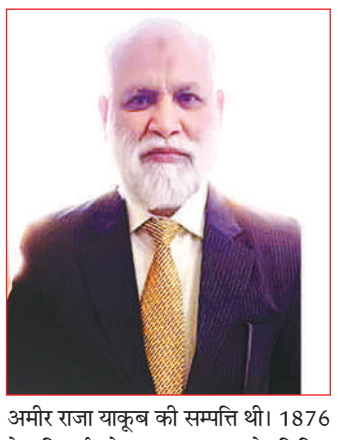

देहरादून। शत्रु संपत्ति प्रकरण में प्रशासन ने बुधवार को इस मामले में 120 बी, 419, 420, 467, 468 और 471 छह धाराएं और जोड़ दींगईं। डालनवाला थाने ने देर रात यह धाराएं जोड़ी गई हैं। शिकायतकर्ता वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रदीप नेगी इस प्रकरण जांच कर रहे हैं। इस मामले में जिन लोगों के विरुद्ध धाराएं लगाई गई हैं, उनमें भगवती प्रसाद उनियाल, शाहिद, खालिद, मोहम्मद आरिफ खान शामली उत्तर प्रदेश के नाम शामिल हैं। इस संदर्भ में बुधवार को भाजपा नेता इस्लामुद्दीन अंसारी ने कहा कि वह शत्रु संपत्ति को खुर्द बुर्द नहीं होने देंगे। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी देहरादून द्वारा शत्रु सम्पत्ति संख्या 15 बी काबुल हाउस ईसी रोड में गत दिनों सरकार बनाम भगवती प्रसाद आदि के प्रकरण को निस्तारित कर दिया था। ईसी रोड करनपुर पुलिस चौकी के पीछे वाली भूमि जो काफी समय पूर्व काबुल के अमीर राजा याकूब की सम्पत्ति थी। 1876 के रिकार्ड के अनुसार उनको ब्रिटिश सरकार की ओर से दी गई थी। याकूब के बाद उनके पुत्र सरदार मोहम्मद आजम खान, सरदार सुल्तान अहमद खान और अली खान के नाम से दर्ज हुई। 1947 में यह लोग पाकिस्तान चले गए और फिर यह सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति घोषित की गई। वर्ष 2000 में शाहिद और खालिद पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी ढोलीखाल सहारनपुर ने इस भूमि को अपने नाम अंकित कराया और भूमि की पावर ऑफ अटार्नी आरिफ खान पुत्र शफात खान शामली को दे दी। 15 जून 2007 को इस भूमि पर विवाद हुआ और कब्जा धारियों की याचिका उच्च न्यायालय ने निस्तारित करते हुए जिलाधिकारी देहरादून के पास अपना पक्ष रखने के लिए निर्देशित किया। साथ ही साथ सम्पत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया।मोहम्मद आरिफ खान, भगवती प्रसाद उनियाल आदि ने तहसील सदर के कर्मचारियों अधिकारियों की मिलीभगत से कूटरचित प्रमाणों के माध्यम से इस पर कब्जा कर लिया और 30 लोगों को 2017 में बेच दिया। 2018 में भाजपा के वरिष्ठ नेता इस्लामुद्दीन अंसारी ने इस संपत्ति के खुर्दबुर्द किए जाने की शिकायत जिलाधिकारी से की और तहसीलदार सदर ने 2019 में प्रकरण की सुनवाई के लिए जिलाधिकारी न्यायालय भेजा। जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा एडीएम को प्रकरण स्थानन्तरित किया गया, जिन्होंने शाहिद और खालिद की विरासत समाप्त कर दी। इस तरह से समस्त रजिस्ट्रयां स्वतः निरस्त हो गईं। 25 मई 2022 को उच्च न्यायालय नैनीताल के निर्णय के आलोक में जिलाधिकारी देहरादून ने कब्जाधारियों को सम्पत्ति खाली करने का निर्देश दिया और 2 नवंबर 2023 को सम्पत्ति कब्जा मुक्त करा दी गई। इसके बाद जांच में पता चला कि शाहिद, खालिद, आरिफ खान, भगवती उनियाल आदि ने इसी सम्पत्ति के कुछ अंश को पुनः राजस्व अभिलेखों में अपनी विरासत दर्ज कराई, जिस पर जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा भगवती प्रसाद उनियाल, शाहिद और खालिद निवासी ढोलीखाल सहारनपुर तथा मोहम्मद आरिफ शामली के विरुद्ध यह मुकदमा पुनः पंजीकृत किया। अब इस मामले पर एक बार फिर मुकदमा प्रारंभ हो गया है। इन भी लोगों के विरुद्ध एक बार पुनः छह धाराएं लगाई गई हैं। इस मामले में भाजपा नेता इस्लामुद्दीन अंसारी का कहना है कि वह शत्रु संपत्ति को खुर्दबुर्द नहीं होने देंगे और इसके लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063